रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, सोमवार 19 अगस्त 2024 ● श्रावण पूर्णिमा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 131 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने बयां किया अपना दर्द, अपमान के बाद वैकल्पिक राह तलाशने को मजबूर

चंपाई बोले- हुआ अपमान झामुमो में मचा घमासान

पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कद्दावर नेता चंपाई सोरेन के रविवार को कोलकाता होते हुए दोपहर 12 .15 बजे दिल्ली पहुंचते ही झारखंड का सियासी पारा चढ़ गया . चंपाई ने दिल्ली में स्पष्ट किया कि वे निजी दौरे पर आये हैं . लेकिन ज्यो-ज्यों दिन ढलता गया, त्यों-त्यों चंपाई को लेकर तरह-तरह की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल होने लगीं . कभी उनके साथ झामुमो के कुछ और विधायकों के भी भाजपा में शामिल होने की खबर वायरल होती, तो कभी कुछ और . हालांकि उनके साथ जिन विधायकों के भाजपा में शामिल होने की खबरें वायरल हो रही थीं, उनमें से अधिकांश ने ऐसी खबरों का खंडन किया . उधर चंपाई के 'एक्स' से झामुमो का टैग हटने, घर से पार्टी का झंडा हटने की खबरें भी सोशल मीडिया पर दिन भर तैरती रहीं . शाम होते-होते चंपाई ने अपने 'एक्स' हैंडल पर अपना दर्द बयां किया . चंपाई ने खुद के अपमान की बातों का जिक्र किया .

प्रमुख संवाददाता। रांची

सूबे की सियासी हलचल के बीच पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सोशल मीडिया पर अपना दर्द बयां किया है. उन्होंने कहा है कि आज आप सभी के मन में कई सवाल उमड़ रहे होंगे. आखिर ऐसा क्या हुआ, जिसने कोल्हान के एक छोटे से गांव में रहने वाले एक गरीब किसान के बेटे को इस मोड़ पर लाकर खड़ा कर दिया है. पिछले चार दशकों के अपने बेदाग राजनैतिक सफर में, मैं पहली बार भीतर से टूट गया. समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूं? दो दिन तक, चुपचाप आत्म-मंथन करता रहा. सत्ता का लोभ रत्ती भर भी नहीं था, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी इस चोट को मैं किसे दिखाता? अपनों द्वारा दिए दर्द को कहां जाहिर करता?

मेरे मुख्यमंत्रित्व काल का मूल्यांकन जनता करेगी : चंपाई सोरेन ने कहा कि 31 जनवरी को एक अभूतपूर्व घटनाक्रम के बाद, 'इंडिया' गठबंधन ने मुझे झारखंड के 12वें मुख्यमंत्री के तौर पर राज्य की सेवा करने के लिए चुना. अपने कार्यकाल के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक, पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया. इस दौरान हमने जनहित में कई फैसले लिए, जिसका मूल्यांकन राज्य की जनता करेगी.

अपमानजनक घटनाओं का जिक्र करना नहीं चाहता : चंपाई ने आगे कहा कि तीन दिनों से हो रहे अपमानजनक व्यवहार से भावुक होकर मैं आंसुओं को संभालने में लगा था, लेकिन उन्हें सिर्फ कुर्सी से मतलब था. मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजूद, कोई अस्तित्व ही नहीं है, इस बीच कई ऐसी अपमानजनक घटनाएं हुईं, जिसका जिक्र फिलहाल नहीं करना चाहता. इतने अपमान एवं तिरस्कार के बाद मैं वैकल्पिक राह तलाशने को मजबूर हो गया.

अपने बेदाग राजनैतिक सफर में पहली बार भीतर से टूट गया हूं

■ सत्ता का रत्ती भर लोभ नहीं था, फिर भी मेरा अपमान किया गया

किसके पास जाकर अपनी तकलीफ बताता

पूर्व सीएम ने कहा कि वर्षों से पार्टी के केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक नहीं हो रही है और एकतरफा आदेश पारित किए जाते हैं. ऐसे में किसके पास अपनी तकलीफ बताता? इस पार्टी में मेरी गिनती वरिष्ठ सदस्यों में होती है. मुझसे सीनियर सुप्रीमो हैं, जो अब स्वास्थ्य की वजह से राजनीति में सक्रिय नहीं हैं, फिर मेरे पास क्या विकल्प था? कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था. बैठक के दौरान मुझसे इस्तीफा मांगा गया. मुझे सत्ता का मोह नहीं था, मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया. पर, आत्म-सम्मान पर लगी चोट से दिल भावुक था.

विधानसभा चुनाव तक मेरे पास तीन विकल्प खुले हैं

चंपाई ने कहा कि मेरे पास तीन विकल्प हैं- पहला, राजनीति से सन्यास, दूसरा अपना अलग संगठन खड़ा करना और तीसरा इस राह में अगर कोई साथी मिले, तो उसके साथ आगे का सफर तय करना. आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक, मेरे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं. उन्होंने वर्तमान हालात को निजी संघर्ष बताते हुए कहा कि इस संघर्ष में पार्टी के किसी सदस्य को शामिल करने अथवा संगठन को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं है. जिस पार्टी को हमने अपने खून-पसीने से सींचा है, उसका नुकसान करने के बारे में तो कभी सोच भी नहीं सकते. लेकिन, हालात ऐसे बना दिए गए हैं...

मैंने न किसी के साथ गलत किया, न ही होने दिया

चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड का बच्चा- बच्चा जानता है कि अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने कभी भी किसी के साथ न गलत किया और न ही होने दिया. इसी बीच, हूल दिवस के अगले दिन, मुझे पता चला कि अगले दो दिनों के मेरे सभी कार्यक्रमों को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्थगित करवा दिया गया है. पूछने पर पता चला कि गठबंधन द्वारा तीन जुलाई को विधायक दल की एक बैठक बुलाई गई है, तब तक आप सीएम के तौर पर किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकते. क्या लोकतंत्र में इससे अपमानजनक कुछ हो सकता है कि एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को कोई अन्य व्यक्ति रद्द करवा दे? - पेज 7 भी देखें

क्या है विधानसभा का अंकगणित

सत्ता पक्ष		विपक्ष	
झामुमो	27	भाजपा	24
कांग्रेस	17	आजसू	03
राजद	01	निर्दल	03
माले	01	कुल	30
कुल	46		

वर्तमान में विधायकों की संख्या -76 क्योंकि... झामुमो के नलिन सोरेन, जोबा मांझी सांसद बने . सीता सोरेन ने इस्तीफा दिया . भाजपा के ढुल्लू महतो, मनीष जायसवाल भी सांसद बने .

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोले- हमारे पास ऐसी कोई जानकारी ही नहीं

रांची। पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर झारखंड कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि हमारे पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है. हमारे पास सिर्फ यह जानकारी है कि वह अपनी बेटी से मिलने दिल्ली गये हैं. ये सब अफवाहें हैं, चंपाई सोरेन के नाराज होने का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हेमंत सोरेन के सीएम बनने के बाद चंपाई सोरेन को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है.

सीएम ने भाजपा पर साधा निशाना, कहा

पैसे के दम पर तोड़ी जा रही घर और पार्टी : हेमंत

पाकुड़ में मंईयां सम्मान योजना का सीएम से चेक पाकर प्रसन्न महिला.

प्रमुख संवाददाता। रांची

सीएम हेमंत सोरेन ने रविवार को गोड्डा में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने स्पष्ट कहा कि हम चुनौती देते हैं कि आज घंटी बजाओ, कल इनका हम सफाया करेंगे. घर और पार्टी, पैसे के दम पर तोड़ी जा रही है. भाजपा पार्टी तोड़ने का काम करती है. उन्होंने चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा, कहा कि यह संवैधानिक संस्था नहीं रही, अब भाजपा की संस्था हो गई है. जल्द ही चुनाव की घंटी बजने वाली है. चुनाव की घंटी हमारे विरोधी भाजपा के पास है.

झाड़ू पोछा मार कर गुजरात भेज देना होगा : सीएम ने कहा कि झाड़ू पोछा मार कर भाजपावालों को गुजरात भेज देना होगा. ये गुजरात, असम, महाराष्ट्र से लोगों को लाकर यहां आदिवासी, दलित, पिछड़े अल्पसंख्यों में जहर बोने का काम करते हैं. समाज को तोड़ने के साथ घर भी फोड़ने का काम करते हैं. पार्टी तोड़ने का काम करते हैं. आए दिन कभी इस विधायक को खरीद ले, तो कभी उस विधायक को खरीद लो. पैसा ऐसा चीज है कि नेताओं को इधर से उधर जाने में देरी नहीं लगती है.

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी 'इंडिया' गठबंधन की सरकार 2019 से निरंतर जनता के बीच में खड़ी है. उन्होंने कहा कि संथाल की महान पावन धरा को भाजपा झारखंड से अलग करना चाहती है, लेकिन उनका यह सपना हम कभी पूरा नहीं होने देंगे. भाजपा में कई बड़े-बड़े वकील हैं, इनके कई लोग जज बनकर भी बैठे हैं. हमलोग नियोजन नीति बनाते हैं, तो इनके लोग हमें रोकने का काम करते हैं.

सीएम बोले

- चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था नहीं, भाजपा की संस्था
- संथाल को झारखंड से अलग करना चाहती है भाजपा

चंपाई को गद्दी से उतारना सही नहीं था : संजय सेठ

रांची। चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के सवाल पर रक्षा राज्य मंत्री और रांची के सांसद संजय सेठ ने कहा कि कि इस खबर में कितनी सच्चाई है, मुझे नहीं पता है. लेकिन, चंपाई एक अच्छे राजनेता हैं, काफी ईमानदार छवि है उनकी. सेठ ने कहा कि इस तरह उन्हें गद्दी से उतरना कहीं से भी सही नहीं था. वे अपने पद और कामों को बखूबी निभा रहे थे. वह एक ईमानदार और मास लीडर हैं.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	67,500
चांदी (किलो)	87,000

ब्रीफ खबरें

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षाबंधन की बधाई दी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को रविवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने उम्मीद जताई की कि यह त्योहार समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाएगा. उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच अनोखे बंधन का उत्सव है, जो प्रेम और आपसी विश्वास की भावना को मजबूत करता है.

पैतोंगतार्न शिनावात्रा थाईलैंड की पीएम बनीं

नयी दिल्ली। थाईलैंड के पूर्व राष्ट्रपति थाकसिन शिनावात्रा की बेटी पैतोंगतार्न शिनावात्रा रविवार को शाही समर्थन पत्र मिलने के बाद थाईलैंड की प्रधानमंत्री बन गईं. भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड की प्रधानमंत्री बनने पर पैतोंगतार्न शिनावात्रा को बधाई दी. उन्होंने कहा कि भारत और थाईलैंड के द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए आशान्वित हैं.

पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग

पुडुचेरी। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग इस सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर विधानसभा में उठाई गई. सदन ने इस मामले में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया. हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब पुडुचेरी विधानसभा ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया हो. इससे पहले भी पुडुचेरी विधानसभा में 15 बार प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की जा चुकी है.

जम्मू-कश्मीर में भाजपा गठबंधन नहीं करेगी

जम्मू। भाजपा की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र रैना ने कहा है कि पार्टी जम्मू कश्मीर में चुनाव पूर्व कोई गठबंधन नहीं करेगी. रैना ने बताया कि कश्मीर घाटी में आठ से 10 निर्दलीय उम्मीदवारों से बातचीत हो रही है. अगर ये चर्चाएं सफल होती हैं तो हम संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे. उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर में विस चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और जल्द ही उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की जाएगी.

करुणानिधि की पुण्यतिथि पर सिक्का जारी हुआ

चेन्नई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को चेन्नई में द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष एम करुणानिधि की 100वीं पुण्यतिथि पर 100 रुपये का एक स्मारक सिक्का जारी किया. राजनाथ ने कलैवनार अरन्गम में आयोजित कार्यक्रम में करुणानिधि के बेटे एवं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की उपस्थिति में 'मुथमिझ अरिगनार कलैगनार सेंटनेरी कमेमोरेटिव कॉइन' जारी किया. मौके पर राज्य के कई मंत्री मौजूद थे.

कोलकाता कांड पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई कल

स्वतः संज्ञान

एजेंसी। नयी दिल्ली/कोलकाता

कोलकाला के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में देश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहा है. इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया है. सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की तीन जजों की पीठ मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी. बता दें कि 17 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष इस मामले पर एक याचिका दायर की गई थी.

सीबीआई ने पूर्व प्राचार्य को कॉल डिटेल देने को कहा

सीबीआई के अधिकारी कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या मामले में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य डॉ संदीप घोष की कॉल डिटेल और चैट की जानकारियां जुटा रहे हैं. लगातार तीसरे दिन रविवार को सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए घोष को अस्पताल में घटना से पहले और उसके बाद किए फोन कॉल की जानकारियां देने को कहा गया. सीबीआई मोबाइल फोन सेवा प्रदाता से जानकारी लेने पर भी विचार कर रही है.

जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल जारी

न्याय की मांग को लेकर जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल रविवार को भी जारी रही. देश भर में लगातार 10वें दिन भी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं. सरकारी अस्पतालों में रविवार को ओपीडी बंद रहने के कारण मरीजों की भीड़ कम रही.

188 शरणार्थियों को नागरिकता मिली

एजेंसी। अहमदाबाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की अगुवाई वाली पिछली सरकारों की तुष्टिकरण की राजनीति के कारण देश में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए. शाह गुजरात में 188 हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र देने के बाद अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित कर रहे थे. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाखों शरणार्थियों को उनके अधिकार एवं न्याय देने के लिए है. उन्होंने मुस्लिमों को भी आश्वासन दिया कि सीएए में किसी की भी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है. उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने करोड़ों घुसपैठियों को देश में घुसने की अनुमति दी और उन्हें गैरकानूनी तरीके से नागरिक बनाया.

- मुस्लिमों को आश्वासन दिया- सीएए में नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं

शरणार्थी को नागरिकता प्रमाण पत्र देते अमित शाह.

विरोध यूपीएससी में लेटरल एंट्री से भर्ती पर विपक्ष भड़का, राहुल, अखिलेश व मायावती का केंद्र पर निशाना

वंचितों के आरक्षण व सामाजिक न्याय पर चोट की साजिश : राहुल

मोदी सरकार द्वारा लेटरल एंट्री को लागू करने के फैसले के खिलाफ विपक्ष ने मोर्चा खोल दिया है . विपक्ष के नेताओं ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के प्रमुख पदों पर लेटरल एंट्री के जरिये जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के फैसले को भाजपानीत केंद्र सरकार की मनमानी बताया है . लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इसे प्रशासनिक ढांचे और सामाजिक न्याय दोनों को चोट पहुंचाने वाला फैसला बताया . वहीं अखिलेश और मायावती ने इस भर्ती को साजिश और संविधान का उल्लंघन करार दिया .

एजेंसी। नयी दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों में लेटरल एंट्री के जरिये जल्द ही 45 विशेषज्ञ नियुक्त किए जाने के फैसले की आलोचना की है. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि पीएम मोदी यूपीएससी की जगह आरएसएस के जरिए लोकसेवकों की भर्ती कर संविधान पर हमला कर रहे हैं. केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर लेटरल एंट्री के जरिए भर्ती कर खुलेआम खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है. यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत प्रशासनिक ढांचे व सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है. उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के इस फैसले का 'इंडिया' गठबंधन मजबूती से विरोध करेगा.

खास बातें

- सपा सुप्रीमो ने दो अक्टूबर से आंदोलन की दी चेतावनी
- एससी, एसटी व ओबीसी का आरक्षण छीनने का षड्यंत्र

फैसला वापस ले सरकार: अखिलेश

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि भाजपा अपनी विचारधारा के संगी-साथियों को पिछले दरवाजे से यूपीएससी के उच्च सरकारी पदों पर बैठाने की जो साजिश कर रही है, उसके खिलाफ एक देशव्यापी आंदोलन करने का समय आ गया है. सपा प्रमुख ने इस फैसले को तत्काल वापस लेने की अपील की. उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ दो अक्टूबर से एक नया आंदोलन शुरू करेंगे.

संविधान का उल्लंघन: मायावती

बसपा प्रमुख मायावती ने भी केंद्र सरकार के इस फैसले को गलत और मनमानी वाला बताया. उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि केंद्र में संयुक्त सचिव, निदेशक एवं उपसचिव के 45 उच्च पदों पर सीधी भर्ती का निर्णय सही नहीं है. इन सरकारी नियुक्तियों में एससी, एसटी व ओबीसी समुदायों के लोगों को उनके कोटे के अनुपात में अगर नियुक्ति नहीं दी जाती है, तो यह संविधान का सीधा उल्लंघन होगा.

क्या है केंद्र सरकार का फैसला

यूपीएससी ने अलग-अलग मंत्रालयों में संयुक्त सचिव और निदेशक/ उपसचिव स्तर के 45 पदों के लिए भर्ती निकाली है. इन पदों को अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री के माध्यम से भरा जाना है. इनमें से 10 पद संयुक्त सचिव के लिए और 35 पद निदेशक/ उपसचिव के लिए हैं. इन पदों पर नियुक्त होने वाले अधिकारी सरकार के साथ तीन साल के अनुबंध पर काम करेंगे. अगर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा, तो यह अनुबंध पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है.

बुलंदशहर में बस व पिकअप में टक्कर, 10 लोगों की मौत

एजेंसी। बुलंदशहर

बुलंदशहर के सलेमपुर थाना क्षेत्र में रविवार को पिकअप और बस की टक्कर में 10 यात्रियों की मौत हो गयी और 27 यात्री घायल हो गए. जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने बताया कि पिकअप वैन गाजियाबाद से संभल की तरफ जा रही थी, तभी सलेमपुर थाना के करीब यह दुर्घटना हुई. उन्होंने कहा कि हादसे में कुल 37 यात्री घायल हुए, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गयी. वहीं 27 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर गाजियाबाद की ओर से आ रही पिकअप वैन सामने से आ रही निजी बस से टकरा गई. पुलिस के अनुसार, इस हादसे में जान गंवाने वाले 10 लोगों में से सात अलीगढ़ जिले के हैं और एक बुलंदशहर जिले का है, जबकि दो मृतकों की पहचान नहीं हो सकी है. मृतकों की पहचान अलीगढ़ जिले के पाली थाना इलाके के अहेरिया नगला निवासी मुकुट सिंह (35), दीन नाथ (45), ब्रजेश (18), शिशुपाल (27), बाबू सिंह (19), गिरिराज सिंह (26) और सुगरपाल (35) के आवाला बुलंदशहर जिले के रामघाट थाना इलाके के ऊंचा गांव निवासी ओमकार (30) के रूप में हुई है.

- बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर गाजियाबाद की ओर से आ रही पिकअप वैन सामने से आ रही निजी बस से टकराई

झारखंड पुलिस मुख्यालय में कल डीजीपी अनुराग गुप्ता करेंगे समीक्षा

डायल 112 के रिस्पांस टाइम की समीक्षा करेंगे डीजीपी

संवाददाता। रांची

डीजीपी अनुराग गुप्ता 20 अगस्त को झारखंड पुलिस मुख्यालय में डायल 112 के रिस्पांस टाइम और ट्रैकिंग सिस्टम की समीक्षा करेंगे. इस दौरान अगर किसी पुलिस अफसर या पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयी तो उसपर कार्रवाई भी हो सकती है. डीजीपी अनुराग गुप्ता की पहल पर डायल 112 को क्यूआर कोड डेवलप किया गया है. इस क्यूआर कोड की कॉपी ऑटो, बस और एटीएम सहित शहर के विभिन्न

स्थानों में लगा दिया गया है. अगर आप किसी संकट में हैं, तो आप क्यूआर कोड को स्कैन कर पुलिस की हेल्प ले सकते हैं.

चिपकाया जा रहा क्यूआर कोड : रविवार को कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए के नेतृत्व में क्यूआर कोड को सार्वजनिक स्थानों पर चिपकाया गया. क्यूआर कोड को सभी ऑटो, ई-रिक्शा और नगर निगम के सभी बसों पर चिपकाया जा रहा है. महिलाएं आसानी से स्कैन कर डायल-112 में छेड़खानी व अन्य शिकायत दर्ज कर सकेंगी.

जानिए कैसे क्यूआर कोड करेगा काम

डायल 112 के क्यूआर कोड को डीजीपी अनुराग गुप्ता के प्रयास से डेवलप किया गया है. इसे पुलिस के टेक्निकल सेल ने डेवलप किया है. शहर के किसी भी जगह पर अगर कोई आदमी मुसीबत में फंसा हो, तो वह क्यूआर कोड को स्कैन कर पुलिस को अपनी परेशानी बताकर मदद मांग सकता है. इसके लिए सबसे पहले क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा. मोबाइल से स्कैन करते ही मोबाइल में एक फॉर्म दिया जायेगा, जिसमें मात्र चार पाइंट भरने होंगे. इसके बाद तुरंत 112 से कनेक्ट हो जायेगा. वहां से सीधे आपसे संपर्क किया जायेगा और आपके नजदीक मौजूद पीसीआर या क्यूआरटी आप तक पहुंच जायेगी. यह तो उसके लिए आसान है, जिसके पास स्मार्ट फोन है. अगर किसी के पास स्मार्ट फोन नहीं है, अगर वो आपसे मदद मांगता है तो आप उसकी भी मदद कर सकेंगे.

डीजीपी पैनल के लिए यूपीएससी से अनुशंसा की जाएगी

नये डीजीपी की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू

संवाददाता। रांची

झारखंड में नये डीजीपी के नाम की खोज शुरू हो गयी है. इसके लिए योग्यता ये है कि वह अधिकारी आईपीएस के रूप में 30 साल की नौकरी पूरी कर ली हो. साथ ही उस अधिकारी को सेवानिवृत्त होने में कम से कम छह माह बचे हों. योग्यता के अनुसार , राज्य सरकार 1994 बैच या इससे पूर्व के सभी आईपीएस अधिकारियों के नामों को डीजीपी पैनल के लिए यूपीएससी से अनुशंसा करेगी. इसको लेकर गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने 1989 बैच के अजय कुमार, 1990 बैच के अनुराग गुप्ता, 1990 बैच के अनिल पालटा, 1992 बैच के प्रशांत सिंह, 1992 बैच के आरके मल्लिक, 1993 बैच के एमएस भाटिया, 1994 बैच की तदाशा मिश्रा और संपत मीणा और 1995 बैच के संजय आनंद राव लाठकर से बायोडाटा मांगा है. बता दें कि डीजीपी का कार्यकाल दो साल का होता है. वर्तमान में 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी अनुराग गुप्ता झारखंड के प्रभारी डीजीपी है.

खास बातें

- डीजीपी का कार्यकाल दो साल का होता है
- वर्तमान में अनुराग गुप्ता प्रभारी डीजीपी बनाए गए हैं

डीजीपी की सेवानिवृत्ति से तीन माह पहले भेजा जाता है आईपीएस अधिकारियों का नाम : राज्य सरकार डीजीपी पद के पैनल के लिए आईपीएस अधिकारियों का नाम, उनका कार्यकाल व उनकी छवि आदि डीजीपी की सेवानिवृत्ति से तीन महीने पहले यूपीएससी को भेजती है. ऐसी स्थिति में उम्मीद है कि इस वर्ष अक्टूबर तक राज्य सरकार नये डीजीपी के लिए छह आइपीएस अधिकारियों के नामों का पैनल भेज सकती है, जिसमें से तीन नामों का चयन कर यूपीएससी राज्य सरकार को भेजेगी.

झारखंड में रेशम उत्पादन को मिलेगा बढ़ावा

राज्य के मलवरी कीटपालकों को मिलेंगे उपकरण-सुविधाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने की कवायद शुरू कर दी गई है. अब मलवरी रेशम उत्पादन को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने जोर दिया है। इसके तहत महेशपुर (पाकुड़), राजमहल (साहिबगंज), गुमला, नेतरहाट (लोहरदगा), रातू (रांची), बेड़ो (रांची), खूंटी और सिमडेगा में जनजातीय क्षेत्र के तहत मलवरी कीटपालकों को कीटपालन उपस्कर की सुविधा प्रदान की जाएगी. इसके लिए 62 लाख 50 हजार 750 रुपए की स्वीकृति दी गई है. वहीं वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनजातीय क्षेत्र उप योजना के तहत झारखंड राज्य खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को नौ करोड़ 58 लाख रुपये की राशि दी गई है. वहीं, वित्तीय वर्ष 2024-25 में जनजातीय क्षेत्र उपयोजना के तहत समेकित खादी विकास के तहत पूंजी परिसंपत्ति के सृजन के लिए अनुदान मद में पांच करोड़ 40 लाख रुपये की राशि दी गई है. रेशम योजना बजट के जनजातीय प्रक्षेत्र के कार्यालय व्यय, मजदूरी, आपूर्ति व सामग्री, कार्यालय उपकरण, राजकीय फार्म का सुदृढ़ीकरण, अनुरक्षण मरम्मत व सुसज्जीकरण तथा मोटर वाहन मद में चार करोड़ 86 लाख 35 हजार रुपये की स्वीकृति दी गई है.

रेशम उद्योग में जुड़े हैं 2.50 लाख : अब तक इस उद्योग से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 2.50 लाख लोग जुड़े हुए हैं. इस उद्योग को बढ़ावा देने

के लिए लिए तसर फूड प्लांट, रेशम कीट और कोकून से संबंधित उत्पादकता में सुधार के लिए 25 अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गई हैं. साथ ही रेशम उत्पादन से जुड़े 6300 लोगों को उन्नत कीट पालन का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है. इसके अलावा रीलिंग, स्पिनिंग व पोस्ट कुकुन क्रियाकलापों से संबंधित विभिन्न योजनाएं भी चल रही हैं.

देश का 70 फीसदी तसर उत्पादन झारखंड में : देश में कुल उत्पादित तसर का 70 फीसदी उत्पादन अकेले झारखंड में ही होता है. झारखंड के खरसावां-कुचाई आर्गेनिक रेशम उत्पादन के लिए पूरे देश में प्रसिद्धि पा चुका है. झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार लगभग 30 करोड़ रुपये का है. यहां के कुकून की भारी मांग है. राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित जेएसएलपीएस द्वारा महिलाओं को इसकी खेती का प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

ऑर्गेनिक तसर को मिल चुका है दर्जा : खरसावां और कुचाई में तैयार तसर को आर्गेनिक का दर्जा मिल चुका है. इसकी मांग विदेश में भी है. कुचाई प्रखंड में सबसे अधिक सिल्क का उत्पादन होता है. झारक्रॉफ्ट की ओर से कुचाई सिल्क के नाम से सिल्क साड़ी विदेशों में भी धूम मचा रही है। राज्य सरकार और एनजीओ के माध्यम से वान्या कलस्टर संवर्धन कार्यक्रम, महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना, जैसे विभिन्न कार्यक्रम की शुरुआत की गई है. महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के अंतर्गत राज्यों को नर्सरी स्थापित करने और खाद्य पौधों बीज फसल, रिंग वाणिज्य ग्रेडिंग के साथ रेशम कीट भी उत्पादन के लिए सहायता प्रदान की गई है.

कोल्हान में होता है 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन : झारखंड में 35 फीसदी तसर कोसा का उत्पादन कोल्हान में होता है. उद्योग विभाग ने कोल्हान में तसर का उत्पादन बढ़ाने पर जोर दिया है. इसके लिए छह क्षेत्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान स्टेशनों,तीन अनुसंधान विस्तार केंद्रों से अत्याधुनिक तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है.

तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त : तसर उत्पादन के लिए झारखंड की जलवायु उपयुक्त है. अर्जुन, आसान एवं साल की पत्तियों को ग्रहणकर तसर उत्पादित करने की दुर्लभ क्षमता प्रकृति ने कुछ विलक्षण व विशिष्ट प्रकार के कीटों को प्रदान की है. राज्य में संबंधित पेड़ों की बहुलता तसर उत्पादन का बड़ा आधार है. इन पेड़ों की पत्तियां इन कीटों के लिए बेहतरीन भोज्य हैं, जो बेहतरीन तसर के उत्पादन का वाहक है. वहीं तसर कीटपालन परोक्ष रूप से पर्यावरण एवं वन संरक्षण में भी सहायक है.

- रेशम उद्योग में जुड़े हैं 2.50 लाख लोग
- रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए मिलेगी सुविधाएं
- खादी ग्रामोद्योग बोर्ड को मिले 9.58 करोड़ रुपये
- 62.50 लाख से खरीदे जाएंगे उपकरण
- समेकित खादी विकास के लिए 5.40 करोड़ रुपये
- झारखंड में सिल्क का सालाना कारोबार 30 करोड़ रुपये से भी ज्यादा का है

बैनरों से चंपाई का नाम व निशान गायब: बाउरी

रांची। नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा है कि हेमंत सरकार के बैनरों व योजनाओं से चंपाई सोरेन का नाम व निशान गायब है. उन्होंने ट्वीट में आगे लिखा है कि फिर जेल से बाहर निकले हेमंत सोरेन और उन्होंने कॉपी पेस्ट व सत्ता हथियाना का खेल शुरू किया. खैर दूसरों के किए गए कार्यों पर क्रेडिट लेना और पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा दी गयी नौकरियों के नियुक्ति पत्र बांटने में हेमंत सोरेन पारंगत प्राप्त हैं. मुख्यमंत्री पाकुड़ के गायबथान में मुख्यमंत्री मंईयां योजना की शुरुआत करने गए थे. परंतु विडंबना देखिए, वहीं के जिस होपनी मरांडी, दांदु हेंब्रम, रानी मुर्मू की जमीन बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा लूट ली गई थी, उसे नहीं लौटाया. झामुमो-कांग्रेस ने गरीबों को 72000 सालाना देने का वादा किया था, हेमंत सोरेन के झूठे वादे की थोड़ी भरपाई की.

आछसं की चिंता : राज्य सरकार पांच साल में नहीं बना पायी पेसा कानून

राजनीतिक दलों में बाहरी ज्यादा

संवाददाता। रांची

आदिवासी छात्र संघ की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को रांची में केंद्रीय कार्यालय करम टोली में की गयी. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई. इसमें झारखंड के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा की गई. केंद्रीय कोषाध्यक्ष और संयोजक डॉ. जलेश्वर भगत ने अपनी चिंता व्यक्त किया.कहा कि पांच वर्षों में राज्य सरकार राज्य में स्थानीय नीति, पेसा कानून लागू नहीं कर पाई है, जो आदिवासी समुदाय के हितों के लिए हानिकारक साबित हो रहा है.

हो रहा भेदभाव : केंद्रीय मीडिया प्रभारी सुमित उरांव ने कहा कि राजनीतिक दलों में बाहरी हस्तक्षेप

आछसं की बैठक में शामिल पदाधिकारी.

बढ़ रहा है. झारखंडी कार्यकर्ताओं को अनारक्षित सीटों पर कोई महत्वपूर्ण स्थान नहीं दिया जा रहा है. उनके साथ भेदभाव व्यवहार हो रहा है, जिससे राज्य के स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है. केंद्रीय अध्यक्ष सुशील उरांव ने कहा कि राज्य के आदिवासी समुदाय को एकजुट होने की जरूरत है. साथ ही आदिवासियों को शिक्षित होना होगा. बैठक में राजू उरांव, रांची विश्वविद्यालय अध्यक्ष मनोज उरांव, भुवनेश्वर मुंडा, देवदर्शन उरांव, महादेव उरांव मौजूद रहे.

विस चुनाव में भाजपा 65, जदयू 13, आजसू 18 और लोजपा को चाहिए 10 सीट

ये दिल मांगे मोर: दावा पर दावा, पिक्चर क्लिर नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में सियासी पारा चढ़ता जा रहा है. नेताओं का एक दल से दूसरे दल में आना-जाना जारी है. भाजपा में दूसरे दलों के नेताओं के शामिल होने की होड़ मची हुई है. चंपाई सोरेन को लेकर कयासों का बाजार गर्म है. टिकट की आस में यह सबकुछ हो रहा है. लेकिन इस बीच भाजपा के सहयोगी दलों ने भी अपनी डिमांड विभिन्न प्लेटफॉर्म में रख रहे हैं. सीट को लेकर दावा पर दावा किया जा रहा है. बस ये दिल मांगे मोर.

भाजपा 65 सीटों पर लड़ना चाहती है चुनाव : भाजपा झारखंड में 65 सीटों पर चुनाव लड़ना चाहती है. भाजपा के फायर ब्रांड नेता इसके लिए झारखंड में किलाबंदी भी कर रहे हैं. इंडी गठबंधन को हर मुद्दों पर घेरने की कोशिश की जा रही है. पार्टी के आला पदाधिकारियों का कहना है कि जिन 2019 में जिन सीटों पर पार्टी ने जीत दर्ज की थी, उसे दूसरे को नहीं दिया जाए. वहीं दूसरा दावा यह भी है कि लोकसभा चुनाव में जिन विधानसभा सीटों पर भाजपा को बढ़त मिली थी, उन सीटों पर भाजपा का दावा बनता है.

आजसू 18 और जदयू ने 12 सीटों पर किया है दावा : भाजपा के सहयोगी दल आजसू और जदयू भी सीट शेयरिंग को लेकर दावा पर दावा करते नजर आ रहे हैं. जदयू ने 12 और आजसू ने 12 सीटों पर दावा किया है. लेकिन अब तक पिक्चर क्लियर नहीं हो पाया है. वहीं एनडीए फोल्डर में शामिल लोजपा ने भी 10 सीटों पर दावा किया है. बहरहाल सभी दल जोर लगा रहे हैं. जानकारी के अनुसार इस महीने के अंत तक सीटें शेयरिंग का फॉर्मूला तय होने की संभावना है. अब देखना दिलचस्प होगा कि किसके खाते में कितनी सीटें आएंगी.

खास बातें

- चुनाव पास आते ही पार्टियों में सीट को लेकर खींचतान शुरू
- सभी दल सोशल मीडिया पर अपने-अपने दावे ठोंक रहे हैं

राज्यपाल ने आनंदी बेन से की मुलाकात

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ राज भवन में शिष्टाचार भेंट की. उक्त अवसर पर उन्होंने राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के संदर्भ में चर्चा की.

भारत सरकार ने कैदियों से मुलाकात के लिए ई-प्रिसन पोर्टल किया है लॉन्च

17,718 कैदियों से हर दिन मिल रहे 1198 लोग

संवाददाता। रांची

झारखंड के 31 जेलों में बंद कैदियों से हर दिन 1198 लोग मुलाकात कर रहे हैं. बीते 18 दिनों की बात करें 21570 लोग जेल में बंद कैदियों से मिलने आये हैं. बता दें कि झारखंड में कुल 31 जेल हैं. इनमें सात सेंट्रल जेल, 16 डिस्ट्रिक्ट जेल, हजारीबाग में एक ओपन जेल और सात सब-जेल हैं. इन जेलों में कुल 17718 कैदी बंद हैं. इनमें 12397 अंडर ट्रायल और 5321 सजायाफ्ता कैदी हैं.

कारगर साबित हो रहा ई-प्रिसन पोर्टल : भारत सरकार ने जेल में बंद कैदियों से मुलाकात के लिए ई-प्रिसन पोर्टल लॉन्च किया है. ई-प्रिसन पोर्टल के माध्यम से झारखंड में हर दिन जेल में बंद कैदी से लोग मुलाकात कर रहे हैं. एनआईसी ने ई-प्रिसन पोर्टल को विकसित किया और इसे दिसंबर 2014 में झारखंड में लागू किया. इस एप्लीकेशन का

मुख्य उद्देश्य झारखंड के कारा विभाग के बारे में विश्वसनीय जानकारी प्रदान करना है. यह एप्लीकेशन बंदियों में सुधार, व्यापक पारदर्शिता और केंद्रीकृत डेटाबेस नियोजन व प्रबंधन, बंदियों की बेहतर दक्षता और जवाबदेही को बढ़ावा देता है. इस पोर्टल के माध्यम से जेल में बंद कैदी के परिवार के कोई भी सदस्य घर बैठे अपने मोबाइल या कंप्यूटर से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये बात कर सकते हैं. इतना ही नहीं इस पोर्टल के जरिये जेल में बंद कैदी से फेस टू फेस मिलने के लिए भी ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते हैं.

झारखंड में 856 महिला कैदी, पर एक भी महिला जेल नहीं : झारखंड में कुल 868 महिला कैदी हैं. पर यहां अब तक महिला कैदियों के लिए अलग से जेल नहीं बनाया गया है. जबकि पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल और बिहार में महिलाओं के लिए अलग से जेल है. बिहार में 2890 महिलाएं जेल में बंद हैं. बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, गुजरात जैसे राज्य में दो-दो महिला जेल हैं. तमिलनाडु जैसे राज्य में 13 महिला जेल हैं, जिसमें 790 महिला कैदी को रखा गया है. केरल के चार महिला जेलों में 186 महिला बंदी हैं. राजस्थान में सात महिला जेल में 688 महिला बंदी हैं.

ऑनलाइन कार्डियोजोन में विशेषज्ञों ने दिए टिप्स

संवाददाता। रांची

रविवार को ऑनलाइन कार्डियोजोन 2024 का आयोजन किया गया, जिसमें देश विदेश के गणमान्य हृदय रोग विशेषज्ञों ने व्याख्यान पेश किया. सम्मेलन के प्रथम व्याख्यान में कार्डियोजोन के संयोजक अध्यक्ष डॉ वीके जगनाणी ने इसीजी में पी वेव के महत्व एवं उपयोगिता पर बल दिया. वडोदरा से डॉ प्रगनेश शाह ने आधुनिक समय में हृदय रोग से बचने के लिए नियमित व्यायाम, पौष्टिक गृह निर्मित भोजन, रक्तचाप एवं मधुमेह के नियंत्रण का महत्व बताया. हैदराबाद के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ भरत पुरोहित ने अनियंत्रित रक्तचाप में रियल डीनरवेशन एवं स्ट्रोक में एलए ऑक्लूडर जैसे नूतन उपचार पर व्याख्यान दिया. कोयम्बटूर से डॉ मोहन ने हृदय रोग में नूतन उपचारः स्टेम सेल्स के उपयोग पर व्याख्यान दिया. सूरत से डॉ विश्मय परमार ने हृदय रोग में विभिन्न प्रकार के रोग एवं उनके उपचार पर विचार रखे.

विधायक राजेश कच्छप से मिला चौकीदार-दफादार संघ का प्रतिनिधिमंडल

रांची। दफादार-चौकीदार के प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को खिजरी विधान सभा क्षेत्र के विधायक राजेश कच्छप से नामकुम स्थित उनके पैतृक आवास में मिलकर एक मांग पत्र सौंपा है. मांग पत्र में चौकीदारों के रिक्त पदों पर निकला गया विज्ञापन पर तत्काल रोक लगाने और रद्द करने की मांग की गई. वहीं मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने बताया विधायक जी के साथ अगर सार्थक वार्ता नहीं होती है तो पुनः आगे की रणनीति तय करके आंदोलन शुरू किया जाएगा.

क्लासिफाइड

विचार-मंथन

विश्व हिंदू परिषद की झारखंड प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में आता है संस्कार : अमरीश सिंह

संवाददाता। रांची/कोडरमा

विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्यसमिति की बैठक रविवार को संपन्न हुई. तीन दिवसीय प्रांत कार्यसमिति की बैठक शिव वाटिका झुमरी तलैया में 16 से 18 अगस्त हुई. बैठक की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत जी ने की. बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी व विहिप के अन्य सभी आयम के प्रांत, जिला अधिकारी व कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. बैठक के समापन समारोह में मुख्यवक्ता के रूप में अमरीश सिंह जी ने कहा कि सभी हिंदू परिवार में हिंदू संस्कार की रचना

कार्यक्रम में पुस्तिका का विमोचन करते पदाधिकारी.

करने का कार्य विश्व हिंदू परिषद करती है. विश्व हिंदू परिषद अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रही है. हर घर में धार्मिक पुस्तिका, धार्मिक कार्यक्रम से ही बच्चों में संस्कार की रचना की जा सकती है. सभी हिंदू धार्मिक स्थान पर सभी सिर्फ हिंदू होते हैं. डॉ रविंद्र नारायण सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद में सभी अधिकारी और कार्यकर्ता एक समान हैं और सभी को एक साथ मिल कर काम करने की आवश्कता है.

बैठक में इस तीन दिवसीय बैठक में होने वाले कार्यक्रम के संदर्भ में योजना बनाई गई. बैठक में प्रांत नवीन दायित्व की घोषणा क्षेत्रीय मंत्री वीरेंद्र विमल जी और ज़िला नवीन दायित्व की घोषणा प्रान्त उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव जी ने की. नवीन दायित्व में प्रांत से राजेन्द्र कुमार मुंडा उपाध्यक्ष, रंगनाथ महतो प्रांत बजरंगदल संयोजक सह प्रांत सहमंत्री, जनार्दन पांड्ये बजरंग दल प्रांत सह संयोजक, संतोष कुमार प्रांत विशेष संपर्क टोली ,विनय कुमार प्रांत सेवा विभाग टोली सदस्य, मुकुंद नायक प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, सुभाष नेत्रगांवकर प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, विरेन्द्र यादव प्रांत कार्यकारिणी सदस्य, शौर्या सिंह प्रांत शक्ति साधना केंद्र प्रमुख व रांची विभाग के रवि शंकर राय मंत्री, फूल कुमारी देवी मातृ शक्ति सह प्रमुख, कीर्ति गौरव दुर्गा वाहिनी संयोजिका, शालनी मिश्रा सहसंयोजिका, कल्याण श्यामल विभाग संगठन मंत्री, गुमला विभाग सहमंत्री मनोज वर्मा, सतीश पांडे विभाग सत्संग प्रमुख, सिंहभूम विभाग अरुण सिंह सहमंत्री व जिला के नाम की घोषणा की गई.

अरण्यभूमि त्रैमासिक पुस्तिका का विमोचन

बैठक में विश्व हिंदू परिषद द्वारा अरण्यभूमि त्रैमासिक पुस्तिका का विमोचन किया गया. इस बैठक में मुख्य रूप से श्री कृष्ण चैतन्य ब्रह्मचारी जी प्रांत मार्गदर्शन मंडली, डॉ रविंद्र नारायण सिंह पूर्व केंद्रीय अध्यक्ष वर्तमान में केंद्रीय टोली सदस्य, अमरीश सिंह जी केंद्रीय मंत्री, आनंद कुमार पटना क्षेत्रीय संगठन मंत्री, वीरेंद्र विमल जी क्षेत्रीय मंत्री, चंद्रकांत रायपात जी प्रांत अध्यक्ष, गंगा प्रसाद यादव प्रांत उपाध्यक्ष, मनोज पोद्दार प्रांत शाह मंत्री, रामनरेश सिंह प्रांत सहमंत्री, रंगनाथ महतो प्रान्त सहमंत्री, देवी सिंह प्रांत संगठन मंत्री, मनोज पांडे मौजूद थे. मंच संचालन रंगनाथ महतो ने किया.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | जमशेदपुर, सोमवार 19 अगस्त 2024 ● श्रावण पूर्णिमा संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 131 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

ब्रीफ खबर

पशु चिकित्सालय भवन का किया गया शिलान्यास

बहरागोड़ा । बहारागोड़ा प्रखंड क्षेत्र के मानुषमुड़िया में रविवार को करीब 24 लाख 98 हजार रुपए की लागत से मूनलाइट इंटरप्राइजेज दर्रा बनने वाली पशु चिकित्सालय भवन निर्माण हेतु शिलान्यास कार्यक्रम आयोजन किया गया. इसमें मुख्य अतिथि विधायक समीर मोहंती व सांसद प्रतिनिधि गौरब पुष्टि उपस्थित हुए. अतिथियों ने पूजा अर्चना के बाद नारियल फोड़ कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया.

स्वाति सीमेंट के खिलाफ गोलबंद हुए जमीनदाता

जमशेदपुर । पोटका प्रखंड के हाता में प्रस्तावित स्वाति सीमेंट उद्योग के खिलाफ जमीनदाता गोलबंद हो गए हैं. जमीनदाताओं का कहना है कि उन लोगों ने कंपनी खोलने के लिए जमीन दी थी. साथ ही एकरारनामा में नौकरी देने की बात है. लेकिन 8 वर्षों से न कंपनी खुली ना ही किसी को रोजगार मिला. इस मामले को लेकर रविवार को जमीनदाताओं ने बैठक की. इसमें ग्रामीणों ने आंदोलन करने का निर्णय लिया.

टेल्को में दिशा महिला मंच ने कैंडल मार्च निकाला

जमशेदपुर । टेल्को के प्रकाशनगर स्थित रत्नम-ऋषि कैंपस में रविवार को दिशा महिला मंच की ओर से कैंडल मार्च निकालकर आक्रोश व्यक्त किया गया. कैंडल मार्च में शामिल लोग कोलकाता के आरजी मेडिकल कॉलेज की प्रशिक्षु डॉक्टर मोमिता देवनाथ के साथ हुई ज्यादती का विरोध कर रही थी. महिलाओं ने इस घटना के बाद सरकार की उदासीनता पर नाराजगी व्यक्त की. लोगों ने नारेबाजी भी की.

बिष्टुपुर निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र जांच शिविर लगाया

जमशेदपुर । रविवार को रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट की ओर से बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. जिसमें 77 लोगों ने स्वास्थ्य और 44 लोगों ने नेत्र जांच कराया. जिसमें 7 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया. शिविर में कैंसर और थैलेसीमिया से बचाव के तरीकों के बारे में भी जागरूक किया गया.

मंगल कालिंदी का गाजे-बाजे के साथ हुआ स्वागत

जमशेदपुर । जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कैरेज कॉलोनी में रविवार को विधायक मंगल कालिंदी का स्थानीय लोगों ने गर्मजोशी से स्वागत किया. स्थानीय लोगों ने कहा कि देश की आजादी के बाद जितने विकास के कार्य कैरेज कालोनी में नहीं हुए. उससे ज्यादा कार्य विधायक मंगल कालिंदी ने विधायक बनने के बाद किया. क्षेत्र में हर गली-मुहल्ले में सड़कों का निर्माण कराया, पेबर्स ब्लॉक बिछवाया, पेयजल के लिए जलमीनाक का निर्माण कराया, जगह-जगह स्ट्रीट लाईट लगवाई. नगर विकास की निधि से नागरिक सुविधा के तहत कई विकास कार्य उनके प्रयास से हुए.

ग्रामीणों ने मृत हथिनी की फूल चढ़ा की पूजा, देर से पहुंचे वन पदाधिकारी, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चलेगा मौत का कारण

ईचागढ़ में मादा हाथी की मौत, चोगाटांड़ गांव में रात में देखे गये थे 10-12 हाथी

संवाददाता । चांडिल

ईचागढ़ प्रखंड के कुटाम, चोगाटांड में ग्रामीणों ने रविवार की सुबह एक खेत में मादा हाथी को मृत अवस्था में देखा गया. ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी. मृत हाथिनी की उम्र 15 से 20 वर्ष के बीच बतायी जा रही है. आशंका व्यक्त की जा रही है कि शनिवार की रात को ही मादा हाथी की मौत हुई है. सुबह ग्रामीणों को खेत की ओर निकलने के बाद इसकी जानकारी हुई.

इसके बाद ग्रामीण मृत मादा हाथी की पूजा-अर्चना में जुट गए. ग्रामीण अगरबत्ती दिखाकर और फूल अर्पण कर मृत मादा हाथी को अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित कर रहे थे. उल्लेखनीय है कि हाथी को भगवान गणेश का स्वरूप माना जाता है. बताया जा रहा है कि शनिवार की रात 10 से 12 की संख्या में जंगली हाथियों का झुंड चोगाटाड़ गांव में विचरण करते देखा गया था. ग्रामीणों ने आशंका जताई कि मृत मादा हाथी उसी झुंड की हो सकता है.

दिख रहा आंदोलन का असर

मादा हाथी की मौत के बाद वन विभाग की कार्रवाई में वनरक्षियों के आंदोलन का असर साफ झलक रहा है. ग्रामीणों की सूचना देने के बाद भी विभागीय कर्मियों का देर तक नहीं पहुंचने का कारण भी वनरक्षियों का आंदोलन है. वहीं रविवार होने के कारण भी पदाधिकारियों के घटनास्थल पर पहुंचने में विलंब हो रहा है. झारखंड राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली, 2014 में अहितकारी संशोधन करके झारखंड राज्य अवर वन क्षेत्रकर्मी संवर्ग नियमावली, 2024 बनाकर वनपाल के शत-प्रतिशत प्रोन्नति के पद में कटौती करते हुए 50 प्रतिशत पदों पर सीधी नियुक्ति करने के निर्णय के विरुद्ध राज्य के सभी वनरक्षी अपने सभी विभागीय कामकाज को छोड़कर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं. 16 अगस्त से वनरक्षियों का आंदोलन जारी है, लेकिन उनके आंदोलन की अब तक किसी ने सुध नहीं ली है. आंदोलनरत कर्मियों का कहना है कि इसके लिए झारखंड राज्य अवर वन सेवा संघ मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रधान सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक से कई बार गुहार लगा चुके हैं, लेकिन किसी भी स्तर से सकारात्मक पहल नहीं की गयी.

हाथी की मृत्यु कैसे हुई, जांच का विषय

ईचागढ़ के चोगाटांड़ में मादा हाथी की मौत की सूचना मिलने पर चांडिल के वन क्षेत्र पदाधिकारी मैनेजर मिर्धा ने इसकी जानकारी वरीय अधिकारियों को दी. उन्होंने बताया कि मादा हाथी की मौत कैसे हुई, यह जांच का विषय है. शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा. मादा हाथी की मृत्यु के बाद क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चा है. लोगों का कहना है कि कीटनाशक दवा डाले गए खेतों में धान का पौधा खाकर हाथी की मौत हुई है, तो कोई कह रहा है कि फसल को सुरक्षित रखने के लिए ग्रामीण बिजली का करंट लगाकर रखे होंगे, जिसकी चपेट में आकर हाथी की मौत हुई है. खैर ये तो बस अटकलें हैं, वास्तविकता तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा. चांडिल अनुमंडल क्षेत्र में इस वर्ष तीन हाथियों की मौत हो चुकी है. इस वर्ष सबसे पहले छह जनवरी को आंडा गांव में कुआं में गिरकर एक हाथी की मौत हुई थी. इसके बाद नौ जून को लेटेमदा में ट्रेन की चपेट में आकर एक हाथी की मौत हुई थी. अब ईचागढ़ के चोगाटांड़ में मादा हाथी की संदेहास्पद स्थिति में मौत लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है.

मईंया सम्मान योजना की राशि प्रदान कर नारी सशक्तिकरण की जताई प्रतिबद्धता

गोड्डावासियों को मुख्यमंत्री ने 187.15 करोड़ की 151 योजनाओं का दिया तोहफा

संवाददाता । गोड्डा/रांची

- राज्य सरकार के कार्यों से बदल रही राज्य की दशा और दिशा
- हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है
- सरकार की विभिन्न योजनाओं से जुड़कर लोग बन रहे स्वावलंबी
- जन कल्याण के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध रही है हमारी सरकार
- सरकार के निर्णयों से राज्य भर में खुशी का दिख रहा माहौल

सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है. हम आपकी भावनाओं से भली- भांति वाकिफ हैं. यही वजह है कि हमारी सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ आदिवासी, दलित, शोषित, वंचित, गरीब और किसानों- मजदूरों को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है. मुख्यमंत्री रविवार को गोड्डा जिले के बोआरीजोर प्रखंड के राजाभीठा में विकास योजनाओं के उद्घाटन- शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा कि तमाम विपरीत पतिस्थितियों के बीच सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, जिसका लाभ आम जनमानस को मिल रहा है.

अपने संसाधनों को बढ़ा रहे हैं, ताकि नई -नई योजनाएं ला सकें

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जन कल्याण के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध रही है. पिछले साढ़े वर्षों में अनेकों ऐसी योजनाएं लेकर आए. इससे जुड़कर यहां के लोग सशक्त बन रहे हैं. अब ऐसी ही कई और जन कल्याण से जुड़ी योजनाओं को शुरू करने की कार्य योजना तैयार हो रही है. ये नई योजनाएं इस राज्य की दशा और दिशा बदलने का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगी. इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर अपने संसाधनों को बढ़ा रहे हैं.

नारी शक्ति को समर्पित है मईया सम्मान योजना

नारी सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है. यहां की महिलाएं काफी मेहनतकश हैं. वे घर-परिवार भी चलाती हैं और आमदनी के लिए काम भी करती हैं. ऐसे में हमारी सरकार राज्य की महिलाओं एवं बहन-बेटियों के लिए पहले से ही कई योजनाएं चला रही हैं.

इसी क्रम में झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना नाम से एक और ऐतिहासिक कड़ी आज से जुड़ रही है. इस योजना के तहत महिलाओं और बहन-बेटियों को हर वर्ष 12 हजार रुपए सम्मान राशि मिलेगी. राज्य की बच्चियां पैसे के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रहे, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना के तहत 40 हजार रुपए दिये जा रहे हैं. इस योजना के अब तक 9 लाख से ज्यादा बच्चियां जोड़ी जा चुकी हैं. वहीं, 50 वर्ष से अधिक की महिलाओं को भी पेंशन योजना का लाभ दे रहे हैं.

मुस्कान लाने का कर रहे काम

हमारी सरकार हर चेहरे पर मुस्कान लाने का काम कर रही है. सरकार की अनेकों योजनाएं हैं, जिससे जुड़कर लोग स्वावलंबी बन रहे हैं. हमारी सरकार ने सर्वजन पेंशन योजना लागू कर सभी बुजुर्गों, एकल महिलाओं और दिव्यांगों को आर्थिक सुरक्षा कवच दे रही है. वहीं, किसानों के दो लाख रुपए तक का लोन माफ किया जा रहा है. मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत स्वरोजगार के इच्छुक नौजवानों को को 25 लाख रुपए तक की आर्थिक मदद दी जा रही है ताकि वे खुद के साथ दूसरों को भी रोजगार दे सकें.

खाली पड़े पदों पर चल रही है नियुक्ति की प्रक्रिया

बड़े पैमाने पर खाली पड़े पदों के लिए नियुक्ति प्रक्रिया तेज गति से चल रही है. इसके साथ सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के हित में कई अहम निर्णय लिए गए हैं. सरकारी कर्मियों को बुढ़ापे की लाठी के रूप में पुरानी पेंशन योजना दी गयी है. अनुबंध पर काम करने वालों कर्मचारियों की सेवा शर्तों में सुधार के साथ मानदेय में बढ़ोतरी की गई है. आंगनबाड़ी सेविका -सहायिका जैसे अन्य कर्मियों को सम्मानजनक प्रोत्साहन राशि दी जा रही है. सरकार के निर्णयों से राज्य भर में खुशी का माहौल देखने को मिल रहा है.

झारखंड को हमेशा हाशिये पर रखा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने से पहले और अलग राज्य बनने के बाद भी हमेशा हाशिये पर रहा. नीति- निर्धारकों द्वारा इस राज्य और यहां की गरीब जनता की सुध नहीं ली गयी. यही वजह है कि विकास के मामले में झारखंड पिछड़ता रहा. लेकिन, हमारी सरकार के गठन के बाद से राज्य को विकास की दहलीज पर ले जाने और यहां की जनता के उत्थान के लिए लगातार निर्णायक फैसले ले रही है. वह दिन दूर नहीं, जब झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में गिना जाएगा.

कई विकास योजनाओं का मिला तोहफा

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगभग 187 करोड़ 15 लाख रुपए की 151 योजनाओं का तोहफा दिया. इसमें 58 करोड़ 62 लाख रुपए की 73 योजनाओं का उद्घाटन एवं 128 करोड़ 53 लाख रुपये की 78 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है. वहीं, विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण किया गया. इस विशेष मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य की बहन- बेटियों को झारखंड मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि प्रदान कर रक्षा बंधन की सौगात दी. योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम में मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री बेबी देवी एवं मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, विधायक प्रदीप यादव तथा विधायक कल्पना सोरेन समेत जिले के उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे.

सीएम हेमंत सोरेन का मास्टर स्ट्रोक, पाकुड़ से मंईयां सम्मान योजना की हुई शुरुआत

रांची | मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को पाकुड़ से मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत कर मास्टर स्ट्रोक खेला है. योजना की शुरुआत करते हुए महिलाओं के खाते में डीबीटी के जरिए पैसे भेजे गए. सीएम ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है. महिलाओं के लिए एक अनवरत और न रुकनेवाली योजना का शुभारंभ होने जा रहा है. मैं काफी समय से सोच रहा था कि आधी आबादी के लिए हम कुछ विशेष करें और आज ये ऐतिहासिक दिन आया है. इस ऐतिहासिक दिन के लिए कई चुनौतियां का सामना हमें करना पड़ा. मुझे लगता है कि सब कुछ ठीठाक रहता तो यह योजना आज नहीं साल भर पहले धरातल पर उतार देता. 40 लाख महिलाओं का फॉर्म स्वीकृत हो गया है. और थोड़ा सा फार्म ही बाकी है. हमे लगता है कि हम 45-50 लाख महिलाओं तक पहुंच जाएंगे. हर महीने की 15 तारीख को पैसा खाते में पहुंच जाएगा. सीएम ने कहा कि भाजपा के लोग हमारी योजना के बोझ तले इतना दब जाएंगे कि सात जन्मों तक उठ नहीं पाएंगे. इनके पास कोई मुद्दा नहीं है. बस एक ही मुद्दा है, हिंदू- मुस्लिम करो, सिख- ईसाई करो. अगड़ा-पिछड़ करो. समाज में जहर फैलाओ. नेता विधायक को खरीदो -बेचो. सरकार को अस्थिर करो. पांच साल तक तो नोचते रहे, लेकिन सरकार का बाल भी बांका नहीं कर पाये. हमको बंधक बनाकर रख दिया. लेकिन कानून की नजरों में आज के दिन में भी रोशनी है. हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक में इनके जो आरोप थे, वे सारे के सारे बेबुनियाद निकले और आज मैं आपके सामने खड़ा हूं. ये लड़ाई यही खत्म नहीं होगी. लोकसभा चुनाव में इनलोगों ने पूरे देश में जहर फैलाया, हिंदू-मुस्लिम किया. घर तोड़ो-पार्टी तोड़ो किया. आखिरकार भगवान राम ने अयोध्या में इनको चेहरा दिखा दिया. अब इनको सरकार चलाने के लिए बैसाखी की जरूरत पड़ती है. सीएम ने कहा कि अब आपको खाते में हर महीने की 15 तारीख को पैसा चला जाएगा. ये सरकार गांव से चलनेवाली सरकार है. किसानों की दो लाख तक की ऋण माफी की जा रही है.

झीरपाईबुरु जंगल में दिखा तेंदुआ, ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता । किरीबुरु

सारंडा के घने जंगलों के बीच स्थित टाटा स्टील की विजय-टू लौह अयस्क खदान से सटे झीरपाईबुरु जंगल में 17 अगस्त की शाम एक तेंदुआ देखा गया. उक्त तेंदुआ को आसपास के गांवों से बैल-बकरी चराने गये ग्रामीणों द्वारा देखे जाने की बात कही जा रही है. तेंदुआ देखे जाने के बाद से ग्रामीणों में दहशत व चर्चाओं का बाजार गर्म है. उल्लेखनीय है कि कुछ माह पूर्व रात के समय इसी खदान के खनन क्षेत्र में एक वन्यप्राणी को बिना भय के विचरण करते देख वहां काम कर रहे मजदूरों ने वीडियो बनाया था. मजदूरों ने दावा किया था कि यह वन्यप्राणी तेंदुआ था. बाद में वन विभाग ने कहा था कि यह तेंदुआ नहीं बल्कि सारंडा से लगभग विलुप्त हो चुकी जंगली बिल्ली थी.

सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम ने बताया कि विजय-टू खदान से सटे झीरपाईबुरु व आसपास के अन्य जंगल व पहाड़ में वन्यप्राणियों का सुरक्षित आश्रय स्थल पहले से रहा है. इस जंगल व पहाड़ों में वन्यप्राणियों के छुपने के दर्जनों गुफायें हैं. इनमें से कई गुफा खनन गतिविधियों अथवा मिट्टी भरने के कारण नष्ट हो गई हैं. इस जंगल में पहले भारी तादाद में तेंदुआ, जंगली सूअर, हिरण, जंगली बकरी (कोटरा), सांवर, साहिल, वज्रकीट, जंगली बिल्ली, हाथी आदि अनेक प्रकार के वन्यप्राणी पाये जाते थे, लेकिन खनन गतिविधियों के कारण इनका पलायन अन्य जंगलों में हुआ है. लेकिन अभी भी यहां तेंदुआ, हाथी, हिरन, कोटरा, खरगोश, जंगली बिल्ली की गतिविधियां निरंतर होती है. उन्होंने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व इस जंगल से आये तेंदुआ ने जोजोगुटु गांव के ग्रामीण की भैंस की हत्या कर उसका मांस खाया गया था.

कपाली में हथियार के साथ एक गिरफ्तार, गया जेल

विशेष सहयोगी । कपाली

कपाली ओपी पुलिस ने शनिवार की देर रात डांगोडीह के समीप हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. उससे पूछताछ करने के बाद रविवार को पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है. गिरफ्तार व्यक्ति का नाम साजिद अंसारी उर्फ छोटू साजिद है. वह कपाली ओपी क्षेत्र के डांगोडीह का निवासी है. इस संबंध में कपाली ओपी पुलिस के अनुसार साजिद अंसारी हथियार का भय दिखाकर आसपास के लोगों को डरा धमका रहा था. इसकी सूचना पुलिस को मिली. इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चांडिल के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया. टीम ने छापामारी कर साजिद अंसारी को हथियार सहित रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया. उसकी तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से एक पिस्टल और एक जिंदा गोली मिला. इस संबंध में पुलिस ने बताया कि साजिद अंसारी हथियार का भय दिखाकर बड़ी घटना को अंजाम देने वाला था. गिरफ्तार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा हैं. उसके खिलाफ कपाली ओपी में चार मामला पहले से दर्ज है. छापेमारी दल में कपाली ओपी प्रभारी सोनू कुमार, कौशल कुमार, खुर्शीद आलम, वसीर खान एवं सशस्त्र बल मौजूद थे.

आस्था चांडिल में मनसा पूजा के उपलक्ष्य में निया माड़ा का किया गया आयोजन

धधकते अंगारों पर नंगे पांव चल कर लोगों ने दिखाई हठ भक्ति

संवाददाता । चांडिल

सांपों की देवी मां मनसा की पूजा के दौरान एक से बढ़कर एक कारनामे दिखाए जाते हैं. जांत व झापान के अलावा देवी मनसा की पूजा में कई प्रकार के अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है. चांडिल प्रखंड के दालग्राम में मां मनसा पूजा पर वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार निया माड़ा का आयोजन किया गया.

निया माड़ा में भक्त व्रत रखकर जलते आग के अंगारों पर नंगे पांव चले. मनसा देवी से मांगी गयी मन्नतें पूरी होने की खुशी में ये परंपरा निभाई जाती रही है. ढोल व नगाड़े की थाप पर आग के जलते शोलों पर चलने वालों में महिला, बुजुर्ग समेत हर वर्ग के लोग शामिल हुए. सभी भक्तों ने अपनी आराध्य देवी मां मनसा से किया वादा पूरा किया.

ये एक प्रकार की हठ भक्ति है. भक्त इसे भगवान की महिमा मानते हैं. भक्तों का कहना है कि आग में चलने के बावजूद किसी भक्त को साधारण सेप्टिक भी नहीं हुई. न ही कभी उनके पैर में छाले पड़े. दालग्राम में हठ भक्ति के इस दृश्य को देखने के लिए हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे.

विधि-विधान से हुई पूजा-अर्चना

वहीं शनिवार की सुबह से देर रात तक मां मनसा की पूजा-अर्चना विधि-विधान के साथ की गई. पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने बकरा, बत्तख, मुर्गा आदि की बलि दी और देवी से मन्नतें मांगी. वहीं रविवार सभी ने अपने-अपने घरों में देवी का प्रसाद ग्रहण किया. ईचागढ़ प्रखंड के आतारग्राम में मां मनसा की पूजा के अवसर पर मेला सा नजारा था. गांव में छह से सात की संख्या में देवी की विशाल व आकर्षक प्रतिमा स्थापित की गई थी. चारों ओर उत्साह का वातावरण था. वैसे चांडिल अनुमंडल क्षेत्र के अमूमन हर गांव में सांपों की देवी मां मनसा की पूजा-अर्चना की जाती है.

21 लाख पार्थिव शिवलिंग की पूजा की गई

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

श्रावण मास की अंतिम सोमवारी की पूर्व संध्या पर शहर में मैथिली समाज ने ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन किया. गोपाल मैदान में 21 लाख पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर विधिवत पूजन किया. धार्मिक अनुष्ठान जमशेदपुर के पंडित विपिन झा एवं दरभंगा से आए डॉ.ध्रुव कुमार के नेतृत्व में 25 प्रशिक्षित पुरोहितों ने संपन्न कराया. सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ धार्मिक अनुष्ठान रविवार की देर शाम तक चला. कार्यक्रम में सांसद बिद्युत बरण महतो, विधायक सरयू राय, कांग्रेस नेता विजय खां, एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य अशोक अविचल, समेत कई गणमान्य पहुंचे. कार्यक्रम में आए लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई थी. वहीं शाम को भजन संध्या का आयोजन किया गया. इस आयोजन के लिए घर-घर में पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कराया गया. वहीं कार्यक्रम स्थल पर भी सुबह से ही सैकड़ों महिलाएं पार्थिव शिवलिंग बनाने में जुटी रही. आयोजकों ने बताया कि शहर के लगभग 7000 घरों में मिट्टी भिजवाकर पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कराया गया. आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज की ओर से समूह बनाकर जिम्मेदारियां दी गई थी. कोई समूह बेलपत्र का व्यवस्थित कर रहा था, तो कोई फूल एकत्र करके सुव्यवस्थित तरीके से रख रहा था. घर- घर में बने पार्थिव शिवलिंग के संग्रह के लिए विशेष वाहन की व्यवस्था की गई थी. दोपहर 2 बजे से पूजन कार्य प्रारंभ हुआ. पूजा में 41 यजमान बैठे थे. धार्मिक आयोजन में सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. जिसमें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, मारवाड़ी महिला समाज की महिलाएं आयोजन में सहयोग की. कई प्राध्यापक, उद्यमी, समाजसेवी आदि भी कार्यक्रम में पहुंचे. भक्तों की सुविधा के लिए मेडिकल कैंप भी लगाया गया था. कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक शंकर पाठक, लक्ष्मण झा, सुजीत कुमार झा, मोहन ठाकुर धर्मेश कुमार झा, लड्डू निवास झा, सरोज कांत झा, सुरेश आदि का योगदान रहा.

पूजा में बैठे विधायक सरयू राय व अन्य.

ब्रीफ खबरें

थाना में समिति के नाम पर चंदा काटने की शिकायत

जमशेदपुर । नामदा बस्ती काली मंदिर दुर्गा पूजा समिति का विवाद थाना पहुंच गया. समिति के अध्यक्ष राजकुमार साहु ने थाना प्रभारी से चार-पांच लोगों पर समिति के नाम से चंदा काटने की शिकायत की. उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर समिति की बैठक 20 अगस्त को प्रस्तावित है. इससे पहले ही अशोक कुमार शर्मा, कन्हैया यादव, सुमन कुमार समेत अन्य दुर्गा पूजा के नाम पर लोगों से चंदा मांगने लगे. उन्होंने थाना प्रभारी से चंदा काटने से मना करने की मांग की. शिकायत करने राजकुमार साहु के साथ कमिटी के कई सदस्य भी गोलमुरी थाना पहुंचे.

पर्यावरण मित्र व एनएसएस ने लगाए 60 छायादार पौधे

घाटशिला । पर्यावरण मित्र घाटशिला और घाटशिला कॉलेज के एनएसएस इकाई के संयुक्त रुप से कदमडीह गांव के नहर किनारे 60 छायादार पौधा लगाया. इनमें करंज, छातीम नीम शामिल था. पहले से लगे कुछ पौधों को पशुओं ने खराब कर दिया था उसके स्थान पर दूसरा पौधा लगाया गया. वही बड़ाजुड़ी में विश्वजीत सिंह के नेतृत्व में वहां के फुटबाल मैदान के चारों तरफ पौधरोपण कर उसे सुरक्षित किया. प्रो. इंदल पासवान और डा. संदीप चंद्रा के नेतृव में पर्यावरण मित्र और एनएसएस लगातार पौधारोपण कर रही है.

रोटरी क्लब ने बस्ती में लगाया स्वास्थ्य शिविर

आदित्यपुर । रविवार को रोटरी क्लब जमशेदपुर वेस्ट के द्वारा स्थानीय पार्वती घाट समिति के सहयोग से पार्वती घाट बिष्टुपुर में एक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इस शिविर में पार्वती घाट के आसपास रहने वाली लोगों का स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच कराया गया. स्वास्थ्य जांच के लिए डॉक्टर अमित मुखर्जी (हड्डी विशेषज्ञ) डॉक्टर अजय (जनरल फिजिशियन) एवं नर्स दुलारी के द्वारा जांच किया गया. इस शिविर में ब्लड शुगर, बीपी, शरीर की जनरल जांच एवं वजन की जांच की गयी. शिविर में तकरीबन 77 लोगों की जांच की गई.

बलिया गांव में भाजपा जिला मंत्री ने की बैठक

घाटशिला । भाजपा जिला मंत्री गीता मुर्मू ने रविवार को मुसाबनी प्रखंड के परुलिया पंचायत के बलिया गांव में बैठक की. ग्रामीणों के साथ बैठक कर गीता मुर्मू ने गांव की समस्या को सुना. गीता मुर्मू ने ग्रामीणों से कहा कि आज भी यहां के लोगों को मूलभूत सुविधा सुविधा भी नही मिल रहा. हेमंत सोरेन की सरकार को एक बिफल सरकार बताया. सिर्फ प्रलोभन देकर ग्रामीणों को धोखा दे रहे हैं. भाजपा की सरकार इस बार बन रही है सरकार गठन होते के साथ पुरे गांव में विकास का पहिया दौड़ने लगेगा.

बहरागोड़ा माल मल्य क्षत्रिय उन्नयन समिति का मिलन

बहरागोड़ा । प्रखंड क्षेत्र के गोपालपुर पंचायत के खेंकशियाली गांव में रविवार दोपहर को माल मल्य क्षत्रिय उन्नयन समिति का मिलन समारोह मनाया गया. वहीं समाज के नवनिर्वाचित सदस्यों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई. इसकी अध्यक्षता लखींद्र कपाट ने की. बैठक में समाज के विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई. इस अवसर पर माल समाज के सर्वांगीण तथा सांगठनिक विकास पर विचार-विमर्श किया गया. बताया गया कि समाज में माल जाति देश की विभिन्न जाति से बहुत पिछड़ा होते हुए भी सरकारी अनुदान से वंचित है. इसे एससी में शामिल करने पर चर्चा की गयी.

यूनियन नेता के पिता का हुआ अंतिम संस्कार

जादूगोड़ा । यूसिल की मान्यता प्राप्त श्रमिक संगठन सिंहभूम यूरेनियम मजदूर यूनियन नेता चैतन्य हांसदा के पिता का निधन हो गया है. रविवार को भाटीन गांव में उनके पिता स्वर्गीय लच्छू हांसदा (78 वर्ष) का अंतिम संस्कार किया गया. मुखाग्नि उनके बड़े बेटे चैतन्य हांसदा ने दी. 8 अगस्त से उनके पिता लच्छू हांसदा ब्रह्मानंद अस्पताल में इलाजरत थे. वहां पल्स रेट गिरने से शनिवार की रात उनका निधन हो गया. उनके निधन की खबर सुन यूनियन नेताओं समेत भाटीन गांव में शोक की लहर दौड़ गई. इस बाबत यूनियन के अध्यक्ष सह झामुमो के केंद्रीय महासचिव बाबू लाल सोरेन ने शोक प्रकट किया है.

पद्मश्री अशोक भगत को 'संघ रत्न सेवा' व 11 अन्य को मिलेगा 'उत्कृष्ट सेवा' सम्मान

हर हर महादेव सेवा संघ का भजन कार्यक्रम गुरुद्वारा मैदान में आज

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

हर-हर महादेव सेवा संघ की श्रावण मास की अंतिम सोमवारी पर भजन कार्यक्रम 19 जुलाई को साकची के गुरूद्वारा मैदान में होगा. उक्त कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल शिव स्तूति प्रस्तूत करेंगे. आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में है. संस्था की ओर से प्रत्येक वर्ष समाज में विशिष्ट योगदान देने वाले विभूतियों को संघ रत्न सेवा सम्मान एवं उत्कृष्ट सम्मान दिया जाता है. इस बार आदिवासी समाज और वंचितों के लिए पिछले करीब चार दशकों से सेवा प्रदान करने वाले पद्मश्री अशोक भगत को 'संघ रत्न सेवा' सम्मान प्रदान किया जाएगा. वहीं समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 11 अति विशिष्ट व्यक्तियों को उत्कृष्ठ सेवा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा. उल्लेखनीय है कि साकची गुरुद्वारा में होने वाले इस भव्य भजन संध्या में करीब 25000 श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है. इनके लिए बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है. पक्का पंडाल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है. सभी श्रद्धालुओं को निःशुल्क चाय, पानी, भोग वितरण की व्यवस्था रहेगी. साथ ही श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है.

इन्हें मिलेगा उत्कृष्ट सेवा सम्मान

डॉ. आसिफ अहमद (टीएमएच अस्पताल में सीसीयू इंचार्ज), केदारनाथ जैसुका (श्याम प्रचार संघ के अध्यक्ष), एसके झा (170 से अधिक बार के रक्तदाता), डॉ. तामोजित चौधरी (एमटीएमएच अस्पताल के डीएम व ऑन्कोलॉजिस्ट), डीपी. शुक्ला (उत्तर प्रदेश संघ के सचिव और अवकाश प्राप्त व्याख्याता), सतवीर सिंह सहोता (स्पेशल ओलंपिक भारत के रीजनल डायरेक्टर), अरविंद विद्रोही (साहित्यकार, व्यंग्यकार र लेखक), रजनी उपाध्याय (64 बार रक्तदान कर चुकीं समाजसेवी),विजय सिंह (रेडक्रॉस सोसाइटी के मानद सचिव), चंदेश्वर खां (मैनेजमेंट गुरु और टाटा मोटर्स से अवकाश प्राप्त अधिकारी) तथा त्रिलोक सिंह (कैंसर मरीजों के प्रति पूरी तरह समर्पित समाजसेवी).

रेलवे ने गुमटी बस्ती खाली करने का लोगों को दिया नोटिस

बस्तीवासी गोलबंद, कहा रेलवे की दावेदारी गलत है

रेलवे द्वारा बस्तीवासियों को नोटिस भेजे जाने के बाद बैठक करते बस्ती को लोग.

- जमीन अनाबाद झारखंड सरकार की

संवाददाता । आदित्यपुर

रेलवे ने गुमटी बस्ती वासियों को बस्ती खाली करने का नोटिस दिया है. इसके बाद गुमटी बस्तीवासी गोलबंद हो गए हैं. रविवार को बस्ती वासियों ने बैठक कर कहा कि यह जमीन अनाबाद झारखंड सरकार की है इसपर रेलवे की दावेदारी गलत है. बता दें कि आज गुमटी बस्ती वासियों ने मानस मन्दिर प्रांगण में बैठक की है. बस्ती वासियों का कहना है कि लगभग 55/60 वर्षों से बसे गुमटी बस्ती के 60 लोगों को रेलवे द्वारा नोटिस दिया है. रेलवे जबरन अतिक्रमण कर टाटा कंपनी का निजी फायदा देने के लिये गरीब लोगों के घरों को तोड़ने का प्रयास कर रही है. जिसका हमलोग पुरजोर विरोध करते हैं.

जब 1998 में सरकार द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया था तब भी लेकिन गुमटी बस्ती को यह कहकर छोडा गया था कि यह बस्ती अतिक्रमण में नहीं है. चूंकि यह बस्ती रेलवे की जमीन पर नही है. तब यह बात सामने आई थी कि यह बस्ती अनावाद बिहार सरकार की जमीन पर बसी है जो अब झारखंड सरकार की है. बस्ती में कई घर रजिस्ट्री जमीन पर हैं और कुछ लोगो का खाता प्लाट नंबर है. यहां अधिकतर दैनिक मजदूरी करने वाले लोग रहते हैं. बैठक में मुख्य रूप से बाबु तांती कोल्हान प्रभारी नेशनल ऐंटी करप्शन कमेटी आफ इंडिया, साधु शर्मा, रमेश बालमुचु, सुभाष महतो, कृष्णा महतो, प्रसाद महतो, गुड्डु गुप्ता, रत्न लाल गुप्ता, राजेश गोप, शंकर महतो, रामजी जयसवाल आदि बस्ती वासी मौजूद थे.

केंदाडीह में जनाक्रोश रैली सफल बनाने के लिए बैठक

संवाददाता । जादूगोड़ा

जादूगोड़ा भाजपा मंडल की केन्दाडीह दुर्गा मंदिर परिसर में रविवार को मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह की अध्यक्षता में बैठक हुई. बैठक में जादूगोड़ा के प्रभारी सह जिला मंत्री राहुल पांडेय ने कहा कि 23 अगस्त को रांची में आक्रोश रैली है. हेमंत सरकार ने वर्ष 2019 के चुनाव में झूठे वादे करके सत्ता में आई है और एक भी वादा पूरा नहीं हुआ.

इसको लेकर युवाओ में आक्रोश है, हेमंत सोरेन सरकार की कुशासन एवं अकर्मण्यता एवं अक्षमता के कारण राज्य में अराजकता का माहौल है. झामुमो कांग्रेस एवं राजद की महागठबंधन सरकार ने राज्य के युवाओं को धोखा दिया है. राज्य सरकार की युवा विरोधी मानसिकता के कारण झारखंड के लाखों युवक-युवतियों का भविष्य अंधकार में हो गया है. इसे लेकर 23 अगस्त को रांची में भाजपा की ओर से जनाक्रोश रैली आयोजित की गई है. इसमें भारी संख्या में कार्यकर्ता भाग लें. इस मौके पर झारखंड के मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन के 2019 में किए गए वादे का हिसाब मांगा जायेगा.

बैठक में ये थे उपस्थित

बैठक में जादूगोड़ा मंडल अध्यक्ष विनोद सिंह, प्रखंड प्रमुख रामदेव हैंब्रम, गुरुचरण राजबाड युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष बिक्रम सिंह, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष गोपाल पटनायक, मनोज सिंह युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष चंचल दास, जिला सोशल मीडिया प्रभारी सूजन मन्ना, वरुण सिंह, सुशांत झा, मनोज महतो, नीरज सिंह, रोहित अग्रवाल, हेमंत राजबड, शांतनु रजवाड़ दसमत मुर्मू, केदारनाथ मिश्र, देवाशीष दास, चंदन नामाता, देवंसु उपाध्याय, समेत सभी बूथ अध्यक्ष के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता काफी संख्या में उपस्थित थे.

अखिल भारतीय संताली लेखक संघ की कार्यकारिणी की बैठक

घाटशिला । काशिदा मांडी बाखूल में शाखाध्यक्ष डॉ रजनी कान्त मांडी की अध्यक्षता में रविवार को अखिल भारतीय संताली लेखक संघ झारखंड शाखा के कार्यकारिणी समिति की बैठक सम्पन्न हुई. बैठक में झारखंड शाखा का 15वां वार्षिक सम्मेलन आयोजन के संबंध में विस्तृत विचार विमर्श किया गया. धनबाद के स्थानीय संगठनों के साथ दिनांक 4 और 11 अगस्त को दिशोम जाहेर थान धनबाद में की गई बैठक में अखिल भारतीय संताली लेखक संघ झारखंड शाखा की दो दिवसीय 15वां वार्षिक सम्मेलन न्यू टाउन हॉल धनबाद में माझी रामदास टुडु रास्का के जयंती के अवसर पर दिनांक 2 अक्टूबर और 3 अक्टूबर 2024 को आयोजन करने का निर्णय लिया गया है. इस बैठक में उक्त सम्मेलन के कार्यक्रम का रूपरेखा तैयार किया गया. उक्त वार्षिक सम्मेलन में अतिथि और माझी रामदास टुडु रास्का के जीवनी तथा भिन्न-भिन्न बिंदुओं पर जानकारी प्रस्तुत करने के लिए बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़िसा, आसाम और झारखण्ड के तमाम प्रतिष्ठित लेखकों और समाजसेवियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया. दो दिवसीय 15वां वार्षिक सम्मेलन में लगभग 1500 से दो हजार तक संताली लेखकों और समाजसेवियों के शामिल होने की अनुमान है. बैठक में सचिव सुधीर चंद्र मुर्मू, कोषाध्यक्ष बैजु माण्डी, सलाहकार भुजंग टुडु, सलाहकार मोहन चंद्र बास्के आदि उपस्थित थे.

जिला खो-खो संघ की बैठक में प्रतियोगिताओं पर की चर्चा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

पूर्वी सिंहभूम जिला खो-खो संघ की एक आवश्यक बैठक का आयोजन जमशेदपुर के न्यू बाराद्वारी स्थित क्लब में आयोजित किया गया. बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्वी सिंहभूम जिला खो खो संघ के सचिव विक्टर विजय समद ने बताया पूर्वी सिंहभूम जिला खो-खो खिलाड़ियों एवं खेल की स्थिति को पुनर्जीवित करने के लिए विस्तृत चर्चा किया. बैठक में जिला कि नवगठित खो-खो संघ के विस्तार, कार्यकारिणी की पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरण, नयी सदस्यता, जिला के निर्णायकों और प्रशिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र एवं एक दिवसीय सेमिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया. जिसमें जिले के सभी पूर्व खिलाड़ियों और खो-खो खेल से जुड़े खेल प्रेमियों, खेल शिक्षक शिक्षिकाओं, प्रशिक्षकों से विशेष आग्रह किया गया है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में प्रशिक्षण शिविर एवं सेमिनार में भाग ले.सेमिनार सह प्रशिक्षण शिविर जमशेदपुर में आयोजित किए जाएंगे जो एक दिवसीय होगा. बैठक के दौरान झारखंड राज्य खो खो संघ द्वारा निर्धारित राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के बाबत भी चर्चा किया गया. जिसका आयोजन जिला खो-खो संघ के द्वारा किया जाएगा. इसके उपरांत जिला की टीम राज्य स्तरीय खो- खो प्रतियोगिताओं में भाग लेंगी. बैठक को सफल बनाने में पूर्वी सिंहभूम जिला खो खो एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष श्याम कुमार शर्मा, तकनीकी सहायक एम अरशद, तकनीकी प्रमुख, सुबोल चटर्जी, दयाल सिंह नेहरा, अजय मोहंती, रवि हो, गोमिया सुंडी, और आनंद महतो का विशेष योगदान रहा.

खो-खो संघ की बैठक में मौजूद पदाधिकारी.

कार्मेल जूनियर कॉलेज की अयांशी ने 600 मीटर दौड़ में जीता गोल्ड

पुरस्कार के साथ अय्यांशी और उपस्थित अतिथि.

जमशेदपुर । कार्मेल जूनियर कालेज, सोनारी की कक्षा 6 की छात्रा अयांशी राय ने रविवार को आयोजित जोनल एथलेटिक्स में 600 मीटर के सब जूनियर कैटेगरी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया. उसने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता पारुल राय व आशुतोष राय के अलावे शिक्षक नीरज, शम्मी, प्रदीप और अपने मित्रों को दिया. अयांशी ने बताया कि वह स्कूल ग्राउंड में रोजाना सवा सात से सवा 8 तक प्रैक्टिस करती थी. भोजन वह नॉर्मल ही करती थी. प्रैक्टिस में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ती थी. अयांशी ने बताया कि उसे लिटरेचर पढ़ने का बेहद शौक है. वह अब तक द गर्ल हू ड्रांक द मून पढ़ चुकी है. इसके अलावा सुधा मूर्ति की चार किताबें भी वह पढ़ चुकी है. उसे रस्किन बांड बेहद पसंद हैं. उनकी भी चार किताबें, जो द शार्ट स्टोरीज के नाम से हैं, पढ़ चुकी है. अयांशी खेल-कूद के अलावा फैशन की दुनिया को भी गौर से देखती है और लोयला स्कूल में आयोजित मेकओवर (फैशन शो वॉक) में गोल्ड जीत चुकी है. वह डिफेंस सर्विसेज में जाने की भी तैयारी कर रही है.

समस्या 9 वर्ष पहले शुरू हुई ग्रामीण जलापूर्ति योजना धरातल पर नहीं उतर पायी

बागबेड़ा में पदयात्रा निकाल पानी नहीं तो वोट नहीं का दिया नारा

वरीय संवाददाता । जमशेदपुर

झारखंड में विधानसभा चुनाव से पहले ही स्थानीय मुद्दों को लेकर लोग वोट बहिष्कार की दिशा में गोलबंद होने लगे हैं. रविवार को उत्तर-पूर्वी बागबेड़ा पंचायत के उप मुखिया सुरेश निषाद के नेतृत्व में लोगों ने पानी नहीं तो वोट नहीं के समर्थन में पदयात्रा निकाली. सुबह 7:00 बजे वायरलेस मैदान से पदयात्रा की शुरुआत हुई, जो डीबी रोड, बजरंग टेकरी, आनंद नगर, गांधीनगर का भ्रमण कर गांधीनगर शाखा मैदान में सभा में तब्दील हो गयी. सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बागबेड़ा के पूर्व जिला पार्षद किशोर यादव ने कहा कि पिछले नौ वर्षों से बागबेड़ा ग्रामीण जलापूर्ति योजना को धरातल पर उतारने के लिए पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा काम कराया जा रहा है. लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि विभाग काम कछुए की चाल से काम करा रहा है. दर्जनों बार विभाग की ओर से दी गई समय सीमा फेल हो चुकी है. उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव अगर बागबेड़ा जलापूर्ति योजना के तहत जलापूर्ति शुरू नही हुई तो बागबेड़ा, कीताडीह, घाधीडीह, करनडीह के लगभग 1.5 लाख लोग एकजुट होकर वोट का बहिष्कार करेंगे. इसके पूर्व इस योजना को धरातल पर लाने के लिए सैकड़ो बार आंदोलन किया जा चुका है. उसके बावजूद भी संबंधित पदाधिकारी घोड़े बेचकर चैन की नींद सो रहे हैं. इस कारण इस बार लोगों ने चुनाव में वोट बहिष्कार करने का सर्वसममति से निर्णय लिया है. ज्ञात हो कि 237 करोड रूपये अभी तक योजना पर खर्च हो चुके हैं.

पदयात्रा में मुख्य रूप से पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि शिवजी सिंह, नीरज सिंह, पंसस सुनील गुप्ता, उप मुखिया संतोष ठाकुर, वार्ड सदस्य प्रतिनिधि राजकुमार सिंह, उप मुखिया मुकेश सिंह,पंसस सुशील यादव, पूर्व उपमुखिया कुमोद यादव, विनोद राम ,चतरभुज सिंह,राहुल देव रजक, संजीव ठाकुर, जेपी गोस्वामी, पिंटू सिंह, सोसो यादव, प्राण राय, भगवान शर्मा, भोला यादव, दिलिप सिंह, संतोष राय सहित भारी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि सहित स्थानीय लोग शामिल थे.

न्यूज अपडेट

ब्रह्मकुमारी आश्रम में रक्षाबंधन महोत्सव शुरू

आदित्यपुर । ब्रह्मकुमारी आश्रम आदित्यपुर में सप्ताह भर रक्षाबंधन महोत्सव मनाया जाएगा. यह जानकारी आश्रम की सुधा बहन ने प्रेसवार्ता कर दी. उन्होंने बताया कि ब्रह्मकुमारी आश्रम रक्षा बंधन महोत्सव हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभिन्न संस्थाओं में जाकर मनाया जाएगा. रविवार को आश्रम में सभी बहनें आश्रम के भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर इसकी शुरुआत कर दी है. 19 अगस्त को सीआरपीएफ कैम्प, आदित्यपुर और आरआईटी थाना में, 20 अगस्त को सहारा गार्डेन सिटी कैम्पस, 21 को गोपाल मैदान, 22 को बाबा आश्रम, 23 को शर्मा बस्ती और एफटीआई कैम्पस में रक्षा बंधन महोत्सव मनाया जाएगा. अभियान में आश्रम की प्रधान सुधा बहन के साथ श्रेया बहन, रिंकी बहन, सुलोचना बहन आदि अभियान में लगे हुए हैं.

23 को युवा आक्रोश रैली, भाजपा ने की तैयारी बैठक

आदित्यपुर । भाजपा आदित्यपुर मंडल अध्यक्ष देवेश महापात्रा के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बैठक रविवार को अटल पार्क सभागार में हुई. इस बैठक में आगामी 23 अगस्त को होने वाले युवा आक्रोश रैली की तैयारी और साथ ही मंडल क्षेत्र के सभी शक्ति केंद्रो के प्रभारी नियुक्त किए जाने पर चर्चा हुई. इस बैठक में अमित सिंह, गणेश महाली, राकेश सिंह, राकेश मिश्रा, बीरेंद्र सिंह, रमेश कुमार, अरविंद हीरा, पंकज कुमार, नीरू सिंह, संजीव कुमार सिंह, विजय सिंह, कैलाश पाठक, बिनोद सिंह, रितिका मुखी, सुनीता पासवान, गीता गोप, विजय सोनार, गुरजीत सिंह, अशोक सिंह, अमन प्रसाद, शुभम वर्मा, वीरेंद्र कुमार, नकुल मंडल, रंजीत सांडिल, पंकज कुमार, अजय सिंह, बिशु महतो, किशन, शंकर आदि उपस्थित थे.

बोल बम सेवा ट्रस्ट का कार्य अनुकरणीय : सरयू

डुमरिया । बोल बम सेवा ट्रस्ट, जमशेदपुर के तत्वावधान में सेवा शिविर का समापन एवं कार्यकर्ता मिलन समारोह आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय थे. श्री राय ने ट्रस्ट के निःस्वार्थ कार्य तथा ट्रस्ट की तरफ से आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह की प्रशंसा की. श्री राय ने कहा कि जिस तरीके से तारापुर में ट्रस्ट की तरफ से शिविर लगाकर हजारों लोगों की निःस्वार्थ सेवा की गई, भोजन कराया गया, मेडिकल सुविधाएं दी गईं, विश्रामागार दिया गया, शौचालय आदि की व्यवस्था की गई, वह वास्तव में अनुकरणीय है. ट्रस्ट के ट्रस्टी राकेश कुमार सिंह, ट्रस्ट के वरीय सेवादार इंद्रजीत सिंह ने बताया कि आने वाले दिनों में ट्रस्ट की तरफ से रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा.

विधायक संजीव को महिलाओं ने बांधी राखी

डुमरिया । डुमरिया विधायक कार्यालय तुरामडीह में रविवार को पोटका विधानसभा क्षेत्र की सैकड़ों महिलाएं विधायक संजीव सरदार को राखी बांधने के लिए पहुंचीं. विधायक संजीव सरदार एक-एक कर सभी महिलाओं से मिले और राखी बंधवाया. इस अवसर पर विधायक ने उपस्थित महिलाओं को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे भाई बनकर हमेशा सहयोग करेंगे. किसी भी प्रकार के सुख दुःख में उनके साथ खड़े रहेंगे. विधायक ने कहा झारखंड सरकार 21 वर्ष से सभी महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार सम्मान राशि दे रही है. सभी बहनें इस योजना में आवेदन देकर योजना का लाभ लें. उन्होंने उपस्थित महिलाओं को लड्डू खिलाकर और उपहार देकर विदा किया.

न्यू डिस्को क्लब धूमधाम से करेगा श्रीगणेश पूजा

आदित्यपुर । आदित्यपुर के कुलुपटांगा मध्य विद्यालय मैदान में लगातार 22वें वर्ष न्यू डिस्को क्लब द्वारा धूमधाम से श्रीगणेश पूजनोत्सव महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. इसके लिए रविवार को भूमिपूजन हुआ. यहां 2 लाख रुपये की लागत से आकर्षक पंडाल बनेगा. इसका उद्घाटन छह सितंबर की शाम को होगा. पूजा 7 सितंबर सुबह में की जाएगी. भूमि पूजन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि आदित्यपुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष पुरेन्द्र नारायण सिंह शामिल हुए और यजमान की भूमिका निभाई. इस अवसर पर आयकर निरीक्षक संतोष चौबे, मनोज कुमार ठाकुर, राजद प्रदेश सचिव देव प्रकाश देवता, अधिवक्ता संजय कुमार, अजय कुमार ठाकुर आदि शामिल थे. क्लब के अध्यक्ष आशुतोष कुमार गुप्ता ने बताया कि 6 सितंबर को पूजा पंडाल का उद्घाटन अतिथियों द्वारा होगा.

मंटू ने भाजयुमो के प्रदेश अध्यक्ष का किया स्वागत

घाटशिला । भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मंटू प्रजापति के नेतृत्व में भाजपा के मनोनीत प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज का रविवार को घाटशिला स्थित फुलडूंगरी में जोरदार स्वागत किया गया. घाटशिला में आयोजित बैठक में शामिल होने प्रदेश अध्यक्ष पहली बार मां रंकनी की धरती पर आगमन हुआ है. बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आगामी 23 अगस्त को रांची स्थित मोराबादी मैदान में विशाल युवा आक्रोश रैली आयोजित किया गया है. युवाओं के हक एवं रोजगार की लड़ाई के लिए तैयारी कर चर्चा किया किया. मौके पर जिला मंत्री गीता मुर्मू, भाजयुमो जिला महामंत्री हरप्रीत सिंह, जिला उपाध्यक्ष गोपाल पटनायक, जिला मंत्री दिनेश बाल्मीकि, विवेक महापात्र, साहिल आनंद, पिक्लू आदि मौजूद थे.

झामुमो में शामिल महिलाओं का किया स्वागत

मुसाबनी । अग्रसेन भवन मुसाबनी में रविवार को कांग्रेस की महिला नेत्री मारिया परमार, रोजलिन पीटर, सोनिया दास, एलिना डेनियल, तहीमा खातून और राजमानी डी सेगर के नेतृत्व मे सेंकड़ों कांग्रेस महिला सदस्यों ने झामुमो का दामन थामा. झामुमो महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष चंद्रावती महतो व जिला उपाध्यक्ष पार्वती सिंह ने माला और पार्टी का पट्टा पहनाकर सभी को पार्टी में शामिल किया. जिलाध्यक्ष सह विधायक रामदास सोरेन के उपस्थिति में 150 महीलाओं ने कांग्रेस से झामुमो मे शामिल हुये. विधायक ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि इन सभी महिलाओं के पार्टी में शामिल होने से झामुमो संगठन पहले से अधिक मजबूत बनेगा. उन्होंने कहा झारखंड सरकार महिलाओं के विकास और सशक्तिकरण के लिए योजनाओं को लागू कर रही है.

बाजार में राखियों की सजी दुकानें, स्टोन वाली राखियों की ज्यादा डिमांड

बच्चों को लुभा रही कार्टून कैरेक्टर वाली राखियां

संवाददाता । चक्रधरपुर

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का त्योहार रक्षाबंधन 19 अगस्त को मनाया जाएगा. इसे लेकर चक्रधरपुर का बाजार भी सज चुका है. चक्रधरपुर में जगह-जगह राखियों की दुकानें लगायी गई हैं. जहां बहनें अपने भाइयों के लिए तरह-तरह की राखियों की खरीदारी के लिए पहुंचीं.

इन राखियों की दुकानों में पांच रुपये से लेकर पांच सौ रुपये तक की राखियां बेची जा रही हैं. सबसे ज्यादा डिमांड स्टोन वाली राखियों की है. वहीं महिलाओं के लिए भी लुंबा राखी दुकानों में उपलब्ध है. चक्रधरपुर के बाटा रोड स्थित राखी विक्रेता अरविंद अग्रवाल ने कहा कि इस वर्ष राखियां पहले से ज्यादा महंगे बिक रहे हैं. बताया कि चक्रधरपुर में राखियां कोलकाता, मुंबई इत्यादि जगहों से स्टॉक में मंगवाये जाते हैं. इस वर्ष थोक दुकानदारों द्वारा ही राखियों के दर में बढ़ोत्तरी किये जाने के कारण खुदरा दुकानों में भी राखियों के दाम बढ़े हैं. इसके बावजूद दुकानों में तरह-तरह की राखियां रखी गई हैं. एक दुकानदार ने बताया कि राखियों की बिक्री लगभग 15 दिन पहले से ही शुरू हो चुकी है.

कई बहनें अपने भाइयों को राखियां भेजती हैं, इसलिए पूर्व से ही राखी की बिक्री हो रही है, लेकिन इन चार-पांच दिनों में राखियों की दुकानों में ज्यादा भीड़ हो रही है.

दुकानों में स्टोन वाली राखियों के अलावे, तरह-तरह के डोर, रुद्राक्ष डिजाईन, बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर जैसे छोटा भीम, डोरेमोन, मोटू-पतलु इत्यादि के राखी ज्यादा बिक रहे हैं.

इसके साथ ही इस वर्ष लाइटिंग वाली राखियां भी बच्चों के लिए बाजार में उपलब्ध हैं. चक्रधरपुर के बाटा रोड, पुरानी रांची रोड, कपड़ा पट्टी रोड, पवन चौक, इतवारी बाजार, टोकलो रोड, थाना रोड समेत अन्य स्थानों पर राखियों की दुकान लगाई गईं हैं.

चक्रधरपुर में सजी राखियों की दुकान में खरीददारी करती बहनें.

चक्रधरपुर के बाटा रोड में राखी से सजी दुकान.

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त दिन के डेढ़ बजे से

रक्षाबंधन के त्योहार पर शुभ मुहूर्त पर राखी बांधना का भी प्रचलन है. चक्रधरपुर के बाटा रोड स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी अनंत पाठक ने बताया की इस वर्ष रक्षा बंधन का शुभ मुहूर्त 19 अगस्त को दिन के डेढ़ बजे के बाद है. उन्होंने बताया की दिन के 1 बजकर 27 मिनट तक भद्रा सकते हैं.वहीं उन्होंने कहा की दिन के डेढ़ बजे से लेकर सूर्यास्त से पहले तक राखी बांधी जा सकती है.

जिला मुख्यालय जाने वाले रास्ते पर परेशानी का सबब बना गोलचक्कर शिव मंदिर के सामने बना गड्ढा

अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही चांडिल-कांड्रा सड़क

तालाबनुमा गड्ढ़ा से गुजरते बाइक सवार और चार चक्का पर सवार लोग.

सड़क पर बने गड्ढे के पास खड़े युवक और पानी से लबालब सड़क पर बना गड्ढा.

संवाददाता । चांडिल

चांडिल, नीमडीह व कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र को जिला मुख्यालय और चांडिल प्रखंड के दर्जनों गांवों को प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली सड़क इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है. सड़क पर बनी तालाबनुमा गड्ढ़ा उक्त सड़क पर होकर आवागमन करने वालों के लिए परिशानी का सबब बना हुआ है. विदित हो कि चांडिल गोलचकर शिव मंदिर के सामने एनएच 32 चांडिल-कांड्रा सड़क बड़ा खाई में तब्दील हो गया है. इस तालाबनुमा गड्ढ़ा में बरसात के मौसम में पानी भरा हुआ है, जहां आए दिन आने-जाने वाले राहगीर गिरकर घायल हो रहे हैं.

इसी सड़क पर वाहन खराब होने के कारण इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर अनुमंडल के मुख्य कार्यक्रम में झंडोत्तलन में विलंब हुआ था और परेड का वाहन से निरीक्षण भी नहीं हो सका था. इसी बदहाल सड़क के सामने ही एनएच 33 का चौड़ीकरण का काम चल रहा है. सड़क को फोरलेन करने के क्रम में रेलवे ब्रीज का निर्माण कार्य प्रगति पर है.

सड़क की बदहाल स्थिति पर मौन धारण किये हुए हैं जिम्मेदार

- राहगीरों को जागरूक करने का किया गया प्रयास
- प्रशासन, मंत्री और नेता देख रहे हैं तमाशा

सड़क के बदहाल स्थिति को देखते हुए झारखंड खिलाड़ी संग के अध्यक्ष आकाश दास, आदित्य गौर, दीपक प्रामाणिक, बबलू लाहा, अमित गौर, गोपाल गोप समेत कई लोगों ने राहगीरों को इसकी जानकारी देने के साथ लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया. लोगों ने कहा कि इस बदहाल सड़क को दुरुस्त कर लोगों को सहुलियत देने के लिए ना जनप्रतिनिधि कुछ कर रहे हैं, ना प्रशासन, ना कोई मंत्री, ना नेता सब तमाशा देख रहे हैं. जिम्मेदार भी इस पर मौन धारण किए हुए है. उक्त सड़क पर रोज गिर रहे राहगीर बता रहे हैं कि क्षेत्र का कैसा विकास हुआ है और हो रहा है. राज्य में किस तरह का विकास हो रहा है. लोगों ने बताया कि चांडिल-कांड्रा सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढ़े विकास की पोल खोल रहा है. सड़क पर एक जगह खाई नहीं है, बल्कि चांडिल गोलचक्कर शिव मंदिर के पास स्थित साधन होटल से मानीकुई स्वर्णरेखा नदी पुल तक गड्ढ़े ही गड्ढ़े बने हैं. इस बदहाल सड़क पर रोज लोगों को अपने काम पर औश्र विद्यार्थियों को स्कूल-कॉलेज जाना पड़ता है.

28 अगस्त को बीएमएस मनाएगा पर्यावरण दिवस, लगाएगा पौधे

किरीबुरु । भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) पश्चिमी सिंहभूम जिला कमिटी की पहली कार्यसमिति की बैठक पुराना बीजेपी कार्यलय, टुंगरी, चाईबासा में जिला अध्यक्ष गुलशन सुंडी की अध्यक्षता में हुई. बैठक का शुभारम्भ सभी जिला पदाधिकारी, कार्यसमिति सदस्यों ने भारत माता की तस्वीर पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया. बैठक में सर्वसम्मति से पश्चिमी सिंहभूम जिला मुखिया संघ के महासचिव जगमोहन सवैंया को भारतीय मजदूर कोल्हान ठेका श्रमिक संघ का संयोजक एवं टोंटो प्रखंड के लिये अनिल कुमार दास को अध्यक्ष बनाया गया. कार्यसमिति में सर्व सम्मति से निर्णय लिया गया कि 28 अगस्त को भारतीय मजदूर संघ जिला के प्रत्येक इकाई में पर्यावरण दिवस मनाएगा एवं पौधरोपण करेगा. 15 सितम्बर को कोल्हान विवि परिसर में विवि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर पर्यावरण विषय पर सेमिनार होगा. 17 सितम्बर को श्रम दिवस मनाया जाएगा. बैठक में बीएमएस के उपप्रमुख अमित कुमार झा, जिला कार्यकारी अध्यक्ष राम प्रकाश दास, उपाध्यक्ष सुनील आदि मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

हिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने लगाए फलदार पौधे

चांडिल । ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के हारतालडीह व आसपास के गांवों में लघु कृषक कृषि व्यापार संघ नई दिल्ली और फोरएस इंडिया के तत्वावधान में ईचागढ़ महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड ने फलदार पौधे लगाए. कंपनी से जुड़ी महिला किसानों के घर-घर जाकर पर्यावरण संरक्षण के लिए दो-दो फलदार पौधे लगाए. मुख्य कार्यकारी अधिकारी फागु राम महतो ने कहा कि भारत सरकार के 10 हजार एफपीओ के अंतर्गत ईचागढ़ प्रखंड में भी एक एफपीओ का गठन किया है. इस एफपीओ में विभिन्न गांवों के किसान दीदी जुड़ी हैं. सभी महिला किसान विभिन्न प्रकार की खेती कर मुनाफा कमा रही हैं. उन्होंने बताया कि एफपीओ के माध्यम से खाद, बीज क्रय-विक्रय करते हुए सभी आत्मनिर्भर बन रही हैं. मौके पर मनवहाल महतो, सिजामनी महतो, पुर्णिमा देवी, खुखुमनी देवी, प्रमीला देवी, भवानी महतो, काजल देवी समेत बड़ी संख्या में किसान दीदी उपस्थित थीं.

महिला समिति ने थाना प्रभारी व जवानों को बांधी राखी

चक्रधरपुर । अपने घर से दूर रहकर लोगों की सुरक्षा में लगे जवानों को एकल ग्रामोत्थान संसाधन केंद्र महिला समिति की टीम ने रविवार को चक्रधरपुर थाना पहुंचकर थाना प्रभारी व अन्य जवानों को राखी बांधी.एकल ग्रामोत्थान महिला समिति की अध्यक्ष नीतू साहू के नेतृत्व में सभी समिति की महिलाएं थाना पहुंची थी.यहां समिति की महिलाओं ने थाना प्रभारी राजीव रंजन व अन्य जवानों की आरती उतार कर माथे में तिलक लगाया, इसके बाद हाथों में रक्षा सूत्र बांधकर मंगलकामना की.इस मौके पर समिति की डिप्पी कौर, सुषमा साव, मीना भगेरिया, अनीता भागेरिया, राखी साव,विमला प्रसाद,मोनिका साव, सुलभा सिंदे, नेहा अग्रवाल, बबिता ताम्रकार, सविता साव, माया मिश्रा, रीता साव, किरण तिवारी,शिल्पा मिश्रा,सुशीला समेत एकल ग्रामोत्थान संसाधन केंद्र से जुड़े प्रकाश महतो, संजय सिंह, संतोष महतो व एकल विद्यालय के सभी कार्यकर्ता मौजूद थे.

कांग्रेस नेता कुरैसी के सहयोग से कुशनू को मिली नयी जिंदगी

किरीबुरु । गुवा के नुईया गांव निवासी कुशनू चाम्पिया को युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष सलीम कुरैशी के प्रयास से नयी जिंदगी मिली है. कुशनू चाम्पिया सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गया था. उसकी कमर और पैरों की हड्डी टूट गई थी. चिकित्सकों ने शरीर की टूटी हड्डियों में स्टील रड लगाया था, जिस कारण पूरे एक वर्ष तक वह एक करवट में एक ही स्थान पर लेटे रहने पर विवश था. पैसों की कमी के कारण इलाज नहीं करवा पा रहा था. पीड़ित की मां ने सलीम कुरैशी से मदद की अपील की. इसके बाद सलीम ने कुशनू चाम्पिया को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा था. आज कुशनू इलाज के बाद पूरी तरह स्वस्थ है तथा अपने पैरों पर चल रहा है. सलीम ने कुशनू से मुलाकात कर उसे आर्थिक सहायता की व आगे भी मदद करने का आश्वासन दिया. सलीम ने कहा कि अगर हमारी छोटी सी प्रयास से किसी की जान बच जाये तो ऐसा प्रयास हमेशा करते रहना चाहिए.

पूर्व विधायक ने गांव में लगवाया चापाकल

चांडिल। ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के नदीसाई गांव में पेयजल के लिए वर्षों से ग्रामीण परेशान थे. उन्हें पेयजल लाने के लिए काफी दूर जाना पड़ता था. ग्रामीण जन प्रतिनिधियों और विभाग से पानी के लिए गुहार लगाकर थक चुके थे. किसी ने उनकी मांग पूरी नहीं की. इसके बाद वे पूर्व विधायक अरविंद से मिले और चापाकल लगाने की मांग की. उनकी मांग रविवार को पूरी कर दी गई. गांव में पूर्व विधायक अरविंद सिंह ने चापाकल लगवा दिया. इससे ग्रामीणों में खुशी की लहर है. चापाकल का उद्घाटन रविवार को अरविंद सिंह उर्फ मलखान सिंह के भजीते अंकुर सिंह ने नारियल फोड़कर और अगरबत्ती जलाकर किया.

ब्रीफ खबरें

जगन्नाथपुर-बरायबुरु मार्ग पर 33 घंटे नो इंट्री

किरीबुरु । जगन्नाथपुर-बरायबुरू मुख्य सड़क मार्ग पर पवित्र सावन माह की अंतिम सोमवारी के मद्देनजर भक्तों की लगने वाली भारी भीड़ के मद्देनजर 18 अगस्त प्रातः 7.00 बजे से 19 अगस्त की शाम छह बजे बजे तक नो इंट्री रहेगा. भारी मालवाहक वाहनों का परिचालन बंद करने का आदेश जगन्नाथपुर के एसडीओ मुकेश मछुवा ने जगन्नाथपुर, नोवामुंडी, गुवा एवं बड़ाजामदा थाना प्रभारी को दिया है. एसडीओ ने कहा है कि पवित्र सावन माह की अंतिम सोमवारी पर पूजा करने श्रद्धालु 18 अगस्त को मुख्य सड़क से होते हुए मुर्गा महादेव जाएंगे और सोमवार को लौटेंगे.

ट्रैक्टर पलटने से दबकर चालक की मौत

चक्रधरपुर । आनंदपुर थाना क्षेत्र के खटांगबेड़ा गांव के समीप ट्रैक्टर पलटने से एक व्यक्ति की मौत हो गई. हारता गांव निवासी कमलेश्वर सिंह ट्रैक्टर लेकर मनोहरपुर से हारता जा रहा था. इसी दौरान खटांगबेड़ा गांव के समीप ऊंची चढ़ाई पर ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर खेत में गिर गया. इससे ट्रैक्टर पलट गया और उससे दबकर कमलेश्वर सिंह की मौत हो गई. परिजनों ने सूचना मिलते ही ट्रैक्टर से निकाल कर उसे मनोहरपुर सीएचसी में भर्ती कराया. वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

चेतना जागृत करने का चलाया जाएगा अभियान : जन संगठन

चांडिल । ग्राम सभा, पेसा कानून, पुनर्वास, प्रदूषण, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, सिंचाई, रोजगार, स्थानीयता नीति आदि जनमुद्दों पर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में चेतना जागृत करने का अभियान चलाया जाएगा. चौका ग्राम पंचायत भवन में रविवार को हुई सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक में यह निर्णय लिया गया. बैठक में यह तय किया गया कि सत्ता राजनीति द्वारा अब किसी भी हाल में जनता के मुद्दों की उपेक्षा सहन नहीं की जाएगी. प्रदूषण के चलते लोगों का जीना मुश्किल हो गया है. नहर का पानी जहरीला हो गया है.

गुवा में महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाल दोषियों को फांसी देने की मांग की

कैंडल मार्च में शामिल महिलाएं.

संवाददाता । किरीबुरु

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या के विरोध में गुवा बाजार एवं कल्याण नगर की महिलाओं ने शनिवार की देर शाम कैंडल मार्च निकाला. कैंडल मार्च में विभिन्न एसएचजी समूहों की महिलाओं एवं जनप्रतिनिधि शामिल हुईं. कैंडल मार्च गुवा बाजार स्थित रामनगर से निकलकर रेलवे मार्केट, कच्छीधौड़ा, कल्याण नगर, उसके बाद विवेक नगर पहुंचकर दुर्गा मंडप में समाप्त हुआ. महिलाओं ने इस घटना में शामिल आरोपियों को विशेष स्पीडी ट्रायल कर फांसी देने तथा सभी महिलाओं को हर क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा देने की मांग की. इस दौरान जिला परिषद सदस्य देवकी कुमारी, पश्चिम पंचायत मुखिया पद्मिनी लागुरी, पूर्वी पंचायत मुखिया चांदमनी लागुरी, जेएसएलपीएस जेंडर सीआरपी ममता देवी, गीता देवी, अनुराधा राव, संजू कर्मकार, अलका देवी, वंदना देवी, लता कर्मकार, राहिल पूर्ति सहित काफी संख्यां में महिलाएं मौजूद थीं.

ईचा डैम के विस्थापितों ने निकाली हेमंत सोरेन सरकार की शव यात्रा

संवाददाता । चाईबासा

शवयात्रा निकालकर विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण.

ईचा खरकई बांध विरोधी संघ कोल्हान के द्वारा तीरिंग प्रखण्ड के ग्राम मुड़ादा में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रविवार को कोल्हान से सटे झारखंड और उड़ीसा के सीमावर्ती क्षेत्रों में जन जागरण सह जनांदोलन चलाया गया. इसकी अध्यक्षता ग्रामीण मुंडा घनश्याम सामड ने की.

बैठक झारखंड और उड़ीसा के प्रभावित ग्रामीण/विस्थापित शामिल हुए. सभा को सम्बोधित करते हुए अध्यक्ष बिर सिंह बुड़ीउली ने कहा कि शव यात्रा झारखंड और ओडिशा के सीमावर्ती क्षेत्रों में आगाज मात्र है. पूरे कोल्हान में शव यात्रा निकाल कर आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा. हेमंत सरकार ने आदिवासी मूलवासी को सिर्फ वोट बैंक बना कर शोषण किया है. इसका हिसाब झामुमो को हर हाल देना होगा. ईचा डैम आन्दोलन से संबंधित जानकारियां साझा कर ग्रामीणों को एकजुट रह कर संयुक्त आंदोलन तेज करने का आह्वान किया.

संघर्ष यात्रा और बदलाव यात्रा के माध्यम से झामुमो ने कोल्हान के लोगों को ठगने का काम किया है. हेमंत सोरेन की सरकार द्वारा डैम रद्द नहीं कर 87 गांव के प्रभावितों/ग्रामीणों के साथ विश्वासघात कर सिर्फ राजनीतिक सत्ता हासिल करने का मुद्दा बना कर रखा गया है. सरकार के खिलाफ हल्ला बोल करते हुए डोकोडीह, चिपीडीह, टूपीबेड़ा, कुलुगुटु, रामबेड़ा, नंदुआ और मुड़दा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जल संसाधन मंत्री चंपाई सोरेन, आदिवासी कल्याण मंत्री दीपक बिरुवा और विधायक निरल पुरती का शव यात्रा निकाल सरकार के विरुद्ध आक्रोश प्रदर्शन किया. मुख्य रूप से सुरेश सोय, हरीश चंद्र अल्डा, रेयांस सामड, शयाम कुदादा, गुलिया कालुंडिया, बिरसा गोडसोरा, रविंद्र अल्डा, कृष्ण चंद्र बांडरा, मनसा बोदरा, सुनील बाड़ा, सीता सामड और आंदोलकारी शामिल थे.

फिर हेमंत के नेतृत्व में सरकार बनाना है : जोबा

विशेष सहयोगी । गोइलकेरा

गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत बिला पंचायत में प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप की अध्यक्षता में रविवार को झामुमो पंचायत समिति की बैठक हुई. बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद जोबा माझी शामिल हुईं.

बैठक में बिला पंचायत कमेटी के पुनर्गठन पर चर्चा की गई. इसके साथ ही बूथ कमेटी गठन पर भी रायशुमारी की गई. बैठक में सांसद जोबा माझी ने कहा कि फिर से राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनाना है. हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों की जानकारी दी. उन्होंने कहा सर्वजन पेंशन, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और अबुआ आवास योजना ने प्रदेश की जनता को काफी राहत पहुंचायी है. महिला, बुजुर्ग और छात्रों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की है. सांसद ने कहा जल्द ही विधानसभा का चुनाव होने वाला है.

परेशानी आंदोलन किया, आश्वासन मिला, फिर भी ठीक नहीं हुए चापाकल व सोलर जलमीनार

गंगदा पंचायत के 14 गांव में नहीं मिल रहा पीने का शुद्ध पानी

- चापाकल व सोलर पैनल का पाट्र्स उपलब्ध नहीं है

संवाददाता । किरीबुरु

पीएचईडी विभाग के पास खराब चापाकलों की मरम्मत के लिए जरुरी पाइप व अन्य उपकरणों की भारी किल्लत है. गंगदा पंचायत के 14 गांवों में दर्जनों खराब चापाकलों की मरम्मत नहीं हो पा रही है. इन गांवों के लोगों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है. इससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है. गंगदा पंचायत के मुखिया सुखराम उर्फ राजू सांडिल ने कहा कि हमारे पंचायत के गांवों में दर्जनों चापाकल खराब हैं. इसकी लिखित व मौखिक शिकायत पीएचईडी विभाग से कई बार की गई.

पिछले दिनों इस समस्या को लेकर सलाई चौक के पास सड़क जाम भी किया गया था. बीडीओ और पीएचईडी विभाग ने इसका समाधान करने का आश्वासन दिया, तो आंदोलन समाप्त कर दिया गया था. अब आलम यह है कि विभाग खराब चापाकलों को ठीक करने के लिए एक मिस्त्री बिना हेल्पर का भेज दिया है. हमने स्वयं 350 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी देकर एक हेल्पर मिस्त्री को सहयोग के लिए दिया है. इसके अलावे कई खराब चापाकलों का पाइप सड़ गया है. उसे बदलना है, लेकिन विभाग कहता है कि पाइप नहीं है. पाईप में रबर बांध जैसे-तैसे काम चल रहा है. कई चापाकल का अन्य खराब पाट्र्स उपलब्ध नहीं होने के कारण बदला नहीं जा रहा है.

ऐसी ही स्थिति सोलर चालित वर्षों से खराब जलमीनारों की भी है. दुईया समेत अन्य गांवों का जलमीनार का समरसेबल मोटर अथवा सोलर खराब है. इस वजह से लोगों को पानी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है. ऐसी स्थिति देख यही लग रहा है कि पीएचईडी विभाग चापाकल का पाइप व अन्य उपकरण कहीं दुकानों में बेच तो नहीं दे रही है. यह गंभीर मामला है. इसकी जांच होनी चाहिए.

दुईया गांव में दो वर्षों से खराब सोलर चालित जलमीनार.

चालगी गांव नेटवर्क प्रॉब्लम के कारण जन वितरण प्रणाली में ग्रामीणों को हो रही परेशानी : मुंडा

संवाददाता । चाईबासा

ग्रामीणों से वार्ता करते जिला परिषद सदस्य जॉन मीरन मुंडा.

टोंटो प्रखंड के चालगी गांव में नेटवर्क प्रॉब्लम के कारण जन वितरण प्रणाली में ग्रामीणों को हो रही परेशानी को लेकर जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने सभा की. जॉन मिरन मुंडा ने कहा कि झारखंड सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में ध्यान देना चाहिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क प्रॉब्लम रहता है और बिजली समस्या भी बनी हुई है. ऐसे में हमेशा इसकी शिकायत होती रहती है. जिला परिषद की बैठक में इस मामले पर उठाया गया था. बावजूद इसपर कोई काम नहीं हुआ, जिसका नतीजा है कि गांव वाले काफी परेशान हैं. आज 5 केजी अनाज में कटौती खुले आम होती है, लेकिन विभाग कमीशन लेने में बिजी है. आम जन का राशन लूट पर मौन है. झारखंड सरकार व जेएमएम पार्टी 5 वर्ष पूरा करने वाली है. लेकिन झारखंड का बिकास भ्रष्टाचार में डूब गया. हर विभाग में कमिशन हावी है, बिना कमिशन का कोई काम नहीं हो रहा है. बच्चों को साइकिल बांट सकता है मध्यान भोजन चल सकता है. लेकिन शिक्षक बहाली नहीं कर सकता है. 5 केजी अनाज दे सकता है. लेकिन किसानो को खेत में सिंचाई सुविधा नहीं दे सकता है.

बंदगांव के रांगरिंग गांव में वज्रपात से एक की मौत

चक्रधरपुर । पश्चिमी सिंहभूम जिला के बंदगांव प्रखंड की कराईकेला थाना क्षेत्र के भालूपानी पंचायत स्थित रांगरिंग गांव में रविवार को वज्रपात से 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई. बताया जाता है कि रांगरिंग गांव निवासी सहदेव प्रधान खेत में काम कर रहे थे. इसी बीच तेज बारिश एवं बिजली चमकने तथा वज्रपात होने लगा. इसी दौरान खेत में हल चलाने के दौरान सहदेव प्रधान पर बिजली गिर पड़ी. इससे सहदेव प्रधान खेत में गिर पडा. बारिश कम होने के बाद ग्रामीणों ने उसे खेत में गिरा देखा. इसके बाद एक वाहन से उसे अनुमंडल अस्पताल चक्रधरपुर लाया. यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. इसके बाद सहदेव प्रधान के शव का पोस्टमार्टम अनुमंडल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया गया. इधर घटना की सूचना पाकर समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई अनुमंडल अस्पताल पहुंचे एवं मृतक के परिजनों को सांत्वना दी. उन्होंने कहा कि उन्हें हर तरह से मदद की जाएगी. उन्हें सरकार की ओर से मिलने वाली मुआवजा का रकम भी दिलाई जाएगी.

हजारीबाग : एसपी ने पदाधिकारियों को अविलंब योगदान देने का दिया आदेश

पुलिस पदाधिकारियों का बड़े पैमाने पर तबादला

संवाददाता। हजारीबाग

पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने रविवार को कई पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है. एसपी ने स्पष्ट आदेश देते कहा है कि अपने पास अनुसंधान के लिए लंबित कांडों का प्रभार सौंपते हुए अविलंब योगदान देकर अनुपालन प्रतिवेदन समर्पित करेंगे.

इनके हुए तबादले और नियुक्ति : तबादला सूची के अनुसार पुलिस अवर निरीक्षक संजय कुमार को पुलिस केंद्र से सदर थाना, देवदत कुमार सिंह को पुलिस केंद्र से बरकठा थाना, सत्यम गुप्ता को कटकमदाग थाना से लोहसिंघना थाना, अनुपम प्रकाश बड़ाबाजार ओपी से चौपारण थाना, अशोक कुमार महतो को कटकमदाग थाना से

अरविंद कुमार सिंह (पुलिस अधीक्षक, हजारीबाग).

बडाबाजार ओपी, सुजीत कुमार को पुलिस केन्द्र से सादबर थाना, रमेश चंद्र महतो को चुरचू थाना से साइबर थाना, पुन्नु कुमार यादव को दचाक थाना से प्रभारी, कोर्ट मालखाना, दीपक कुमार को मुफसिल थाना से साईबर थाना, बिरसा टुटी को केरेडारी थाना से इचाक थाना, सुनील कुमार मरांडी को उरीमारी ओपी से केरेडारी थाना, संजय कुमार सिंह को चौपारण थाना से डाडीकला ओपी, राजन कुमार को विष्णुगढ़ थाना से साइबर थाना, हरेंद्र कुमार को चौपारण थाना से चुरचू ओपी, सुनील शर्मा को पुलिस केंद्र से केरेडारी थाना, कृष्णा कुमार गुप्ता को पुलिस केंद्र से कटकमदाग थाना, काशी महली को पुलिस लाइन से बरकठा थाना, अमर कुमार यादव को कोर्रा थाना से विधि शाखा सीसीआर, तारकेश्वर विद्यार्थी को चरही थाना से कटकमदाग थाना, रमेश चंद्र हाजम को बरकठा थाना से सदर थाना, दिनेश कुमार मंडल को प्रभारी, कोर्ट मालखाना, सहायक अवर निरीक्षक चंद्रमणी सिंह को इचाक थाना से बड़ाबाजार ओपी, अरबिन्द यादव को इचाक थाना से केरेडारी थाना, अनिल कुमार सिंह को गिददी थाना से कोर्रा थाना, नशीम अख्तर सिद्दकी को हेन्देगीर पिकेट से इचाक थाना, मनोज कुमार-3 को कोर्रा थाना से कटकमदाग थाना, संजय कुमार 4 को यातायात थाना से सीसीआर, संतोष ठाकुर को विधि शाखा, तरूण कुमार महतो को चरही थाना से कोर्रा थाना, भोला राम को चरही थाना से केरेडारी थाना, सुरेंद्र कुमार को चरही थाना से बडाबाजार ओपी, दीपक कुमार पाल को गोरहर थाना से टाटीझरीया थाना, मनोज कुमार सिंह-1 को कटकमदाग थाना, पावेल सोरेन को उरीमारी ओपी से कटकमसांडी थाना, बुधराय हेम्ब्रम को कटकमदाग थाना में प्रतिनियुक्त किया गया है.

विष्णुगढ़ से पांच सौ भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता रांची में प्रस्तावित रैली में शामिल होंगे

आक्रोश रैली को लेकर पंचायत प्रभारी नियुक्त

संवाददाता। विष्णुगढ़

राज्य सरकार की वादा खिलाफी के विरोध में 23 अगस्त को सूबे की राजधानी रांची में प्रस्तावित आक्रोश रैली की तैयारी को लेकर शनिवार को विष्णुगढ़ भाजपा के दोनों मंडलों की संयुक्त बैठक बीपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हुई. बैठक में कहा गया कि झारखंड में पांच लाख युवकों को प्रतिवर्ष नौकरी, शिक्षित बेरोजगारों को 5000 से 7000 बेरोजगारी भत्ता, महिला सुरक्षा, गैरमजुरुवा जमीन का दाखिल खारिज जैसे वादे के साथ जेएमएम नीत सरकार सत्ता में आई थी.

सरकार का कार्यकाल इसी साल पूरा होने वाला है, मगर उसके वादे झूठे साबित हुए. इसी को मुद्दा बनाकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उस दिन रैली की शक्ल में रांची पहुंच कर सूबे के

विष्णुगढ़ भाजपा की संयुक्त बैठक बीपी मेमोरियल पब्लिक स्कूल में हुई.

मुखिया हेमंत सोरेन का आवास घेरेंगे. प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई है कि विष्णुगढ़ से पांच सौ युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उस रैली में शामिल होंगे. इसकी कमान झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी व केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री मंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के अलावा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी संभालेंगे. बैठक में पूर्व सांसद प्रतिनिधि शंभूनाथ पांडे, कोडरमा जिला किसान प्रकोष्ठ प्रभारी सुशील कुमार महतो, पूर्व मंडल मंत्री मुखिया निर्मल कुमार, सुनील कुमार मिश्रा, संतोष कुमार महतो, प्रभु प्रसाद विश्वकर्मा, दीपक रजक, अशोक कुमार, जयनाथ साव, मनजीत सिंह, शेख मेराज, मोहन कुमार हांसदा, विनोद सिंह, संजय कुमार उर्फ बबलू, सुनील अकेला, राजू श्रीवास्तव, बंटी श्रीवास्तव, शशि लहकार, दीपू भाई, लखन प्रसाद, डब्लू सोनी, डॉ अब्दुल जब्बार, दीपक राणा, विजय गंझू, सुरेश कुमार दास, रंजीत कुमार पासवान, सुरेश राम, टेकलाल राम, राजू यादव, कारू प्रजापति, अरविंद लहकार, जागेश्वर महतो, सुनील पासवान, रामधन माली, संजय मंडल, कैला महतो, गोवर्धन महतो, सुरेश रजवार, राजेंद्र यादव, राजेश प्रसाद, द्वारका साव, अनुज मिश्रा, पंचम राम, कपिल राम, दिनेश राम, कलराज राम, रामचंद्र महतो, युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संतोष महतो, द्वारिका साव, लखन प्रसाद, अनूप कसेरा समेत अन्य मौजूद थे. बैठक की अध्यक्षता पश्चिमी मंडल अध्यक्ष किशोर कुमार मंडल ने की. जबकि संचालन पूर्वी मंडल अध्यक्ष सुखदेव रजवार ने किया.

ब्रीफ खबरें

रक्षाबंधन को लेकर संडे को भी खुले रहे डाकघर

हज़ारीबाग। डाक विभाग के निर्देश पर रविवार को रक्षाबंधन को देखते हुए सभी डाकघर खुले रहे. इस दौरान नियमित दिनों की तरह ही कार्य होता रहा. यह जानकारी देते हुए डाक अधीक्षक आशुतोष कुमार सिन्हा ने बताया कि भाई और बहनों का पावन त्योहार रक्षाबंधन 19 अगस्त को मनाया जाएगा. इसके उपलक्ष्य में डाकघर में खास तैयारी की गई है. डाकघर के कर्मचारी रविवार को छुट्टी के दिन भी काम कर रहे हैं. वहीं डाकघर में राखी काउंटर बनाया गया है, जहां से दूर दराज रह रहे भाइयों के लिए बहनें राखी भेज रहीं हैं. डाकघर में रविवार को साप्ताहिक छुट्टी होती है उसके बावजूद रक्षाबंधन के दिन दोपहर तक राखी पहुंचाने के लिए रविवार को सभी डाकघर खुले और डाकियों को विशेष निर्देश जारी किया गया है.

तीन छात्रों ने गुरुजनों से लिया आशीर्वाद

चौपारण। प्रखंड के बेहरा में नवभारत जागृति केंद्र द्वारा संचालित सुरेखा प्रकाश भाई पब्लिक स्कूल के बच्चे हर क्षेत्र में कामयाबी का पताका लहराकर विद्यालय का नाम रौशन कर रहे हैं. ये बच्चे सफल होने के बाद भी विद्यालय के शिक्षकों की मेहनत को अपने दिलों में संजो कर रखे हुए हैं. उसी का परिणाम है कि अलग-अलग जिलों व राज्यों में नौकरी करने के बाद वे अपने विद्यालय को नहीं भूल रहे हैं. इसी क्रम में शुक्रवार को विद्यालय के तीन पूर्व छात्र जो अभी भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, ने विद्यालय आकर सभी गुरुजनों का धन्यवाद किया और उनका आशीर्वाद लिया. प्राचार्या रीना पांडेय ने कहा कि विद्यालय के कई छात्रों ने हमारे स्कूल का नाम ऊंचा किया है.

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने महिलाओं का किया विशेष सम्मान

सावन महोत्सव में उमड़ी महिलाओं की भारी भीड़

संवाददाता। हजारीबाग

भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता के सौजन्य से चानो रोड अवस्थित शगुन वाटिका बैंक्वेट हॉल में दिन रविवार को "सावन महोत्सव" कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सावन महोत्सव कार्यक्रम में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ी. इस मौके पर भाजपा नेत्री ने महिलाओं को अतिथि सत्कार कर विशेष सम्मान दिया. इस दौरान नृत्य संगीत सहित कई विविध कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें महिलाओं ने शामिल होकर सावन महोत्सव कार्यक्रम का लुप्त उठाया. महिलाएं नृत्य संगीत में सराबोर होकर सावन के रंग में रंग गईं.

इस दौरान शगुन वाटिका बैंक्वेट हॉल में बाबा भोलेनाथ एवं माता पार्वती की गीत व संगीत से भक्तिमय माहौल बन गया. महिलाओं का उत्साह व उमंग चरम पर था. सामूहिक गीत- संगीत का हिस्सा बनकर एकजुटता का अभूतपूर्व संदेश दिया. मौके पर भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने संबोधन में कहा सावन का महीना काफी पावन होता है. मास में अनुष्ठान व धार्मिक कार्य काफी शुभ माना जाता है. सावन के पावन महीने में भक्ति गीत संगीत में झूमने व गाने पर बाबा भोलेनाथ और माता पार्वती काफी प्रसन्न होती हैं. श्रद्धालुओं की मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है. मौके पर विशेष रूप से भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मनोरमा राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष रेणुका साहू, रानी शुक्ला, इंदू गुप्ता, कंचन शर्मा, ऊषा देवी, गीता देवी, बबिता देवी, पूनम चौधरी, मीना देवी, मिक्सी सिन्हा, उमा देवी, सीता देवी, अनीता देवी, सावित्री देवी, जालो देवी, नूतन देवी, डॉली कुमारी, संजू देवी, मोहनी देवी, ममता देवी, सीमा देवी, दुलारी देवी, रीना देवी, रेणु देवी, मालती देवी, नागिना देवी एवं मीणा देवी सहित कई महिलाएं शामिल रही.

कार्यक्रम में भाजपा नेत्री शेफाली गुप्ता ने महिलाओं को अतिथि सत्कार कर विशेष सम्मान दिया.

डॉ. नजीर अंसारी को महिलाओं ने बांधी राखी

संवाददाता। विष्णुगढ़

मांडू विधानसभा के भावी प्रत्याशी डॉ नजीर अंसारी ने शनिवार को प्रखंड के पूर्वी क्षेत्र क्षेत्र का दौरा किया. अम्बाटांड़ में महिलाओं ने उन्हें राखी बांधी. इस मौके पर उन्होंने भाई का फर्ज निभाने का भरोसा दिया. कहा कि बहनों के हर सुख दुख में वे उनके साथ खड़ा रहेंगे. उनका ध्यान मुख्य रूप से शिक्षा और रोजगार पर रहेगा. लघु उद्योग उनकी प्राथमिकता होगी. रोजगार सृजन पर उनका जोर होगा ताकि रोजगार के लिए यहां के लोगों का पलायन रुक सके. उनकी जिम्मेदारी दोहरी होगी. अबतक नेताओं से क्षेत्र के लोग ठगे जाते रहे हैं. अब एक भाई आपके साथ हमेशा खड़ा रहेगा. उन्होंने पूर्वी क्षेत्र की गालहोबार पंचायत के तरवाटांड़, खरकी के सिमरबेड़ा, जोबर पंचायत के टहड़वा में समर्थन मांगा. बंदखारो में नुक्कड़ सभा भी की. दौरे में फ़िकरू साव, प्रकाश साव, जयनाथ साव, राजेंद्र मंडल, बसंती देवी, सीता देवी, दशरथ राय, गुलमोहर राम आदि उपस्थित थे.

मांडू विधानसभा के भावी प्रत्याशी डॉ. नजीर अंसारी को राखी बांधतीं महिलाएं

बीडीओ ने अधिकारियों को दिए जरूरी निर्देश

चौपारण। प्रखंड सभागार में बीडीओ सीमा कुमारी की अध्यक्षता में पल्स पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन को लेकर बीएलटीएफ बैठक आयोजित हुई. बैठक में आगामी 25 अगस्त से शुरू होने वाले तीन दिवसीय राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की समीक्षा की गई. इसके साथ ही सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए. बीडीओ सीमा कुमारी ने कहा कि इस अभियान में 0 से 5 वर्ष तक का एक भी बच्चा न छूटे. मौके पर चिकित्सा प्रभारी भुनेश्वर गोप ने अब तक की गई तैयारियों की क्रमवार जानकारी दी. बीडीओ ने सभी बूथों पर वैक्सीनेटरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने एवं पोलियो अभियान के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. बैठक में डॉ.भुनेश्वर गोप (एमओआईसी), जगेश्वर शर्मा बीपीएम, कौशल सिंह बीएएम, मनीष सिन्हा एचएम, सूरज रवि डब्लूएचओ मॉनिटर आईसीडीएस विभाग, महिला पर्यवेक्षक कुसुम आदि मौजूद रहे.

कांग्रेस विधायक दल के नेता से ममता देवी ने की मुलाकात

कांग्रेस विधायक दल के नेता रामेश्वर उरांव से मुलाकात करतीं ममता देवी.

- पूर्व विधायक ने वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव से रामगढ़ की राजनीति पर गहन चर्चा की

संवाददाता। रामगढ़

राज्य के वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुने जाने पर रांची स्थित आवास पर रामगढ़ विधानसभा की पूर्व विधायक ममता देवी और पूर्व प्रत्याशी बजरंग महतो ने उन्हें गुलदस्ता देकर बधाई दी और उनका आशीर्वाद भी लिया. इस मुलाकात के दौरान उन्होंने रामगढ़ की राजनीति पर भी गहन चर्चा की और कहा कि 2024 के चुनाव में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पार्टी फिर से जीत दर्ज करेगी. पूर्व विधायक ने कहा कि जिस तरह 2019 के चुनाव में झारखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में उनके कुशल नेतृत्व में पूरे झारखंड में कांग्रेस पार्टी ने परचम लहराया था उसी तरह 2024 के चुनाव में भी पार्टी को उनके अनुभव का लाभ विधायक दल के नेता के रूप में मिलेगा और पूरे झारखंड में फिर से कांग्रेस पार्टी अच्छा प्रदर्शन करेगी.

गुमशुदा महिला का शव घर के कुएं से बरामद

संवाददाता। हजारीबाग

रक्षाबंधन भाई- बहनों के पवित्र रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने का त्योहार है, लेकिन इस रक्षाबंधन दो भाइयों की कलाई पर एक बहन राखी नहीं बांध सकेगी. हजारीबाग जिले के दारू थाना क्षेत्र के कोय ग्राम निवासी अवध कुमार राणा की पत्नी सुमन शर्मा दो दिन से रहस्यमय तरीके से लापता थी, जिसका शव घर के कुएं से बरामद हुआ.

मृतक महिला के पति ने इसको लेकर दारू थाना में आवेदन भी दिया था. जिसमें उन्होंने बताया था कि मैं अपने दो बच्चों को स्कूल पहुंचाने गया था. वापस जब घर आया तो मेरी पत्नी घर पर नहीं थी.

सुमन शर्मा (फाइल फोटो).

मैंने गांव, आसपास, परिवार-रिश्तेदार में काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला. इसके दो दिन बाद अपने ही घर के कुएं से उसका शव बरामद हुआ. इधर धनबाद जिले के मधुबन थाना क्षेत्र के ग्राम बिलबेरा बस्ती निवासी मृतका की माता सरिता देवी ने भी संबंधित थाना को आवेदन दिया है और घटना की जांच की मांग की है. इस मौत के रहस्य को लोग समझ नहीं पा रहे हैं. आसपास के लोगों में इस मौत को लेकर कई प्रकार की चर्चाएं हैं. मृतका के दो भाई हैं और इस रक्षाबंधन उनके लिए बेहद मायूसी का समय है.

खास बातें

- बहन की मौत से दो भाइयों की कलाई रह जाएगी सूनी
- विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत पर सदमे में परिवार

बुद्धिजीवी मंच के मेधावी बच्चों के सम्मान समारोह में बोले मुन्ना सिंह

आज के बच्चे ही देश का भविष्य हैं

संवाददाता। हजारीबाग

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह रविवार को बहेरी पंचायत भवन में आयोजित मेधावी बच्चों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. यह समारोह बुद्धिजीवी मंच हजारीबाग (शिक्षकों) के तत्वावधान में आयोजित किया गया था, जिसमें 100 से अधिक बच्चों ने भाग लिया. यह बौद्धिक परीक्षा बहेरी, चानो, सखिया, ओरिया, सेतागाढ़ा, इत्यादि क्षेत्रों से आए बच्चों के लिए कराई गई.

मुन्ना सिंह ने अपने संबोधन में कहा, "आज के ये बच्चे ही हमारे देश का भविष्य हैं. इनकी बौद्धिक क्षमता और ज्ञान को सम्मानित करना न केवल इन्हें प्रेरित करेगा, बल्कि पूरे समाज को एक सकारात्मक दिशा भी देगा. हम सभी का कर्तव्य है कि हम इन बच्चों को उनके सपनों को पूरा करने में हर संभव सहायता प्रदान करें. शिक्षा और ज्ञान ही वह सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा हम एक उन्नत समाज की ओर बढ़ सकते हैं." मौके पर मुख्य रूप से सदर उप प्रमुख रविकांत सिंह, बहेरी पंचायत के मुखिया पप्पू यादव, सखिया पंचायत के मुखिया इम्तियाज़, छत्री गोप, दशरथ प्रसाद, प्रेम राणा, विनोद पासवान, सुनील यादव, सतीश राम, दिनेश कुमार, राजु कुमार, लालवीर राणा, अजीतर दास, तुलसी कुमार दास, ज्योति देवी आदि उपस्थित थे.

बहेरी पंचायत भवन में आयोजित सम्मान समारोह के दौरान मुन्ना सिंह व अन्य.

क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 26 सितंबर तक होगा रजिस्ट्रेशन

संवाददाता। रामगढ़

मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय, झारखंड द्वारा राज्यवासियों के लिए चुनाव क्विज 2024 का आयोजन किया जा रहा है. झारखंड राज्य के वैद्य मतदाता पहचान पत्र वाले कोई भी व्यक्ति क्विज प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं. क्विज प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के वेबसाइट पर जाकर 26 सितंबर 2024 तक पंजीकरण कराया जा सकता है.

ऑनलाइन माध्यम से अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं में क्विज़ प्रतियोगिता 29 सितंबर, 2024 को प्रातः 9:00 से 9:30 बजे के मध्य आयोजित होगी. प्रतिभागी अपने ईमेल को अपने यूजर नेम के रूप में उपयोग करेंगे और पंजीकरण के बाद एक पासवर्ड प्रदान किया जाएगा जो कि ईमेल के माध्यम से भी भेजा जाएगा. परीक्षा के लिए लॉगिन पेज समय अनुसार क्विज़ तिथि पर सक्रिय हो जाएगा.

- विजेता को 50,000, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 30,000 व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 20,000 रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा.

क्विज की अवधि 60 मिनट है और प्राप्तांक पूरा होने पर तुरंत प्रदर्शित किए जाएंगे. प्रतिभागी अपने यूजर नेम और पासवर्ड से 7 अक्टूबर 2024 के पश्चात अपने प्रश्नों के प्राप्तांक अनुसार देख सकते हैं. इसके अतिरिक्त, वे अपनी भागीदारी का प्रमाण पत्र डाउनलोड या प्रिंट कर सकते हैं.

30 सितंबर 2024 को शीर्ष 24 जिला टॉपर्स की घोषणा की जाएगी जिसके उपरांत 5 अक्टूबर 2024 को जिला टॉपर्स के लिए ऑफ़लाइन क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को 50000 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को 30000 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को 20000 रुपये के नकद पुरस्कार से नवाजा जाएगा.

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई

निवेदक
दिलीप कुमार
उप डाकपाल, कुज्जु, रामगढ़

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई

निवेदक
पवन कुमार सोनी
समाजसेवी, रामगढ़

अच्छी खबर वेदव्यास आवास के लिए 1 लाख 91 हजार मिलेगी सहयोग राशि

मछुआरों के पक्के मकान का सपना होगा पूरा

संवाददाता। कोडरमा

झारखंड में मत्स्य पालकों को प्रधानमंत्री आवास योजना की तर्ज पर वेदव्यास आवास योजना का लाभ मिलेगा. जिला मत्स्य विभाग के द्वारा इसको लेकर योग्य लाभुकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. जिला मत्स्य प्रसार पदाधिकारी ने योजना को लेकर पूरी जानकारी दी है. लोग कैसे इसका लाभ उठा सकते हैं. जिला मत्स्य पदाधिकारी नीली सिन्हा ने बताया कि वेदव्यास आवास योजना के तहत मत्स्य पालकों को 280 वर्ग फीट में आवास निर्माण करने के लिए 1 लाख 91 हजार 200 रुपए सहायता राशि प्रदान की

जाएगी. लाभुकों को कोई यह राशि चार किस्तों में उनके बैंक खाते में भेज दी जाएगी. उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने वाले लाभुक का पंजीकरण जिला मत्स्य विभाग में होना चाहिए. इसके अलावा लाभुक ने अन्य किसी प्रकार के आवास योजना का लाभ नहीं लिया हो.

चार किस्तों में बैंक खाते में आएगी राशि

उन्होंने बताया कि कोडरमा जिले में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए तीन वेद व्यास आवास आरक्षित रखे गए हैं, जबकि 11 वेद व्यास आवास सामान्य एवं अति पिछड़ा वर्ग के लाभुकों को मिलेगा. उन्होंने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए योग्य लाभुकों को 20 अगस्त से पहले जिला मत्स्य पदाधिकारी के पास आवेदन देना होगा. इसके बाद उपायुक्त की अध्यक्षता में बनी कमेटी के द्वारा इसकी स्क्रुटनी की जाएगी. प्रखंड स्तर से सत्यापन रिपोर्ट मिलने के बाद लाभुक को योजना की पहली किस्त 24000 उनके बैंक खाते में भेज दी जाएगी. इसके बाद दूसरी किस्त के रूप में 18000 और तीसरी किस्त के रूप में 45000 एवं आवास के ढलाई करने के समय शेष रुपए भेज दिया जाएगा. वेदव्यास आवास निर्माण कार्य का मॉनिटरिंग मत्स्य सुपरवाइजर के द्वारा किया जाएगा.

पथ का विधायक अंबा प्रसाद ने किया विधिवत शिलान्यास

सड़क का शिलान्यास करतीं विधायक अंबा प्रसाद.

संवाददाता। बड़कागांव

प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत चंदौल में उत्क्रमित मध्य विद्यालय से मूरकटी मुख्य पथ तक लगभग 2.2 किलोमीटर सड़क का विधायक अंबा प्रसाद ने शिलान्यास किया. उक्त सड़क निर्माण में लगभग ढाई करोड़ रुपये की लागत आएगी. सड़क निर्माण की स्वीकृति मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना से स्थानीय विधायक अंबा प्रसाद की अनुशंसा पर मिली है. मौके पर मुख्य रूप से पूर्व प्रखंड अध्यक्ष श्री विशेश्वर नाथ चौबे, पूर्व मुखिया चंदौल टुकनी देवी, आसेस्वर राम, रघुवीर राम, अनिल दास, विनोद यादव, उप मुखिया शमशेर आलम, दिनेश्वर पासवान, सुमा देवी, प्रभु यादव, लालू यादव, अशरफ, सुरेश मास्टर आदि मौजूद थे.

समस्त झारखंडवासियों को स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई

निवेदक
शंकर मिश्रा
समाजसेवी, रामगढ़

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष दिन बहुत ही उत्तम है. पिता के साथ किसी धार्मिक स्थल जाने का अवसर मिलेगा. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. भाग्य का साथ मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. काफी समय से लंबित कार्य पूर्ण होंगे. उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे.

वृष भाग्य का साथ मिलेगा. धर्म में मन लगेगा. किसी अपने ही व्यक्ति से बिना कारण विवाद को हो सकता है. दौड़धूप अधिक रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा. असमंजस की स्थिति बन सकती है.

मिथुन अपनों से मानहानि हो सकती है. जीवनसाथी के साथ आनंद का समय बीतेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा. निवेश शुभ रहेगा. व्यापार ठीक चलेगा. लाभार्जन होगा. परिवार के सदस्यों के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा.

कर्क आकस्मिक बड़ा लाभ का योग बन रहा है. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. कोई आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है. बेकार बातों पर ध्यान न दें. भोजन सोच विचार कर लें.

सिंह उच्च शिक्षा के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. शत्रु पस्त होंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड लाभ देंगे. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. जल्दबाजी न करें.

कन्या किसी से विवाद से मानहानि हो सकती है. माता के स्वाथ्य पर ध्यान दें. किसी भी तरह के विवाद में न पड़ें. बोलचाल में हल्केपन को न अपनाएं. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. परिवार में तनाव रह सकता है. यथासंभव यात्रा टालें. जल्दबाजी न करें.

तुला माता से विवाद हो सकता है. राजकीय सहयोग प्राप्त होगा. रुके कामों में गति आएगी. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. कुसंगति से हानि होगी. किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी.

वृश्चिक सामाजिक कार्य में मन लगेगा, जिसके प्रभाव से आय होगी. योजना फलीभूत होगी. मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. समय की अनुकूलता का लाभ लें. शनि देव को प्रसन्न करें.

धनु व्यावसायिक कार्य मनोनुकूल रहेगी. बेरोजगारी दूर होगी. कारोबार में वृद्धि के योग हैं. शेयर मार्केट तथा म्युचुअल फंड लाभदायक रहेंगे. दुष्टजन तथा ईष्यालु व्यक्तियों से सावधान रहें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें.

मकर शारीरिक सौंदर्य के प्रति रुझान बढ़ेगा. समय उत्तम फल प्रदान करेगा. वाणी पर नियंत्रण रखें. स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. जोखिम व जमानत के कार्य टालें.

कुंभ जोखिम व जमानत के कार्य टालें. व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करें. समय अनुकूल है. आपके कार्य और प्रभाव से आय में वृद्धि होगी. उत्साह व प्रसन्नता से काम कर पाएंगे. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

मीन खर्च अधिक होगा. किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर प्राप्त हो सकता है. आत्मसम्मान बना रहेगा. कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा. कार्य होने से सुख के साधन जुटेंगे. प्रसन्नता रहेगी. गरीबों को मिठाई दान करें.

धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में आता है संस्कार : अमरीश सिंह

कोडरमा। विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्य समिति की बैठक रविवार को हुई. तीन दिवसीय प्रांत बैठक शिव वाटिका झुमरी तलैया, कोडरमा में 16 अगस्त से 18 अगस्त हुआ. बैठक की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने की. बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी एवं विहिप के अन्य सभी आयम के प्रान्त, जिला अधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक में शामिल हुए. बैठक के समापन समारोह में मुख्यवक्ता के रूप में विहिप के केंद्रीय मंत्री अमरीश सिंह ने कहा कि सभी हिंदू परिवार में हिंदू संस्कार की रचना करने का कार्य विश्व हिंदू परिषद करती है. विश्व हिंदू परिषद अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रही है. सिंह ने कहा कि धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों में संस्कार आता हैं. विहिप के केंद्रीय टोली सदस्य डॉ रविंद्र नारायण सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद में सभी अधिकारी और कार्यकर्ता एक समान हैं और सभी को एक साथ मिल कर काम करने की आवश्यकता है. प्रांत अध्यक्ष ने कहा कि सभी कार्यकर्त्ता में काम करने की ऊर्जा है और हम लोग इसका विस्तार के साथ-साथ कार्य को बढ़ा रहे है.

झारखंड सरकार ने 64 पुलिस पदाधिकारियों का किया तबादला

रांची। चुनाव आयोग के निर्देश पर झारखंड में 64 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है. इस संबंध में डीजीपी द्वारा आदेश दिये जाने के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित अधिसूचना रविवार को जारी कर दी. जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है, उसमें 53 सब इंस्पेक्टर, एक मेजर और दस इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारी शामिल है.

चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा था : गौरतलब है कि बीते दिनों झारखंड समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के निकट होने का संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा था जिसमें कहा गया है कि आयोग की नीति है कि चुनाव वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गृह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है, जहां वह एक लंबे समय से तैनात है.

हल्की बारिश में बहा वन क्षेत्र में बना चेकडैम, टूटा संपर्क

- प्राथमिक विद्यालय कुशहना में भी भारी नुकसान हुआ, जहां विद्यालय में रखे मध्याह्न भोजन बनाने वाले अनाज, बच्चों के खेलकूद का समाज व कई जरूरी दस्तावेज बर्बाद हो गए
- ग्रामीण बोले- हम सभी समय किसी तरह सुरक्षित स्थान पर चले गए नहीं तो कई लोगों की जान भी चली जाती

संवाददाता। कोडरमा

जिले में जारी विकास की पोल खुल गई, जब कोडरमा प्रखंड के मेघातरी के कुशहना गांव में बना चेकडैम हल्की बारिश भी नहीं झेल पाया. नतीजा चेकडैम के बह जाने से कई गांव का संपर्क टूट गया. वहां बाढ़ का नजारा देखने को मिला. डैम के टूटने से सरकारी विद्यालय व कई घरों को भारी नुकसान हुआ है. वहीं कई मवेशी पानी में बह गए. प्राथमिक विद्यालय कुशहना में भी भारी नुकसान हुआ, जहां विद्यालय में रखे मध्याह्न भोजन बनाने वाले अनाज, बच्चों के खेलकूद का समाज व कई जरूरी दस्तावेज बर्बाद हो गए. ग्रामीणों ने बताया कि अचानक चेकडैम टूटने की जोरदार आवाज के साथ गांव में पानी घुसना शुरू हुआ. जिसके बाद हम सभी समय किसी तरह सुरक्षित स्थान पर चले गए नहीं तो कई लोगों की जान भी जा सकती थी. इधर, डैम टूटने की घटना की खबर पाकर कोडरमा सीओ व वन विभाग की टीम पहुंची. यहां डैम का निर्माण किस विभाग के द्वारा किया गया था कोई बताने को तैयार नहीं था. पर बताया जाता है कि वन विभाग अंतर्गत वन्य प्राणी आश्रयणी कोडरमा प्रमंडल से उक्त चेकडैम का निर्माण कराया गया था.

ग्रामीणों का यह भी कहना था कि दो साल पहले भी मरम्मति कराई गयी थी और बड़ी राशि की निकासी कर ली गयी. इधर इस बाबत कोडरमा रेंजर रामबाबू ने बताया कि पता नहीं कौन विभाग से बना है. यह पूछे जाने पर कि वन विभाग में आपके बिना सहमति के कौन विभाग ओर कब बना था तो उन्होंने कहा कि बहुत पहले इसका निर्माण किया गया था, कह कर फोन कट कर दिया. इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक नीरा यादव के निर्देशानुसार भाजपा कार्यकर्ताओं ने मेघातरी पंचायत के विभिन्न बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना और उनके बीच चूड़ा, गुड़, सत्तू और बिस्कुट का वितरण किया.

नाबालिग बेटी के साथ पिता ने किया दुष्कर्म

चतरा। चतरा जिले में एक वहशी कलयुगी पिता द्वारा पिता और बेटी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली खबर है. ग्रामीणों की सूचना के बाद पुलिस ने दुष्कर्मी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है. ग्रामीणों द्वारा सूचना के बाद एक्शन में आए थाना प्रभारी सनोज चौधरी ने पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. वहीं नाबालिग पीड़िता का तत्काल सदर अस्पताल में इलाज कराने के साथ मेडिकल परीक्षण कराया गया. आरोपी चतरा जिले के कुंदा थाना क्षेत्र में रहने वाला था, जिसने अपनी 13 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म किया. पीड़िता एक भाई है, जो घटना के समय घर पर नहीं था, जबकि मां की मौत हो चुकी है. पिता ने दूसरी शादी भी की. घटना के बाद आरोपी पिता ने बेहोश बेटी को कमरे में बंद कर फरार हो गया. पीड़िता का भाई जब वह घर पहुंचा तो खून से लथपथ थी.

झारखंड में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा में मचा बवाल

चंपाई दिल्ली में, झारखंड में भूचाल, झामुमो में टूट के आसार!

प्रवीण/रवि भारती। रांची

झारखंड की सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा में टूट के आसार के बीच राजनीति गलियारों में कयासों का बाजार गर्म है. राज्य की गठबंधन सरकार में मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन रविवार को कोलकाता के रास्ते दिल्ली पहुंचे. सुबह से शाम तक चर्चा होती रही कि वे भाजपा का दामन थाम सकते हैं. राजनीतिक गलियारों में चंपाई सोरेन के साथ कोल्हान के कुछ विधायकों के भी उनके साथ होने की रविवार को खूब चर्चा होती रही. इनमें दशरथ गागराई, रामदास सोरेन, चमरा लिंडा, लोबिन हेंब्रम और समीर मोहंती के नाम की चर्चा रही. इस बीच दिल्ली में चंपाई सोरेन से जब पत्रकारों ने पूछा, तो उन्होंने कहा कि निजी काम से दिल्ली आए हैं, यहां मेरी बेटी रहती है. दिल्ली आना-जाना लगा रहता है. चंपाई ने यह भी कहा कि मैं अभी जहां हूं, वहीं हूं. हालांकि, देर शाम सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर चंपाई सोरेन द्वारा एक भावुक पोस्ट करने के बाद झारखंड की राजनीति में सयासी भूचाल आ गया है.

चंपाई ने अपने 'एक्स' हैंडल से झामुमो हटाया

पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान में सूबे के कैबिनेट मंत्री चंपाई सोरेन ने रविवार को अपने 'एक्स' हैंडल के प्रोफाइल से 'झामुमो' हटा कर भाजपा में शामिल होने की अटकलों को हवा दे दी है. उन्होंने अपने नाम के साथ सिर्फ झारखंड का पूर्व मुख्यमंत्री लिख लिया है. पहले उनके 'एक्स' प्रोफाइल पर मंत्री, झारखंड परिवहन, एसी, एसटी, ओबीसी कल्याण (झारखंड) और उपाध्यक्ष, झामुमो झारखंड लिखा था, जिसे रविवार को अचानक से हटा दिया गया.

जिलिंगोड़ा में सोरेन के घर से झामुमो का झंडा हटाया

चंपाई सोरेन के सरायकेला-खरसांवा जिले के जिलिंगोड़ा गांव स्थित पैतृक आवास से भी झामुमो का झंडा हटा दिया गया है. इस गांव में सभी जगहों से झामुमो का झंडा को हटा दिया गया है. गांव में परिवार के लोग हैं, लेकिन इस बारे में कोई भी किसी तरह की बात करने के लिए तैयार नहीं है

मैं चाकुलिया में अपने दफ्तर में हूं : समीर मोहंती

शुभम संदेश के संवाददाता ने दिन के 11 बज कर 52 मिनट पर समीर मोहंती को

फोन किया, तो उन्होंने खुद से वीडियो कॉल करने को कहा. वीडियो कॉल करने पर उन्होंने बताया कि मैं अपने चाकुलिया वाले दफ्तर में हूं. उन्होंने कैमरा मूव कर दफ्तर में मौजूद लोगों को दिखाया. कहा कि मैं जहां हूं, वहीं रहूंगा. वीडियो कॉल में देखा गया कि वो दफ्तर में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे. लोग अपनी समस्याओं को लेकर कतारबद्ध तरीके से विधायक समीर मोहंती से मिल रहे थे. उन्होंने भाजपा में शामिल होने की चर्चा को पूरी तरह बेबुनियाद बताया.

गुरुजी का मान-सम्मान कम होने नहीं देंगे : दशरथ गागराई

शुभम संदेश संवाददाता ने दिन के 10 बज कर 26 मिनट पर विधायक दशरथ

गगराई से भी बात की. उन्होंने कहा कि मैं अपने विधानसभा क्षेत्र में हूं और गुरुजी का मान सम्मान कम नहीं होने देंगे. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा वाले 100 करोड़ लेकर शहीद केरसाई मुंडा चौक खरसावां आ जाएं, मैं अपने क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ताओं से पूछूंगा कि क्या पैसा लेकर हमें बिकना चाहिए? क्षेत्र की जनता और कार्यकर्ता जो तय करेंगे, मैं वह करुंगा. बिकने के शब्द पर जोर देते हुए गागराई ने पुन: दुहराया कि हम गुरुजी का मान-सम्मान कम नहीं होने देंगे.

तीन विधायकों से नहीं हो पाया संपर्क

शुभम संदेश के संवाददाता ने रामदास सोरेन से कई बार संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उनका फोन बंद मिलता रहा. पहला कॉल सुबह 11 बज कर 48 मिनट पर, दूसरा 12 बजकर 26 मिनट पर और तीसरा कॉल दोपहर एक बजकर 15 पर किया गया. लेकिन तीनों बार उनका फोन बंद मिला. वहीं लोबिन हेंब्रम से भी संपर्क करने की कोशिश की गयी. उन्हें दिन के 10 बजे से 11 बजे के बीच 10 से अधिक बार फोन किया गया. उनके फोन की घंटी बज रही थी, पर वे फोन नहीं उठा रहे थे. वहीं, विधायक चमरा लिंडा और उनके पीए से भी संपर्क करने की कोशिश की गयी. 11 बजे से 12:30 के बीच चार बार फोन किया गया, दोनों की फोन की घंटी बजती रही, लेकिन दोनों ने फोन नहीं उठाया. इसके बाद एक बज कर तीन मिनट पर चमरा लिंडा का फोन बंद हो गया.

चंपाई सोरेन दगाबाजी नहीं करेंगे : झामुमो के प्रवक्ता मनोज पांडेय ने पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों पर कहा कि मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है. वैसे चंपाई सोरेन दगाबाजी नहीं करेंगे.

बीवियां लगाती रहीं गुहार शौहर हो गया सउदी फरार

- दो बीवियों को एक साथ धोखा देने वाला शौहर भागा विदेश

संवाददाता। पुटकी

दो बीवियों को एक साथ धोखा देने और फिर इन्हें छोड़कर विदेश फरार होने का मामला प्रकाश में आया है. मामले की शिकायत दोनों बीवियों ने पुलिस से की लेकिन कार्रवाई से पहले ही वह विदेश को उड़ान भर गया. मामले की शिकायत पुटकी थाने में की गई है. पुटकी निवासी आफताब का पहला निकाह परिजनों की सहमति से कतरास के दिलावरनगर की लड़की से करीब 15 वर्ष पहले हुआ था. दोनों से किसी बच्चे का जन्म नहीं है. इधर कुछ दिनों पूर्व उसने पाण्डरपाला, वासेपुर की कुरैशा परवीन को झांसे में ले लिया. आफताब ने उसे बताया कि बच्चा नहीं होने के चलते पहली बीबी से तलाक हो चुका है. सऊदी जाने से पहले उसने 12 अगस्त को कोर्ट मैरेज व 13 अगस्त को टुंडी में जाकर गुपचुप तरीके से निकाह कर लिया. इसकी भनक किसी को नहीं लगी. पत्नी को भी बता दिया कि कोई पूछे तो उसके सऊदी जाने की बात किसी को मत बताना. शक होने पर पत्नी ने बातों-बातों में दूसरा निकाह करने की बात कबूल करा दी. इसके बाद हंगामा मच गया. इस बात से दोनों पत्नी और उनके परिजन सकते में आ गए.

पहली बीवी भी गोद लिए बच्चे के साथ पुटकी थाना पहुंची थी. दोनों का रो-रो कर बुरा हाल है. आफताब की रविवार की शाम छह बजे दिल्ली से सऊदी की फ्लाइट निर्धारित थी. इसे रुकवाने के लिए दोनों परिजन संग थाना प्रभारी से गुहार लगा रही थी. पहली बीबी ने पुटकी थाना में लिखित शिकायत की है. पुलिस ने जांच शुरू कर दी है. इधर आरोपी का मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा है. लोगों में चर्चा इस बात की भी हो रही है कि युवक धनबाद में ही छुपा बैठा है, और दिग्भ्रमित करने के लिए मनगढंत सऊदी जाने की बात बताई. आफताब ने कोविड काल से पूर्व चार साल सऊदी में रहकर काफी कमाई की थी.

प्रशासन ने अधिग्रहित जमीन पर से मकान और दुकानों को हटाया

- फोरलेन के बीच आनेवाले मकानों का हटाने का अभियान चलाया

संवाददाता। पलामू

पलामू से सटे गढ़वा के डीसी शेखर जमुआर के निर्देश पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं एनएचआई के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ रविवार को नगर उंटारी के हलिवंता कला, बिलासपुर एवं गंगटी में फोरलेन में आने वाले मकान को हटाने के लिये अभियान चलाया. इस दौरान अधिकारियों ने हलिवंता कला एवं बिलासपुर में मुआवजा लेने के बाद भी अभी तक मकान और दुकान नहीं हटाये जाने पर नाराजगी जताते हुए कई जगहों पर जेसीबी से मकान को ध्वस्त किया. अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि अभी तक उन्हें सिर्फ मकान का पैसा मिला है.

सरकार ने महिलाओं और मजदूरों का बढ़ाया मान : डॉ. अजय कुमार

- न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि, महिलाओं को प्रतिमाह मिलेंगे एक हजार रुपये

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

पूर्व सांसद एवं कांग्रेस का वरीय नेता डॉ. अजय कुमार ने कहा कि झारखंड की इंडिया

गठबंधन सरकार ने किसानों, मजदूरों, महिलाओं और युवाओं का मान सम्मान बढ़ाने के लिए कई जन कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की. इसका लाभ लोगों को मिल रहा है. उन्होंने कहा कि 2014 से 2019 तक भाजपा का शासन काल में मजदूरों की न्यूनतम मजदूरी में वृद्धि नहीं की गई. लगातार बढ़ती महंगाई से परेशान मजदूरों को भाजपा ने उनके हाल पर जीने के लिए छोड़ दिया. लेकिन हेंमत सरकार ने न्युनतम मजदूरी में वृद्धि कर मजदूरों को राहत पहुंचाने का काम किया.

महिलाओं को मिली आर्थिक आजादी

डॉ. अजय ने कहा कि हेमंत सरकार ने महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के उद्देश्य मंईयां सम्मान योजना की शुरुआत की. इस योजना के तहत 21 से 50 वर्ष तक की प्रत्येक महिला को प्रति माह एक हजार रुपये दिये जाएंगे. पहली किश्त 19 अगस्त को रक्षाबंधन के अवसर पर दिया जाना है. जिसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. यह योजना महिलाओं को आर्थिक रुप मजबूती प्रदान करेगी. वहीं प्रति माह 200 यूनिट बिजली फ्री मिलने से आम लोग राहत महसूस कर रहे हैं. इसी तरह किसानों के दो लाख तक के ऋण माफ किया गया है. उन्होंने कहा कि रोजगार देने की दिशा में सरकार तेजी से कार्य कर रही है. 25 हजार से ज्यादा विभिन्न पदों को नियुक्ति की जाएगी.

रानाडीह में डायरिया का प्रकोप, एक बच्ची की मौत, दर्जन भर पीड़ित भी

संवाददाता। पलामू

जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना अंतर्गत राणाडीह गांव में डायरिया का प्रकोप है. इससे एक बच्ची की मौत हो गई. दर्जन भर लोग आक्रांत है. हुसैनाबाद एसडीओ पीयूष सिन्हा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम रानाडीह गांव में कैंप कर रही है. डायरिया से जिस बच्ची की मौत हुई है, उसका नाम नीतू कुमारी (10) है. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा. विनेश कुमार ने रविवार को बताया कि जिन चार लोगों को ज्यादा दिक्कत है, उन्हें एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया है. उनका उपचार किया जा रहा है. डायरिया से पीड़ितों में पूनम कुमारी, राजकुमार राम, सोनी कुमारी, तिलेश्वरी देवी , सरस्वती देवी, विकास पासवान, सुषमा कुमारी, संजू देवी, उषा देवी चनारिक राम समेत अन्य शामिल हैं. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि मुखिया विकास सिंह, समाजसेवी शुभम सिंह व राणाडीह की सहिया बबीता देवी की उपस्थिति में लोगों की स्थिति को देखते हुए उन्हें दवा व बचाव की जानकारी दी दी जा रही है. चिकित्सक के साथ स्वास्थ्य कर्मी नीरज कुमार सिंह व सुनील कुमार यादव एंबुलेंस के साथ एक टीम लगातार लोगों को जानकारी दे रही है.

ग्रामीणों को आपात स्थिति के लिए कुछ जरूरी दावा भी दी गई. हुसैनाबाद एसडीओ पीयूष सिन्हा ने बताया कि उल्टी दस्त की शिकायत बरसात के दिनों में बासी भोजन, गंदा पानी आदि के सेवन से होता है.

उन्होंने आम लोगों को इस मौसम में हल्का व ताजा भोजन करने की सलाह दी. उन्होंने कहा कि नल या कूप का पानी उबाल कर पीना चाहिए. उन्होंने कहा कि किसी तरह की परेशानी आती है तो नजदीक के अस्पताल आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य सहिया से संपर्क कर सकते हैं. उन्होंने कहा कि सभी क्षेत्रों पर उनकी नजर है. उन्हें कहीं से कोई जानकारी मिलेगी तो वह तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम को भेजने का काम करेंगे. प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डा विनेश कुमार ने कहा कि अस्पताल में स्लाइन या दवा की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी.

सेवानिवृत्त डीएसपी की भाजपा में एंट्री,चर्चा तेज

इटखोरी (चतरा)। सेवानिवृत्त पुलिस उपाधीक्षक केदारनाथ राम के भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के साथ विशेष रुप से सिमरिया विस क्षेत्र के रानीतिक गलियारे में चर्चाए तेज हो गई है. श्री राम चतरा जिले से ही डीएसपी मुख्यालय के पद से कुछ दिन पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं और तब से यह कयास लगाए जा रहे थे कि सिमरिया विस से अपनी किस्मत आजमाने को आतुर हैं. वहीं श्री राम ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर लिया है.

IN THE COURT OF SRI PRAVEEN KUMAR EXECUTIVE MAGISTRATE BERMO AT TENUGHAT

AFFIDAVIT

I, SAIRA BANO W/o KUDUS ANSARI, aged about 34 years, resident of village Lodhi, PO-Kurk Nalo, P.S-Gomia, District Bokaro State Jharkhand do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1. That my Nationality is an Indian.
2. That my Aadhar Number is 6897 5824 1664
3. That, I am known by three names viz **(i) SAIRA BANO (ii) SAYARA BANO (iii) SERA BANO**
4. That, aforementioned Three names represent to one and same person ie. myself.
5. That my name as **SAIRA BANO** is mentioned in my said Aadhar Card.
6. That my name as **SERA BANO** is mentioned in my Bank Passbook of B.O.I. Branch Gomia District Bokaro A/c No. 481110110011067.
7. That, my name as **SAYARA BANO** is mentioned in my PAN Card vide PAN No DAGPB7044N.
8. That, I want to rectify my name as **SAIRA BANO** in place of **SERA BANO** in my said Bank Passbook.
9. That, I intend to make K.Y.C. with the said Bank Passbook
10. That, contents of this affidavit are true, correct and genuine, if any statement found false or contrary then I would be liable to Legal punishment.

Affidavit No. 4900, Dt. 10.08.24

आरोप बरडीहा प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय का मामला

छात्राओं ने लगाया वार्डेन पर गंभीर आरोप, हंगामा

संवाददाता। मझिआंव (गढ़वा)

बरडीहा प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में अभिभावक एवं छात्राओं ने वार्डेन के खिलाफ हंगामा किया. इस दौरान अभिभावक अपनी-अपनी बच्चियों को विद्यालय से ले जाने पर अड़े रहे. जानकारी के अनुसार विद्यालय के वार्डेन कविता अम्मु के कार्यशैली को लेकर हंगामा हुआ. छात्राओं ने बताया कि वार्डेन और कलीम खान का व्यवहार आपत्तिजनक है. साथ ही कहा कि वार्डेन और कलीम खान में क्या रिश्ता है यह समझ से बाहर है. क्योंकि कलीम खान विद्यालय में

जानकारी देती छात्राएं

पहले भी कई बार रात में आता था और विद्यालय में रहता था. जिसको लेकर छात्राओं एवं अभिभावकों ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 अगस्त की रात को कलीम खान विद्यालय में था. इस दौरान वार्डेन एवं कलीम को आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद कुछ लड़कियां रात्री लगभग 11 बजे विद्यालय से बाहर आकर घटना की सूचना बरडीहा थाना को दी. इसके बाद कलीम खान नामक व्यक्ति को बरडीहा पुलिस ने हिरासत में लिया लेकिन कुछ समय बाद उसे छोड़ दिया गया. नाराज वार्डेन 17 अगस्त को कुछ छात्राओं के ऊपर कैंची लेकर दौड़ने लगी. इसके बाद कुछ छात्राओं ने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी. जानकारी मिलते ही परिजन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे और हंगामा किया. इस दौरान छात्राओं ने बताया कि 14 अगस्त की घटना के बाद वार्डेन कुछ छात्राओं के ऊपर नाराजगी दिखाते हुए कैंची से डराने लगी और साथ ही गंदी-गंदी गालियां देने लगी. इस घटना के बाद विद्यालय की छात्राएं काफी डरी और सहमी हुई है, उन्हें अपने जान और प्रतिष्ठा का खतरा महसूस हो रहा है. परिजन अपने-अपने बच्चियों को विद्यालय से घर ले जाने पर अड़े रहे. वहीं विद्यालय के शिक्षिकाओं का भी कहना है कि गुस्से में वार्डेन के द्वारा गाली दी गई थी. इस संबंध में वार्डेन कविता अम्मु ने बताया कि छात्राओं के द्वारा लगाया गया आरोप बिल्कुल निराधार है. हंगामा की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी अवध कुमार यादव एवं अन्य पुलिस बल कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय पहुंचे और एक-एक छात्राओं से जानकारी हासिल किया और परिजनों को समझाया कि किसी प्रकार के कोई दिक्कत नहीं आने देंगे.

युवा आक्रोश रैली में चार हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे : मुंडा

संवाददाता। खूंटी

भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को खूंटी ग्रामीण और नगर मण्डल की हुई बैठक में 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आहूत युवा आक्रोश रैलियों की तैयारियों की समीक्षा की गई. बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि 23 अगस्त को आहूत युवा आक्रोश रैली में खूंटी विधानसभा से चार हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से रैली को सफल बनाने को लेकर रणनीति बनाने का आह्वान किया.

विधायक ने कहा कि रैली के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जाएगा. हेमंत सोरेन ने जनता से झूठे वादे कर वर्ष 2019 के चुनाव में सत्ताशीन होते ही लूट-खसोट में लग गई और झारखंड को बर्बाद का दिया. भाजपा राज्य को बर्बादी से बचाने के लिए सड़क से विधानसभा तक मुखर है. हेमंत सरकार ने घोषणा की थी कि पांच लाख युवाओं को रोजगार देंगे, शिक्षित युवाओं को पांच से सात हजार रुपये बेरोजगारी भत्ता देने, प्रत्येक घर में एक सरकारी नौकरी, आंगनबाड़ी सेविकाओं की सेवा स्थायी करने, सरकारी भर्ती में स्थानीय युवाओं को 75 प्रतिशत भागीदारी दी जायेगी, पर सरकार एक भी वादा पूरा कर नहीं सकी.

सरकार संभाले रोजगार के हालात

जब देश में बेरोजगारी का आंकड़ा डरावना हो चुका है. देश का हर तीसरा-चौथा युवक बेरोजगार है. गांवों ने फिर भी गिरते-पड़ते देश की अर्थव्यवस्था संभाल रखी है. यही वजह है कि दुनिया में आर्थिक मंदी की आहट के बावजूद भारत में इसकी कतई आशंका नहीं है. सरकार को चाहिए कि कोरोनाकाल के बाद आई रोजगार की गिरावट को दूर करने के लिए युद्धस्तर पर पहल करे, वरना हालात संभाले नहीं संभलेंगे.

इ नफॉर्मल सेक्टर में छोटे बिजनेस शामिल होते हैं, जो बिना किसी रजिस्ट्रेशन के चलते हैं. मोहल्ले की दुकानें, कारीगर, फेरी वाले, छोटे-मोटे कारखाने... ये सब अनऑफिशियल इकोनॉमी का हिस्सा हैं. इनफॉर्मल सेक्टर रोजगार पैदा करने और कम पढ़े-लिखे लोगों को काम देने में बहुत बड़ी भूमिका निभाते हैं. ये व्यवसाय आमतौर पर छोटे होते हैं और पारिवारिक आधार पर चलाए जाते हैं. इनफॉर्मल सेक्टर को अनऑर्गनाइज्ड सेक्टर या अनौपचारिक अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, ये अनऑफिशियल इकोनॉमी भारत के आधे से ज्यादा सामान बनाने और सर्विस देने का काम करती है. साथ ही, देश में रोजगार देने वालों में से भी तीन-चौथाई से ज्यादा इसी सेक्टर से जुड़े हैं. अब परेशानी यह है कि पिछले सात सालों में इस अनऑफिशियल इकोनॉमी का काफी बुरा हाल हुआ है. कई छोटे बिजनेस बंद हो गए और करीब 16.45 करोड़ नौकरियां भी चली गईं. यह जानकारी नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस की ओर से हाल ही में कराए गए सर्वे (2021-22 और 2022-23) के नतीजों से मिली है.

ये सर्वे अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक और अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक के समय के बीच कारोबार करने वाले बिजनेस को आधार बनाकर किया गया. अच्छी खबर यह है कि इस दौरान छोटे कारखानों (मैन्युफैक्चरिंग), दुकानों (ट्रेड) और दूसरी सेवाओं से जुड़े बिजनेस की संख्या में बढ़ोतरी हुई है. पहले जहां करीब 5.97 करोड़ ऐसे बिजनेस थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 6.50 करोड़ हो गई है. गांव में यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा रही है. कुल मिलाकर करीब 3.56 करोड़ बिजनेस तो सिर्फ गांव में ही चल रहे हैं, जबकि शहरों में यह संख्या करीब 2.94 करोड़ है. इन 6.50 करोड़ बिजनेस में से ज्यादातर ऐसे हैं, जहां मालिक खुद ही काम करता है. ऐसे बिजनेस को ओन अकाउंट एस्टेब्लिशमेंट कहते हैं. इनकी संख्या करीब 5.53 करोड़ है. वहीं बाकी करीब 97 लाख बिजनेस ऐसे हैं, जहां मालिक नौकर रखता है. इन्हें हायर्ड वर्कर एस्टेब्लिशमेंट' कहा जाता है. सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, बिना रजिस्ट्रेशन वाले कुल कारोबारों में से 27.41% मैन्युफैक्चरिंग से जुड़े हैं. 34.71% दुकानदारी या ट्रेड करते हैं और बाकी बचे 37.88% सर्विस सेक्टर से जुड़े हैं. गांव और शहर दोनों जगह सबसे ज्यादा कारोबारी ट्रेड और कपड़े बनाने के काम से जुड़े पाए गए. शहरों में सबसे ज्यादा रिटेल दुकानदारी और व्यक्तिगत सेवाओं का कारोबार चलन में है. देशभर में करीब 94% छोटे बिजनेस सालभर में कम से कम 9 महीने तो चले ही हैं. गांव में ये आंकड़ा 93.9% है और शहरों में 94.8% है. एक दिन में घंटे की बात करें तो आधे से ज्यादा कारोबार रोजाना 8 से 11 घंटे चलते हैं. करीब 54.4% कारोबार ऐसे हैं, जो हफ्ते में 6-7 दिन, रोजाना 8 से 11 घंटे चलते हैं.

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022-23 में उत्तर प्रदेश (13.82%), पश्चिम बंगाल (12.03%) और महाराष्ट्र (9.37%) में सबसे ज्यादा अनऑफिशियल कारोबार पाए गए. ये आंकड़े ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के लिए हैं. हालांकि कुछ राज्यों में कारोबार कम भी हुए, कोरोना महामारी के बाद 2022-23 में गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में छोटे कारोबारों की संख्या कम हो गई है. वहीं, उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा कारोबार बढ़े. सबसे ज्यादा नौकरी देने वाले छोटे कारखाने महाराष्ट्र (13.29%) में पाए गए. खास बात ये है कि तेलंगाना (43.32%), पश्चिम बंगाल (32.74%) और कर्नाटक (31.42%) जैसे कुछ राज्यों में 30 फीसदी से ज्यादा छोटे बिजनेस महिलाएं चला रही हैं. आंध्र प्रदेश के गांव में 22.8% गैर-कृषि कारोबार ऐसे हैं जिनकी कोई पक्की दुकान नहीं है. वहीं, तेलंगाना में तो 70.9% कारोबार सीधे घर से ही चलाए जाते हैं, यानी गांव में घर से चलने वाले कारोबार सबसे ज्यादा इसी राज्य में हैं. सरकारी रिपोर्ट बताती है कि पूरे देश में छोटे बिजनेस चलाने वाले 51.9 फीसदी लोग अन्य पिछड़ा वर्ग से आते हैं. इसके बाद अन्य वर्ग (30%), अनुसूचित जाति (13.2%) और अनुसूचित जनजाति (4.4%) समुदाय से आते हैं. करीब 41% बिजनेस तो सीधे घर से ही चलाए जाते हैं. कोई महिला घर पर ही सिलाई का काम करती है तो कोई घर से ही पूजा का सामान बेचता है. करीब 44% बिजनेस घर से बाहर किसी जगह पर चलते हैं. जहां नौकर रखने वाले बिजनेस की बात है तो उनमें से 83.7% किसी पक्की जगह पर चलते हैं. वहीं खुद काम करने वाले बिजनेस में से ज्यादातर (46%) घर से ही चलाए जाते हैं. सर्वे कहता है कि सिर्फ करीब 6.4% छोटे बिजनेस ही ऐसे हैं जो चार्टर्ड अकाउंटेंट से अपना हिसाब किताब करवाते हैं. बाकी ज्यादातर बिजनेस कैश के आधार पर ही चलते हैं. लेकिन रजिस्ट्रेशन के मामले में थोड़ी अच्छी खबर है. 2022-23 में करीब 36.8% छोटे बिजनेस किसी न किसी सरकारी विभाग या कानून के तहत रजिस्टर्ड हो चुके हैं. ये आंकड़ा पिछले साल के सर्वेक्षण के मुताबिक करीब 7% ज्यादा है. ये आंकड़ा बताता है कि लोग अपने बिजनेस को लीगल बनाने की तरफ बढ़ रहे हैं. इन छोटे बिजनेसेज की वजह से रोजगार के काफी अवसर पैदा हुए हैं. अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच करीब 11 करोड़ लोगों को इन बिजनेस में रोजगार मिला है. ये पिछले साल के मुकाबले करीब 1.2 करोड़ ज्यादा है. इन 11 करोड़ में से करीब 5.72 करोड़ रोजगार शहरों में पैदा हुए हैं. वहीं गांव में करीब 5.24 करोड़ लोगों को रोजगार मिला. गौर करने वाली बात यह है कि सिर्फ रिटेल दुकानों से ही कुल नौकरियों का करीब एक तिहाई हिस्सा आता है. इन छोटे बिजनेस की वजह से सबसे ज्यादा रोजगार पैदा करने वाले राज्य हैः उत्तर प्रदेश (14.35%), महाराष्ट्र (10.53%), पश्चिम बंगाल (9.61%). अगर दूसरों को नौकरी देने वाले कारोबार की बात करें तो रोजगार देने में सबसे आगे हैं - महाराष्ट्र (12.87%), उत्तर प्रदेश (11.20%), तमिलनाडु (10.56%). अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के दौरान इन बिजनेस में करीब 25.63% कर्मचारी महिलाएं थीं. ये आंकड़े बताते हैं कि महिलाएं तेजी से बिजनेस की दुनिया में आगे बढ़ रही हैं. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

चुनावों के एलान के बाद

आ खिरकार लंबे इंतजार के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर विधानसभा के लिए चुनावों की घोषणा कर दी गई है. हालांकि पूर्ण राज्य वापसी का मामला अधर में ही है. वहीं हरियाणा में एक माह पूर्व चुनाव कराने की घोषणा हुई है. लेकिन झारखंड और महाराष्ट्र में चुनावों का एलान नहीं किया गया है. महाराष्ट्र में 2019 में चुनाव हरियाणा के साथ ही हुए थे.15 अगस्त को प्रधान मंत्री नें बारबार चुनाव कराए जाने को प्रगति के लिए बाधा बताया था. बावजूद इसके चार राज्यों के चुनाव एक साथ कराने में क्यों कोताही हुई, इसे समझना मुश्किल नहीं है. चुनाव मोड से बाहर निकलने की सत्ता पक्ष की सियासी परेशानी जगजाहिर है. जम्मू कश्मीर में तीन चरणों में मतदान 18 व 25 सितंबर व एक अक्तूबर को होगा. दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने तीस सितंबर तक राज्य में विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे. उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 निरस्त करने के बाद इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था. तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन चला आ रहा था. बहरहाल, परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी परिदृश्य बदल गया है. एक ओर जम्मू क्षेत्र में परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 37 से बढ़कर 43 हो गई हैं, वहीं कश्मीर विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो गई हैं. निश्चित तौर पर परिसीमन से बदलाव का असर राजनीतिक परिदृश्य पर पड़ेगा. लेकिन हाल के दिनों में राज्य में जैसे सिलसिलेवार तरीके से आतंकी हमले हुए हैं, वहां शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान कराना एक बड़ी चुनौती होगी. हाल के दिनों में आतंकवादियों ने अपनी रणनीति व सक्रियता के क्षेत्रों में बदलाव किया है. ऐसी स्थिति में भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती होगी. निश्चित रूप से भारत विरोधी ताकतें इन चुनावों में बाधा डालने का प्रयास करेंगी. मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें, इसके लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा. एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा. जहां फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ ही सज्जाद लोन की जेएंडके पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अल्ताफ बुखारी की जमम्‌ कश्मीर अपनी पार्टी व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी मैदान में होगी. आशंका है कि कट्टरपंथी रुझान वाले आजाद उम्मीदवार भी मुकाबले में आ सकते हैं. वहीं दूसरी ओर हरियाणा में भी विधानसभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है. यहां एक ही चरण में एक अक्तूबर को चुनाव होंगे और चार अक्तूबर को जम्मू-कश्मीर के साथ ही चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी. जाहिरा तौर पर एक दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करना पड़ सकता है. जिसकी बानगी पिछले महीनों में हुए लोकसभा चुनावों में नजर आई थी. हालिया लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने से उत्साहित कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी. यदि पिछली बार के विधानसभा चुनावों की तरह ही इस बार भी किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी जैसे दलों की भूमिका किंगमेकर की हो सकती है. दरअसल, हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर को खत्म हो रहा है.

> मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें, इसके लिए अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा. एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा.

सुभाषित

सा भार्या या प्रियं ब्रूते स पुत्रो यत्र निवृतिः।
तन्मित्रं यत्र विश्वासः स देशो यत्र जीव्यते॥

इस श्लोक में बताया गया है कि अपना कौन है. जो प्रिय और मधुर बोले वह अच्छी भार्या(पत्नी) है. जो पिता को सुख देने वाला आचरण करे, वह वास्तविक पुत्र है, जिस पर विश्वास कर सकें, वही सच्चा मित्र है और जहां सुखपूर्वक जीवन यापन हो सके, वह सही देश है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

हिंसा का बीज़

क स्बे में एक महात्मा थे. सत्संग करते और लोगों को धैर्य, अहिंसा, सहनशीलता, सन्तोष आदि के सदुपदेश देते. उनके पास सत्संग में बहुत बड़ी संख्या में भक्त आने लगे. एक बार भक्तों ने कहा महात्मा जी आप कस्बे में अस्पताल, स्कूल आदि भी बनवाने की प्रेरणा दीजिए. महात्मा जी ने ऐसा ही किया. भक्तों के अवदान और परिश्रम से योजनाएं भी बन गई. योजनाओं में सुविधा के लिए भक्तों नें, कस्बे के नेता को सत्संग में बुलाने का निर्णय किया. नेताजी सत्संग में पधारे और जनसुविधा के कार्यों की जी भरकर सराहना की और दानदाताओं की प्रशंसा भी. किन्तु महात्मा जी की विशाल जनप्रियता देखकर, अन्दर ही अन्दर जल-भुन गए. महात्मा जी के संतोष और सहनशीलता के उपदेशों के कारण कस्बे में समस्याएं भी बहुत कम थी. परिणाम स्वरूप नेता जी के पास भीड कम ही लगती थी. घर आकर नेताजी सोच में डूब गए. इतनी अधिक जनप्रियता मुझे कभी भी प्राप्त नहीं होगी, अगर यह महात्मा अहिंसा आदि सदाचारों का प्रसार करता रहा. महात्मा की कीर्ति भी इतनी सुदृढ थी कि उसे बदनाम भी नहीं किया जा सकता था. नेता जी अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे.आचानक उसके दिमाग में एक जोरदार विचार कौंधा और निश्चिंत होकर आराम से सो गए. प्रातः काल ही नेता जी पहुंच गए महात्मा जी के पास. थोडी ज्ञान ध्यान की बात करके नेताजी नें महात्मा जी से कहा आप एक रिवाल्वर का लायसंस ले लीजिए. एक हथियार आपके पास हमेशा रहना चाहिए. इतनी पब्लिक आती है पता नहीं कौन आपका शत्रु हो? आत्मरक्षा के लिए हथियार का पास होना बेहद जरूरी है. महात्मा जी नें कहा, 'बंधु! मेरा कौन शत्रु? मै स्वयं अहिंसा का उपदेश देता हूँ और अहिंसा में मानता भी हूं.' नेता जी नें कहा, 'इसमें कहां आपको कोई हिंसा करनी है. इसे तो आत्मरक्षा के लिए अपने पास रखना भर है.' नेताजी ने दूसरे ही दिन महात्मा जी के लिए चमकदार हथियार आ गया. महात्मा जी भी अब उसे सदैव अपने पास रखने लगे. किन्तु अब महाराज जब भी अहिंसा पर प्रवचन देते, शब्द तो वही थे किन्तु श्रोताओं पर प्रभाव नहीं छोडते थे. दिन प्रतिदिन श्रोता कम होने लगे. एक दिन तांत्रिकों का सताया, एक विक्षिप्त सा युवक सभा में हो-हल्ला करने लगा. वह युवक चीखा, 'चुप रह पाखण्डी' इतना सुनना था कि महात्मा जी घोर अपमान से क्षुब्ध हो उठे. तत्क्षण क्रोधावेश में निकट रखा हथियार उठाया और हवाई फायर कर दिया. लोगों की जान हलक में अटक कर रह गई. उसके बाद कस्बे में महात्मा जी का सत्संग वीरान हो गया और नेताजी की जनप्रियता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ने लगी.

दक्षिण एशिया में उपलब्ध अवसर का लाभ उठायें

• विमर्श

ले. जन. एसएस मेहता

व र्ष 1971 में, हमारा नज़रिया था कि जब पड़ोस में नागरिक नरसंहार का हमला झेल रहे हों, तब एक स्थाई राजनीतिक समाधान बनाने को हमारी जिम्मेवारी बन जाती है कि घिरे लोगों को साथ जोड़कर, उन्हें मुक्त करवाएं. यह दखलअंदाजी मानवीय आधार पर थी. उस वक्त पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण संयुक्त कमान के सामने था. मुक्ति दिलवाने के अलावा इस घटना ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर में समसामयिक संशोधन भी करवाया, जब संयुक्त राष्ट्र ने 'बचाने की जिम्मेवारी' सिद्धांत की नई व्याख्या जोड़ी. माइकेल वाल्ज़र के मौलिक लेखन कार्य 'उचित और अनुचित युद्ध' के मुताबिक देखें तो यह एक 'उचित युद्ध' था. हमारे प्रधानमंत्री के कहे शब्द- 'यह युग युद्धों का नहीं है'- की प्रतिध्वनि के अनुसार, वक्त है राह फिर से तय करने का. जिस पटल पर काम होना है वह बहुत विस्तृत हो चुका है. हमारे पास-पड़ोस के बड़े हिस्से की भांति बांग्लादेश का आंदोलन दक्षिण एशिया और विश्व के ज्यादातर हिस्सों के लिए नया मोड़ है. दुनियाभर में घटित घटनाएं याद दिलाती हैं कि 'सुरक्षा को खतरे' की वेदी पर शांति, समृद्धि और विकास की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती, चाहे 'खतरा' वास्तविक हो या आभासीय. कोविड-19, पर्यावरणीय बदलाव और युद्ध पहले ही काफी नुकसान कर चुके हैं, इनमें आखिरी दो में प्रतिदिन बढ़ोतरी होती देखी जा रही है. सबसे बदतर स्थिति अभी आनी बाकी है.प्रत्येक मामले में सबसे बड़ा घाटा नागरिकों का है. धुर केंद्र में नागरिक को रखकर उसके इर्द-गिर्द सुरक्षा आवरण बनाने की जरूरत है वरना तंत्र ढह जाएगा. भौतिक लाभ एवं क्षेत्र नागरिक को प्रमुख रखने की जगह नहीं ले सकते. बेशक, इलाका आत्म-सम्मान से जुड़ा है और इससे समझौता स्वीकार्य नहीं होता, लेकिन कोई समय कभी ऐसा भी होता है, जब नागरिक की प्रमुखता सबसे अधिक स्थान ले लेती है. वह वक्त अब है. प्रत्येक लोकतंत्र इस घड़ी का इस्तेमाल आत्मविश्लेषण करने के लिए करे, स्व-सुधार लागू करे और फिर 'दुनिया एक है' सिद्धांत को समझाने एवं उदाहरण प्रस्तुत करने वाली राह बनाने में सहायक हो. कुंजी है 'अनेकता में एकता' और नागरिक कल्याण, किसी भी अन्य चीज़ से ऊपर, जो एक निर्वाचित सरकार का पहला दायित्व है.हम खुशनसीब हैं कि हमारी नींव की जड़ में विविधता है. हमने लोकतंत्र संजोकर रखा है. चूंकि इस इलाके में आकार एवं अर्थव्यवस्था के लिहाज से हम सबसे विशाल हैं, इस नाते हमारी जिम्मेवारियां भी बड़ी हैं. हमें इन पलों को आत्मसात करना होगा और दक्षिण एशिया को 'ज्ञान का शक्तिकेंद्र' बनाने में सहायक बनना होगा-सबकी भलाई के वास्ते, पहले देश के भीतर और फिर सीमाओं से परे योगदान. हर तरफ युवा इसे हाथों-हाथ लेंगे- बशर्ते उन्हें इसकी छुअन सभ्यात्मक लगे न कि व्यापारिक इरादे से सनी, किंतु यह सैद्धांतिक और मूल्यों पर आधारित हो. क्रांति के बजाय एक पुनर्जागरण की तरह, जैसे हम लहर को अपनी-पराई हर किश्ती को ऊपर उठाते देखते हैं.आज हमारे तमाम पड़ोसी तिराहे पर खड़े हैं – इस क्षेत्र के कुल 200 करोड़ लोगों के हितों के आलोक में, हमारी जिम्मेवारी साझी है. यदि 140 करोड़ लोगों का देश भारत अगुवाई नहीं करेगा, तो दुनिया के सैन्य-औद्योगिक परिसर अपना स्थान बना लेंगे –और फिर दावत उड़ाएंगे– क्योंकि हम सभ्यात्मक स्तर पर एकता नहीं बना पाए.अब हमें एक मंच बनाने की जरूरत है 'दक्षिण एशिया शांति, समृद्धि, लोकतांत्रिक क्षेत्र', जिसमें प्रत्येक सदस्य को हक हो कि यदि चाहे तो किसी अन्य संगठन की सदस्यता भी ले ले, लेकिन इस प्रावधान के साथ कि यह करना इलाके के लोकतांत्रिक हितों के विरुद्ध न हो. कोई ऐसा मंच बनाया जाए, जिससे कि दक्षिण एशिया में संवाद और सहयोग जड़ पकड़े, इस पर हमारी दुविधा रही है. वर्ष 1999 से भारत की 'सीका' (कांफ्रेंस ऑन इंटरएक्शन एंड कॉन्फिडेस-बिल्डिंग मेज़र्स इन एशिया) में भागीदारी इसी सोच पर आधारित थी. हमारी तरजीह द्विपक्षीय राजनयिक रिश्ते बनाने पर रही है, हालांकि कई बार इसका परिणाम नकारात्मक रहा, अगस्त 2021 में काबुल में जो अनुभव मिला, वही आगे चलकर श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अब बांग्लादेश में भी पाया, इन सबने यही दर्शाया है. शायद एक दक्षिण एशियाई मंच उन पड़ोसियों में 'चालबाज' को बुलाने में सहायक हो, जो 'कहीं और उपस्थिति जरूरी है' वाली धमकी का इस्तेमाल औरों से खेल करने में करता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> दुनियाभर में घटित घटनाएं याद दिलाती हैं कि 'सुरक्षा को खतरे' की वेदी पर शांति, समृद्धि और विकास की बलि नहीं चढ़ाई जा सकती, चाहे 'खतरा' वास्तविक हो या आभासीय. कोविड-19, पर्यावरणीय बदलाव और युद्ध पहले ही काफी नुकसान कर चुके हैं, इनमें आखिरी दो में प्रतिदिन बढ़ोतरी होती देखी जा रही है.

दुष्चक्र में उलझी बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था

• देशांतर

राकेश चौरासिया

बां ग्लादेश वर्तमान में शेख हसीना की सरकार के तख्तापलट के बाद भीषण हिंसा से जूझ रहा है, जिसमें अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं और उनके उपासहना स्थलों को निशाना बनाया जा रहा है. 48 जिलों में 278 स्थानों पर हिंदुओं का कत्ल व मारपीट और मंदिरों को तोड़ दिया गया है. अंतरिम सरकार के गृह मामलों के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (सेवानिवृत्त) एम सखावत हुसैन ने देश में हिंदू समुदाय से पिछले कुछ दिनों से हो रही हिंसा के लिए माफी मांगी है. हुसैन ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करने में सरकार की ओर से विफलता को स्वीकार किया है. उसके बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने ढाकेश्वरी मंदिर का दौरा किया और हिंदू समुदाय से से "धैर्य रखने" का आग्रह किया और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी सरकार अल्पसंख्यकों पर हमला करने वालों को दंडित करेगी. हिंसा की ताजा श्रृंखला से बांग्लादेश के सामने गंभीर आर्थिक और सामाजिक संकट खड़ा हो गया है.

बांग्लादेश में पिछले आम चुनाव में विपक्षी दलों ने हिस्सा नहीं लिया. कुछ समय से कट्टरपंथी तत्व, विदेशी ताकतों से मिलकर बगावत का तानाबाना बुन रहे थे, इससे अर्थव्यवस्था पहले ही दबाव में आ गई थी. बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक 'बांग्लादेश बैंक' के आंकड़ों के मुताबिक जुलाई, 2023 में फोरेक्स रिजर्व 29 बिलियन डॉलर था, जो जुलाई, 2024 में घटकर 25 बिलियान डॉलर रह गया. विदेशी मुद्रा भंडार का गिरना देश के लिए गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है. विदेशी मुद्रा भंडार गिरने से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पहले ही 'कॉसन मोड' में थी. विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा होता है. यह एक देश के आयात, निर्यात, मुद्रा विनिमय दर और ऋण अदायगी की क्षमता को प्रभावित करता है. भंडार में गिरावट से बांग्लादेश को आयात करने में कठिनाई हो सकती है, जो उसके उद्योगों और उपभोक्ताओं को प्रभावित कर सकता है.बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था, जो बहुत हद तक आयात पर निर्भर है, इस भंडार में गिरावट से गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है. देश के बड़े पैमाने पर परिधान उद्योग, जो विदेशी निवेश और मुद्रा का प्रमुख स्रोत है, इस स्थिति से प्रभावित हो सकता है. अगर विदेशी मुद्रा भंडार और गिरता है, तो बांग्लादेश को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि और घरेलू मुद्रा टका के अवमूल्यन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.बांग्लादेश की वार्षिक मुद्रास्फीति जुलाई में 12 साल के उच्चतम स्तर 11.66 प्रतिशत तक चढ़ गई है. यह स्थिति देश में आर्थिक अस्थिरता और बढ़ती महंगाई का संकेत देती है. मुद्रास्फीति की यह दर न केवल आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को प्रभावित कर रही है, बल्कि देश के समग्र आर्थिक विकास को भी चुनौती दे रही है. मुद्रास्फीति का यह उच्च स्तर उत्पादन बंद होने और आपूर्ति श्रृंखला ध्वस्त होने के बाद, मुख्य रूप से खाद्य और ईंधन की कीमतों में वृद्धि के कारण हुआ है. बांग्लादेश में बढ़ती खाद्य कीमतें खासकर गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई हैं. साथ ही, ईंधन की कीमतों में वृद्धि से परिवहन और उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है, जिससे सभी क्षेत्रों में महंगाई का प्रभाव महसूस किया जा रहा है.

बांग्लादेश की सरकार इस समस्या का समाधान करने के लिए सब्सिडी बढ़ानी होगी और आयात घटना होगा, लेकिन इन उपायों का प्रभावी होना तभी संभव होगा, जब मुद्रास्फीति की जड़ में मौजूद समस्याओं का समाधान किया जाए. यानी अल्पसंख्यकों पर जारी हमले बंद करके शांति स्थापित की जाए और हिंसा के अपराधी तत्वों को कानून के दायरे में दंडित किया जाए, ताकि अल्पसंख्यकों में विश्वास बहाली हो सके. क्योंकि अल्पसंख्यक बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं.इन हिंसक घटनाओं का देश की अर्थव्यवस्था पर भी गहरा प्रभाव पड़ सकता है. जब किसी देश में सामाजिक अशांति और धार्मिक असहिष्णुता का माहौल बनता है, तो यह विदेशी निवेशकों और पर्यटकों को डराता है. विदेशी निवेशक ऐसे देशों में अपने निवेश को सुरक्षित नहीं मानते, जहां सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता का अभाव होता है. इसके परिणामस्वरूप, बांग्लादेश में विदेशी निवेश में कमी आ सकती है, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए एक और झटका हो सकता है. **(ये लेखक के निजी विचार हैं)**

> विदेशी मुद्रा भंडार का गिरना देश के लिए गंभीर आर्थिक संकट का संकेत है. विदेशी मुद्रा भंडार गिरने से बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था पहले ही 'कॉसन मोड' में थी. विदेशी मुद्रा भंडार का महत्व किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए बहुत बड़ा होता है. यह एक देश के आयात, निर्यात, मुद्रा विनिमय दर और ऋण अदायगी की क्षमता को प्रभावित करता है.

मीडिया में अन्यत्र

भारत के पड़ोसी देशों में अस्थिरता के मायने

थाईलैंड की सबसे युवा प्रधानमंत्री, 37 वर्षीया पेटोंगटारन शिनावात्रा को शुक्रवार को संसद द्वारा चुन लिया गया. ऐसा संवैधानिक अदालत द्वारा श्रेथा थाविसिन को अपदस्थ किये जाने के बाद किया गया. सुश्री पेटोंगटारन पूर्व थाई प्रधानमंत्री और उद्योगपति थाकसिन शिनावात्रा की सबसे छोटी बेटी हैं और यह पद संभालने वाली अपने परिवार की चौथी सदस्य हैं. श्री थाकसिन को 2006 में एक तख्तापलट में हटा दिया गया था, जबकि सुश्री पेटोंगटारन के फूफा सोमचाई वोंगसावत को 2008 में संवैधानिक अदालत ने बर्खास्त कर दिया था और उसी अदालत ने एकबार फिर उनकी बुआ यिंगलक शिनावात्रा को भी 2014 में बर्खास्त कर दिया था. प्रधानमंत्री पद पर ताजा बदलाव अतीत की ऐसी कई अचानक बर्खास्तगी को दर्शाता है जिनके लिए थाईलैंड की रूढ़िवादी सत्ता प्रतिष्ठान को जिम्मेदार ठहराया जाता है. श्री श्रेथा 2001 से नियुक्त किये गए एक दर्जन से ज्यादा प्रधानमंत्रियों में से एक थे. गौरतलब है कि अदालत ने श्री श्रेथा को एक ऐसे कैबिनेट मंत्री की नियुक्ति के लिए नैतिक उल्लंघन का दोषी ठहराया था, जिन्हें एक दशक से भी ज्यादा समय पहले श्री थाकसिन के भ्रष्टाचार के मामलों की सुनवाई करने वाले एक न्यायाधीश को रिश्वत देने के प्रयास का दोषी ठहराया गया था. खुद श्री श्रेथा 2023 में उस वक्त चुने गए थे, जब चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीतने वाली सुधारवादी मूव फॉरवर्ड पार्टी को सरकार बनाने के लिए अयोग्य करार कर दिया गया था और राजशाही की आलोचना को नियंत्रित करने वाले सख्त कानूनों में बदलाव का सुझाव देने के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था. लिहाजा, इस पद पर सुश्री पेटोंगटारन के सुचारू कार्यकाल और व्यवस्था में आमूल-चूल बदलाव लाने की संभावनाएं धूमिल लगती हैं. उनका सबसे महत्वपूर्ण कार्य अपने पूर्ववर्तियों जैसे हश्र से बचते हुए थाईलैंड की सुस्त अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाना होगा. उनकी उम्र और अनुभव की कमी को देखते हुए, उन्हें मुख्य रूप से उनके पिता द्वारा निर्देशित किए जाने की उम्मीद है, जो भ्रष्टाचार के आरोपों की वजह से संयुक्त अरब अमीरात में अपने निर्वासन के बाद सत्ता प्रतिष्ठान के साथ हुए समझौते के तहत स्वदेश वापस लौट आए हैं.यह घटनाक्रम भारत के पूर्व में हिंद महासागर में स्थित पड़ोस में अस्थिरता के समय सामने आया है - बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के निष्कासन ने देश को अनिश्चितता के दौर में धकेल दिया है, जिससे अंतरिम सरकार को निपटना होगा. यह घटनाक्रम उग्रवादी समूहों और म्यांमार के जुंटा के बीच हिंसा में वृद्धि के बाद हुआ है, जिसने भारत के निवेश के साथ-साथ भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के साथ लगी सीमा पर शांति को जोखिम में डाल दिया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

घुन/धुन

किसी शायर ने कहा है- मेरे कमरे में भरा रहता है दस्तक का गुबार, ये वो घुन है जो किवाड़ों को भी खा जाता है. जिसमें घुन लगता है, उसे बर्बाद ही कर देता है, लेकिन जब दोषी के साथ किसी निर्दोष को भी सजा मिलने की बात होती है तो कहा जाता है कि जौ के साथ घुन भी पिस जाता है. देखने में घुन जैसा ही लगने वाला शब्द है धुन. एकरूपता का भ्रम केवल घ और ध से होता है. घुन तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. घुन लाल रंग का एक छोटा सा कीट होता है, जो अनाज के दानों के भीतरी भाग को खाकर उन्हें खोखला कर देता है. घुन लकड़ी आदि में लगने वाला सफेद रंग का छोटा पतला कीड़ा भी होता है. घुन शब्द से कई मुहावरे प्रचलित हैं. उनमें एक है घुन लगना. मतलब चिंता, रोग, शोक आदि के कारण मनुष्य की ऐसी स्थिति होना कि उसका शरीर दिन पर दिन क्षीण होता जाये. आलसी लोगों की तारीफ में भी इस मुहावरे का प्रयोग किया जाता है. जैसे उसके हाथ-पांव में घुन लग गया है. धुन शब्द की व्याख्या करने से पहले किशोर कुमार का गाया यह गाना सुन लेते हैं-चला जाता हूं किसी की धुन में धड़कते दिल के तराने लिए. इस गाने में धुन शब्द का प्रयोग मिलता है. धुन भी संस्कृत तत्सम शब्द है. गाने में प्रयुक्त धुन का मतलब है किसी काम को निरंतर करते रहने की अनिवार्य प्रवृत्ति, बिना आगा-पीछा सोचे रुके हुए किसी काम को करते रहने की इच्छा, लगन. धुन का पक्का उसे कहते हैं जो आरंभ किये हुए काम को बिना पूरा किये छोड़ता नहीं. धुन मन की तरंग है, मौज है. यह धुन ही तो है कि हम शब्द-चर्चा नित्य प्रति कर लेते हैं. धुन सोच है, विचार है, चिंता है, ख्याल है. धुन का मतलब कंपन भी है और गाने का तर्ज भी.

आखिर कैसे हो गयी लोकतंत्र की हत्या

• तीर-तुक्का

पीयूष पांडेय

सु ना, फिर संसद के सत्र में हंगामे के बीच हत्या हो गई है. वह भी खुलेआम. मजे की बात यह है कि हत्या करने वाला हर पक्ष कह रहा है कि हत्या हो गई है, लेकिन लोकतंत्र की. मैंने एक संविधान विशेषज्ञ से पूछा- जनाब बताइए, क्या वास्तव में लोकतंत्र की हत्या हो गई है या 'अटेम्प्ट टू मर्डर' वाला मामला भर है. संविधान विशेषज्ञ जानकार आदमी थे. बोले- देखिए देश में हर रोज कम से कम 50 बार लोकतंत्र की हत्या होती है. कम से कम इस तरह की खबरें आती हैं कि देश के छोटे से गांव से लेकर संसद के भीतर तक लोकतंत्र की हत्या हो गई है, लेकिन लोकतंत्र का आज तलक शव नहीं मिल पाया है. बस इसी चक्कर में लोकतंत्र को मृत घोषित नहीं किया जा पा रहा है. यू नो बेनिफिट ऑफ डाउट. मैंने मूर्खों की श्रेणी में खुद को खड़ा करते हुए पूछा- क्या किसी आरटीआई से जाना जा सकता है कि हर साल कितनी बार लोकतंत्र की हत्या होती है. आजकल तो हर बात आरटीआई से ही जानी जाती है. सरकार बताती नहीं है और उत्साही आरटीआई कार्यकर्ता नेता के कुत्ते पर किए खर्च से लेकर नहाने के साबुन पर किए खर्च तक को पता करके ही दम लेते हैं. संविधान विशेषज्ञ मेरी नादानी पर मुस्कुराए. बोले- देखो, ये मामला जटिल है. अलबत्ता लोकतंत्र को गिरफ्तार किया जा सकता है. मैं कन्फ्यूज था. सांसद हर सुबह नारेबाजी करते हुए, हाथों में तख्तियां लिए हुए, कभी बापू की प्रतिमा के सामने तो कभी सदन के भीतर ताल ठोंक कर कहते हैं कि लोकतंत्र की हत्या हो रही है. और मुझे पता नहीं चल पा रहा है कि कैसे और कौन हत्या कर रहा है. और अब लोकतंत्र बच पाएगा या नहीं.

मैं वास्तव में कन्फ्यूज हूं कि सांसदों के हंगामे से लोकतंत्र की हत्या हुई या बांहों पर कालीपट्टी बांधने से या स्पीकर के घर के बाहर प्रदर्शन से. या फिर उस दिन लोकतंत्र की हत्या हुई जिस दिन निर्भया का सामूहिक बलात्कार हुआ और सभ्य समाज के रूप में हम उसे बचा नहीं पाए. या फिर उस दिन लोकतंत्र की हत्या हुई जिस दिन दो ट्रेनें एक ही जगह पर दो अलग अलग ट्रैक पर ट्रैक से उतर गईं और 29 लोगों की मौत आंकड़ा बन गई. ट्रेनें इसलिए उतर गईं क्योंकि ट्रैक की पेट्रोलिंग हो नहीं रही थी और बाद में कहा गया कि प्राकृतिक आपदा की वजह से ट्रैक के नीचे से मिट्टी बह गई. या लोकतंत्र की हत्या उस दिन हुई, जिस दिन पाकिस्तान में बैठी एक गूंगी बहरी भारतीय लड़की की सुध भारतीय अधिकारियों ने इसलिए ली क्योंकि बजरंगी भाईजान फिल्म के बाद अचानक वो लड़की सुर्खियों में आ गई थी. यानी फिल्म नहीं आती तो वो लड़की गुमनामी में पड़ी रहती. कुल मिलाकर समझ नहीं पा रहा कि किस दिन लोकतंत्र की कायदे से हत्या हुई. वैसे, इससे सहमत हूं कि हत्या हुई. निकृष्टता की तोप से, धूर्तता की बंदूक से और छल कपट के बमों से लोकतंत्र की हत्या हुई है. काश! लोकतंत्र की हत्या पर ठप पड़ी संसद दो मिनट का मौन भी रखे.

सावन विशेष

सावन का महीना आते ही पूरे देश की तरह अपना झारखंड पूरी तरह से शिवमय हो जाता है. हर तरफ शिव का नामोच्चारण... हर तरफ जलाभिषेक की चर्चा! लंबी दूरी की कांवर यात्रा और पूरे एक महीने तक हर तरफ 'बोल बम' के घोष. संपूर्ण झारखंड शैव धर्म से ओतप्रोत है.

झारखंड के प्रमुख शिव मंदिर

सभक दुख अहां हरैय छी भोला, हमरा किए बिसरय छी यौ

डॉ हरेन्द्र सिन्हा

जहां तक झारखंड में शिव आराधना का प्रश्न है, संपूर्ण झारखंड शैव धर्म से ओतप्रोत है. आर्य एवं ग़ैर आर्य परंपरा में शिव समान रूप से आदर और श्रद्धा के केंद्र हैं. खूंटी ज़िले का ही उदाहरण यदि हम लें, तो पाएंगे कि खूंटी के चप्पे चप्पे में प्राचीन शिवलिंग मिलते हैं, जिनकी आराधना मुख्यतः स्थानीय जनजाति वर्ग के लोग सदियों से करते आ रहे हैं. पूरे राज्य के अनेक क्षेत्रों में यही स्थिति देखने को मिलती है कि शिव जनजातीय लोगों के भी अत्यंत प्रिय देवता हैं.

शिव अनादि तथा सृष्टि प्रक्रिया के आदि स्रोत हैं और यह काल महाकाल ही ज्योतिषशास्त्र के आधार हैं. शिव का अर्थ यद्यपि कल्याणकारी माना गया है, लेकिन वे हमेशा लय एवं प्रलय दोनों को अपने अधीन किए हुए हैं. वह गुरुओं के गुरु दक्षिणामूर्ति हैं. चरम वैराग्य के प्रतीक, श्मसान के निवासी होकर भी भारतीय गार्हस्थ्य जीवन के चरम आदर्श हैं. काम के शत्रु होकर भी अर्धनारीश्वर हैं. अमृत मंथन के समय समुद्र से निकले हला-हल को पी कर संसार की रक्षा करने वाले शिव नीलकंठ कहलाए. शिव भूत-प्रेत, भैरव तथा अनेक गणों के देवता हैं. शिव विवाह की बारात शंकर की अलौकिकता का सूचक है. शिव गले में सर्प की माला और मस्तक पर गंगा को धारण कर अमृत और विष का अनोखा संतुलन करते हैं. पशुपति के रूप में वो समस्त प्राणियों के स्वामी हैं और शक्ति के पति हैं. एक ओर शिव अपने भक्तों के लिए अत्यंत कृपालु तथा अनुग्रह युक्त हैं, तो दूसरी ओर सृष्टि के विनाश हेतु तांडव नृत्यकर्ता भी हैं. शिव के समान ही शिव पूजा का,न तो आदि है और न ही अंत. रावण, शनि, कश्यप ऋषि आदि इनके भक्त हुए हैं. शिव सभी को समान दृष्टि से देखते हैं, इसलिये उन्हें देवाधिदेव महादेव कहा जाता है. वो राम को प्रिय हैं तो रावण को भी प्रिय हैं.

झारखंड की हरी-भरी धरती, ऐसे ही शिव के अनेक प्राचीन मंदिरों से समृद्ध है. यहां माता सती की शक्तिपीठ से लेकर देवाधिदेव महादेव का पवित्र ज्योतिर्लिंग भी स्थापित है. सावन के महीने में झारखंड के सभी शिवालयों का नज़ारा मनोरम दिखता है. बड़ी संख्या में श्रद्धालु राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्थित शिवलिंगों को जलाभिषेक करने मंदिर पहुंचते हैं. इसी दौरान कांवर यात्रा का भी आयोजन होता है. श्रावण मास भगवान शिव का पवित्र महीना है, जिसमें भोलेनाथ की पूजा अर्चना करने, जलाभिषेक करने से विशेष फल प्राप्त होता है।

झारखंड में वैसे तो 50 से अधिक महत्वपूर्ण प्राचीन शिव मंदिर अवस्थित हैं, पर आलेख की सीमित शब्द सीमा के कारण, उनमें से मात्र कुछ ही प्रमुख मंदिरों की चर्चा यहां की जा रही है:

बैद्यनाथ धाम, देवघर

देवघर ज़िला मुख्यालय स्थित बैद्यनाथ धाम देश के प्रसिद्ध शैव तीर्थ स्थलों में अग्रणी है. ज्योतिर्लिंग को अनादि सिद्ध कहा जाता है. द्वादश ज्योतिर्लिंगों में से नवां ज्योतिर्लिंग यहीं है, जिसकी आराधना के मूल में अनादि प्रकाश पुंज की भावना विद्यमान है. इस शिवलिंग को सिद्ध पीठ की मान्यता भी प्राप्त है. सती के शरीर को लेकर जब शिव नृत्य कर रहे थे तब भगवान विष्णु ने अपने चक्र से उसे खंड-खंड कर दिया था तब हृदय इसी धाम में गिरा था, जिससे इसे हृदय पीठ भी कहते हैं और चिता भूमि के नाम से भी ये विख्यात है। शिव महापुराण, पद्म पुराण, वायु पुराण, मत्स्य पुराण, देवी भागवत, वामन पुराण तथा भविष्य पुराण में बैद्यनाथ धाम तीर्थ की चर्चा है.

शिव पुराण के अनुसार रावण भगवान शिव का महान भक्त था। उसकी हार्दिक इच्छा थी कि शिव उसकी नगरी लंका में निवास करें. शिव ने रावण को बताया कि उनके ज्योतिर्लिंग को लंका ले जा सकते हैं. किंतु उन्होंने यह भी कहा कि हिमालय से लंका ले जाने के क्रम में ज्योतिर्लिंग को कहीं ज़मीन पर नहीं रखा जाना चाहिए, अन्यथा वह सदा के लिए वहीं स्थापित हो जाएगा. इधर देवगण यह नहीं चाहते थे कि ज्योतिर्लिंग लंका में स्थापित हो. अतः वरुण देव रावण के पेट में प्रवेश कर गए. आकाश मार्ग से जा रहे रावण को, सहज होने के लिए, लाचार होकर नीचे ज़मीन पर उतरना पड़ा. विष्णु इसी समय एक ब्राह्मण के वेश में रावण के समक्ष उपस्थित हुए. रावण ज्योतिर्लिंग को थोड़ी देर के लिए ब्राह्मण के हाथ में देते हुए बोला कि मेरे वापस आने तक इसे रखे रहना. विष्णु ज्योतिर्लिंग को कुछ देर तक अपने हाथ में ऐसे ही रखे रहे. बाद में उसे ज़मीन पर रखकर अंतर्ध्यान हो गए. रावण जब लौट कर आया तो उसने देखा कि ज्योतिर्लिंग ज़मीन पर स्थापित हो गया है. तब उसे देवताओं की चाल समझ में आई. रावण ने बहुत प्रयास किया कि उस लिंग को निकाल कर ले जा सके, लेकिन सफल नहीं हुआ, तब गंगाजल लाकर उसने वहीं पर पूजा अर्चना की तथा अपने वाण से वहीं एक कुएं का निर्माण किया. उस कुंए में सभी पावन नदियों का जल डाला गया. वह स्थान, जहां ज्योतिर्लिंग स्थापित हुआ, देवघर के नाम से प्रसिद्ध हुआ. देवघर को बैजनाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है.

वर्तमान मंदिर का निर्माण 16वीं शताब्दी के लगभग हुआ है. मंदिर के दीवार पर लगे एक प्राचीन अभिलेख से ज्ञात होता है कि गिद्धौर के राजा के पूर्वज पूरणमल द्वारा बैजनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी रघुनाथ के अनुरोध पर 1596 ईस्वी में वर्तमान मंदिर का निर्माण कराया गया था. मंदिर की ऊंचाई लगभग 72' है. संपूर्ण मंदिर का निर्माण प्रस्तर से किया गया है. इसके आसपास अन्य मंदिरों का निर्माण भी स्थानीय सरदार पंडा के परिवार वालों द्वारा कराया गया था, जिसमें लक्ष्मी नारायण मंदिर, सावित्री मंदिर, पार्वती मंदिर, काली मंदिर, गणेश मंदिर इत्यादि हैं. इस समूह में अंतिम मंदिर आनंद भैरव का निर्माण 1810 से 1823 के बीच हुआ. राजा मानसिंह ने शिव मंदिर के पास एक तालाब बनवाया, जिसे अब शिव गंगा के नाम से जाना जाता है.

सावन माह में कांवरिया शिव भक्त सुल्तानगंज, भागलपुर से उत्तर वाहिनी गंगा से जल लेकर लगभग 105 किलोमीटर की यात्रा पैदल चलकर देवघर पहुंचते हैं तथा शिवलिंग पर जलाभिषेक करते हैं. दूरदराज बद्रीनाथ से भी गंगाजल लाकर अर्पित किया जाता है.

टांगीनाथ, गुमला

गुमला ज़िला के डुमरी प्रखंड में मझगांव के पास टांगीनाथ गांव अवस्थित है, जहां एक पहाड़ी के पश्चिमी भाग में एक प्राचीन शिव मंदिर के अवशेष पाए गए हैं. यह गांव गुमला से 70 किलोमीटर की दूरी पर अवस्थित है. सर्वप्रथम 1910 ईस्वी में चुन्नीलाल ने इस स्थल को पुरातात्विक दृष्टिकोण से देखा था. टांगीनाथ झारखंड राज्य के प्राचीन सांस्कृतिक धरोहरों में से एक महत्वपूर्ण शिव मंदिर है. मंदिर क्षतिग्रस्त हो चुका है लेकिन जो अवशेष वहां गिरे पड़े थे, उनसे मिलाकर स्थानीय लोगों ने एक छोटे से मंदिर का पुनर्निर्माण कर दिया है. मंदिर में प्रवेश के लिए दो तोरण द्वार बने हैं. दोनों के बीच एक गलियारा भी बना है. संभवत तोरण द्वारों के ऊपर कुछ कलाकृतियां भी उत्कीर्ण रही होंगी जो संप्रति ध्वस्त हो चुकी हैं. प्रवेश द्वार के दोनों तरफ क्रमशः मकरवाहिनी गंगा और कूर्म वाहिनी जमुना की मूर्तियां बनी हुई हैं. बलुआही पत्थर के स्तंभों तथा पट्टिकाओं से इस मंदिर का निर्माण हुआ था. द्वार स्तंभों एवं दीवारों में लगे पाषाण खण्डों के बाहरी हिस्से में पशु-पक्षी, बेल-बूटे, मानवीय आकृतियां आदि उत्कीर्ण हैं. उड़ीसा के मंदिरों की शैली में यहां बने गज-व्याल भी अवलोकनीय हैं. मंदिर के जीर्णावशेषों से अनुमान लगाया जा सकता है कि अपने मूल रूप में यह पश्चिम बंगाल के पुरूलिया ज़िले के ग्राम पारा स्थित मंदिर के जैसा रहा होगा. इस मंदिर का निर्माण भी पंच-रथ योजना के अंतर्गत हुआ था. टांगीनाथ मंदिर के आसपास बहुत बड़ी संख्या में शिवलिंग पाए गए हैं तथा शिव, सूर्य, दुर्गा, उमा- महेश्वर, गणेश आदि की ढेर सारी मूर्तियां बिखरी पड़ी हुई हैं. अब एक नया मंदिर भी यहां बनवा दिया गया है.

यहां पाए गए सबसे महत्वपूर्ण अवशेषों में लोहे का एक विशाल त्रिशूल है, जिसकी लंबाई ज़मीन के ऊपर 7 ' 5₹ है. इसका एक ब्लेड टूट चुका है और इसका धातु दिल्ली के कुतुब मीनार (महरौली) परिसर में स्थित लौह स्तम्भ के धातु से मिलता-जुलता है, क्योंकि इसमें भी इतने सालों के बावजूद कहीं कोई जंग वगैरा नहीं लगा है. स्थापत्य अवशेषों के अध्ययन के आधार पर विद्वानों ने इसकी तिथि सातवीं शताब्दी से दसवीं शताब्दी के बीच की बताई है. इस मंदिर में भी सावन के दौरान कांवर-धारियों का आना-जाना बहुत बड़ी संख्या में होने लगा है. यहां मेले भी लगते हैं.

बेनी सागर, पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम ज़िला में चाईबासा से पचासी किलोमीटर दक्षिण झारखंड एवं उड़ीसा राज्य की सीमा पर बेनी सागर अथवा वेणु सागर गांव स्थित है. बेनी सागर में प्राचीन शिव मंदिर के भग्नावशेष मिले हैं तथा सर्वधर्म से संबंधित प्रतिमाएं भी बड़ी मात्रा में प्राप्त हुई हैं, जो मूर्ति शिल्प एवं मूर्ति विज्ञान की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं. बेनी सागर का शिव मंदिर परंपराओं के अनुसार शशांक द्वारा निर्मित कहे जाते हैं. सबसे पहले इस स्थान के संदर्भ में 1840 में कर्नल टीकेट ने लोगों को जानकारी दी थी. इसके बाद 1875 में प्रसिद्ध पुरातत्व जे डी बेग्लर ने यहां का दौरा किया था और यहां प्राप्त मूर्तियों आदि के आधार पर इसकी तिथि सातवीं शताब्दी बताई थी. यहां विशाल तालाब मिला है जिसे बेनी सागर कहा जाता है.

यहां भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा पुरातात्विक सफाई एवं खुदाई में दो पंचायतन मंदिर मिले जिनके परिसर में अनेक शिवलिंग,भैरव, लकुलीश, सूर्य, अग्नि, कुबेर, गणेश महिषासुरमर्दिनी, यमुना आदि की मूर्तियों के अवशेष प्राप्त हुए हैं. यहां भी अष्ट-शंभू परंपरा के परिपालन में 8 शिवलिंगों की स्थापना की गई है, ऐसा लगता है. यहीं से पत्थर की एक मुहर भी मिली है जिस पर ब्राह्मी लिपि तथा संस्कृत भाषा में एक पंक्ति का अभिलेख अंकित है- 'प्रियंगु धेयेम चतुविद्या' अर्थात् यहां चार वेदों का ज्ञाता प्रियंगु रहता था. इस लिपि के आधार पर अब इस स्थल की तिथि पांचवीं शताब्दी बताई गई है. सावन माह के दौरान वेणु सागर मंदिर में भी बड़ी संख्या में भक्तगण शिवलिंगों का दर्शन करने आते हैं.

इन प्रमुख शिव मंदिरों की अतिरिक्त झारखंड में हार्राडीह (रांची) शिव मंदिर, सतगांवां शिव मंदिर (कोडरमा) खुखरागढ़ शिव मंदिर (रांची) के अलावा सैकड़ों ऐसे ही अन्य शिव मंदिर हैं जिनका पुरातात्विक एवं धार्मिक महत्व है. अन्य प्रमुख मंदिरों में डिंबू जर्दा एवं हरिन के अवशेष (तमाड़),झिनझिनी पहाड़ी शिव मंदिर और चेचगांव गढ़ शिव मंदिर (कतरास), दुलमी शिवमन्दिर, इटखोरी के शिव अवशेष, पांड्रा का शिव मंदिर, उप चुड़िया शिव मंदिर, चित्रेश्वर शिव मंदिर, इचागढ़ शिव मंदिर, झरना महादेव पीठोरिया का शिव मंदिर, कैथा मंदिर (रामगढ़) और दुमका के मलूटी शिव मंदिर समूह आदि विख्यात हैं. जनजाति समुदाय द्वारा भी इन मंदिरों में पूजा अर्चना आदि की जाती रहती है, विशेष कर जनजाति बहुल खूंटी जिले में शिव आराधना के अनेक केंद्र ऐसे हैं जहां विशेष कर जनजाति समाज द्वारा शिव की या शिव परम्पराओं की पूजा अर्चना की जाती है.

खकपरता, लोहरदगा

लोहरदगा जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर की दूरी पर खकपरता नामक गांव है. यहां अष्ट-शम्भू की परंपराओं के अनुसार आठ मंदिरों का समूह है जिसके पास एक मुख्य मंदिर भी निर्मित है. यह शिव मंदिर पाषाण निर्मित है तथा अब तक बिल्कुल सुरक्षित स्थिति में है. उड़ीसा के मंदिरों की भांति ही इसे भी तराशा गया है और शीर्ष पर आमलक रखा हुआ है. तत्कालीन समाज में उस क्षेत्र में भी अष्ट शंभू पूजा परंपरा विद्यमान थी, जिसमें आठ प्रकार के लिंगों की पूजा की जाती थी. इस परंपरा में 8 मंदिरों के समूह में शिवलिंग के आठ विविध रूपों की प्रतिस्थापना की जाती थी.

यहां भी आठ मंदिरों में शिव के आठ लिंगों की स्थापना की गई है. मुख्य मंदिर पहाड़ी पर बना है जो अभी सही स्थिति में है. यह उड़ीसा शैली में रेखा देवल शैली में पंच-रथ योजना के आधार पर निर्मित मंदिर है, जिसका मुख्य द्वार पूर्व दिशा की ओर है. पहाड़ी के नीचे निर्मित अन्य सात मंदिरों में अब मात्र शिवलिंग ही बचे हैं. इस प्रकार यहां अष्ट-शम्भू क्षेत्र की कल्पना साकार हो जाती है. सावन के महीने में इस मंदिर में भी कांवर-धारी भक्त बड़ी संख्या में आते हैं. पर वैसे भी सालों भर यहां भक्तों का आना-जाना लगा ही रहता है.

माता लक्ष्मी ने राजा बलि की कलाई पर बांधी थी राखी

डॉ मयंक मुरारी

रक्षा सूत्र के रूप में राखी बांधकर रक्षा का केवल वचन नही नहीं दिया जाता है, बल्कि प्रेम, समर्पण, निष्ठा और संकल्प के साथ हृदय को जोड़ने का भी वचन दिया जाता है. गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते है कि - मयि सर्वमिर्द प्रोतं सूत्रे मणिगणा इव- अर्थात् यह सूत्र अविच्छिन्नता का प्रतीक है. यह सूत्र यानी धागा बिखरे हुए मोतियों को, लोगों को और उनके संबंधों को अपने में पिरोकर एक रूप में एकाकार बनाता है. सबसे पहले जब इस सृष्टि में नैतिक मूल्यों का ह्रास होने लगा तो प्रजापति ब्रह्मा द्वारा भगवान शिव को इस पवित्र धागे से जोड़ते हैं, ताकि शिव गुणों को धरती पर भेजा जा सके.

इंद्र की पत्नी शचि ने वैदिक मंत्रों से अभिमंत्रित एक रक्षासूत्र बनायी जिसे गुरु वृहस्पति ने इंद्र के हाथों में बांध कर उन्हें अभय बना दिया था. इस रक्षा सूत्र के बल से ही भगवान इंद्र ने असुरों को परास्त किया था. भविष्य पुराण में कहा गया है- सर्व रोगापशमर्न सर्वाशुभ विनाशनम्। सकृत्कृते नाब्दमेकं येन रक्षा कृता भवेत्।। अर्थात् इस सावन पूर्णिमा को धारण किया हुआ रक्षासूत्र संपूर्ण रोगों तथा अशुभ कार्यों का विनाशक है. रक्षाबंधन का पर्व राजा बलि, भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी से भी जुड़ा है. राजा बलि को दिये गये वचन के अनुसार भगवान विष्णु पाताल लोक में चले गये तो माता लक्ष्मी चिंतित हो गयी. उन्होंने सावन की पूर्णिमा की तिथि को राजा बलि की कलाई पर पवित्र धागा बांधा और उसके मंगल की कामना की. इससे प्रभावित बलि ने माता लक्ष्मी की रक्षा का वचन दिया. तत्पश्चात माता ने भगवान विष्णु को वापस बैकुंठ भेजने आग्रह किया, जिसे बलि ने स्वीकार कर लिया.

रक्षाबंधन अब केवल भाई एवं बहन का त्योहर बन कर रह गया है. जबकि इसका महत्व रक्षा कवच की तरह रहा है. इसे वर्ष में एक बार विधिपूर्वक धारण करने से वर्ष भर मनुष्य की रक्षा होती है. बाद में इस कार्य को ब्राह्मण समाज ने स्वीकार कर लिया. बचपन में ब्राह्मण ही रक्षासूत्र को बांधते थे. तब समूह में ब्राह्मण की टोली निकलती थी. ये टोलियां कच्चे सूत अधिक से अधिक बांधने के लिए प्रयासरत् रहते थे, ताकि अधिक धनोपार्जन हो सके. बांधते समय, वे मंत्रों का उच्चारण करते- मेन बद्धो बली राजा, दानवेंद्रों महाबलः। तेनत्वां प्रतिबधनामि रक्षे !

प्राचीन काल में गुरूकुल से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात आशीर्वाद स्वरूप गुरू अपने शिष्य को रक्षा सूत्र बांधते थे और यह कामना करते थे कि वे अपने ज्ञान का समुचित उपयोग करेंगे और आचार्य की गरिमा की रक्षा करेंगे. रक्षाबंधन के बारे में श्रीमदभागवत और महाभारत में भी उल्लेख है. कहते हैं युधिष्ठिर ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा कि सभी संकट से पार कैसे पा सकता हूं तो उन्होंने सैनिकों की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने का सलाह दी. द्रौपदी द्वारा श्रीकृष्ण को और कुंती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने का उल्लेख महाभारत में है. सिकंदर की पत्नी द्वारा राजा पुरू और कर्णावती द्वारा हुंमायु को राखी बांधन का वर्णन इतिहास में आता है.

रक्षाबंधन पर बहुत ही शुभ और दुर्लभ संयोग

आचार्य प्रणव मिश्रा

इस बार 19 अगस्त को रक्षाबंधन पर चंद्रमा और शनि की युति है. साथ ही भगवान भोलेनाथ की भी कृपा होगी. श्रावण माह का समापन सोमवार के दिन होगा, जिसमें चंद्रमा शनि की राशि कुंभ में विराजमान होंगे. और श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन भी सोमवार को है जिससे शनिदेव के साथ-साथ शिवजी की भी विशेष कृपा प्राप्त होगी.

रक्षा बंधन और शुभ योग

इस रक्षाबंधन ग्रह गोचरों का संयोग रहेगा. 19 अगस्त सोमवार को श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है जो अति शुभ फलदायक है, सोमवार के दिन अगर श्रवण नक्षत्र हो तो यह पूजनीय माना जाता है. रक्षा बंधन अंतिम सोमवारी के दिन होने से विशेष रूप से शुभ रहेगा. इस दिन शोभन व सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है. रक्षाबंधन पर चंद्रमा और शनि की युति है. साथ ही भगवान भोलेनाथ की भी कृपा होगी. श्रावण माह का समापन सोमवार के दिन होगा, जिसमें चंद्रमा शनि की राशि कुंभ में विराजमान होंगे. और श्रावण पूर्णिमा यानी रक्षा बंधन भी सोमवार को है जिससे शनिदेव के साथ-साथ शिवजी की भी विशेष कृपा प्राप्त होगी.

शुभ मुहूर्त

ऋषिकेश पंचांग के अनुसार 18 अगस्त को रात्रि 2:29 मिनट पर भद्रा की शुरुआत होगी और 19 अगस्त को दोपहर 01:25 बजे पर होगा. जिस कारण 19 अगस्त को 01 : 25 के बाद राखी बांधना शुभ रहेगा.

सावन पूर्णिमा के दिन रात्रि 08:13 बजे से चंद्रमा कुंभ राशि में प्रवेश कर रहे हैं. इस कारण पंचक भी प्रारंभ हो रहा है. 19 अगस्त सोमवार के दिन श्रवण नक्षत्र होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

संस्कृत में है ज्ञान-विज्ञान का विपुल भंडार

डॉ दीप्ति वर्मा

सामान्य जनमानस में संस्कृत की छवि मुख्यतः पूजा पाठ एवं आध्यात्म की है, किन्तु संसार की इस आदि भाषा में इन सबके अतिरिक्त ज्ञान विज्ञान का विपुल भण्डार है. वैज्ञानिक आज जिस विज्ञान की बातें करते हैं, उसकी जड़ें मूलतः संस्कृत ग्रंथ ही हैं.

सक्शन फोर्स जिसकी चर्चा डिक्शन और जौली ने 1894 में की थी, उसका बहुत ही सुंदर वर्णन महाभारत के शान्तिपर्व (नवम, 177, 16) में काफी वर्ष पहले हो चुका था –

वक्त्रेनोत्पलनालेन यथोहर्व जलमाददेत।
तथा पवनसंयुक्तः पादैः पिबति पादप : ।।

इसी प्रकार महाराज भोज द्वारा रचित (1000- 1050) संस्कृत ग्रंथ समरांग सूत्रधार में इंजीनियरिंग यंत्र के निर्माण तथा चलित यंत्र (रोबोट) का वर्णन किया गया है. एक शोध के अनुसार केवल रसायनशास्त्र पर ही 44 ग्रंथ संस्कृत भाषा में उपलब्ध हैं. वेद की इस उक्ति ' सीसं च मे त्रपुंचमे श्यामं च मे लोहं च मे... ' द्वारा धातुओं के विषय में उल्लेख किया गया है. ब्राह्मण ग्रन्थ में भी हमें रसायनशास्त्र के अंश मिलते हैं.

गणितीय अर्थों का निरूपण भी संस्कृत के श्लोकों में खूब उपलब्ध हैं, जिससे आश्चर्यचकित हो जर्मनी के हिडेनबर्ग विश्वविद्यालय के डॉ वी पी दलाल ने कहा था कि जिस काल में ग्रीक लोग हजार से अधिक संख्या को निर्दिष्ट करने के लिए अंकों को भी नहीं जानते थे, जिस काल में वे बहुत कष्ट से गणना और गुणा आदि करते थे, उस काल में हमारे संस्कृत के गणितज्ञों ने महान उपलब्धि हासिल कर ली थी.

विश्व संस्कृत दिवस आज

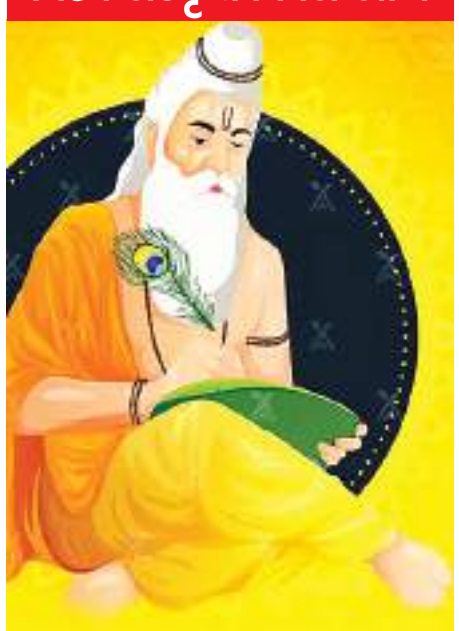

संस्कृत वांग्मय वस्तुतः ज्ञान का अथाह भंडार है. इसका प्रत्येक शब्द स्वयं एक विज्ञान है, व्यायाम है. वैदिक मंत्रोचारों द्वारा असाध्य रोगों का निदान इसका श्रेष्ठ उदाहरण है. ऋषिगण द्वारा प्रारंभ की गई इलाज की यह पद्धति आज भी कहीं कहीं जीवित है. इसी प्रकार संस्कृत ग्रंथों में न केवल रोगों की चर्चा है, अपितु उत्तम स्वास्थ हेतु उचित आहारविधि का भी पर्याप्त वर्णन है. आधुनिक चिकित्सक दूध को पूर्ण आहार मानते हैं. शाकाहारियों के लिए विशेषकर दूध और घी अमृत के समान है क्योंकि शरीर के पोषण एवं संवर्धन के लिए जिन जिन तत्वों का होना आवश्यक है, वे प्रायः सभी दूध में पाए जाते हैं. आयुर्वेद एवं अन्य संस्कृत शास्त्रों ने इसे पहले ही श्रेष्ठ घोषित कर दिया है. 'तत्र सर्वमेव क्षीरं प्राणिनाम प्रतिषिद्धं जातिसात्म्यात ' - सुश्रुत संहिता की इस उक्ति के अनुसार दूध सभी प्राणियों के लिए श्रेष्ठ आहार है. यही बात शतपथ ब्राह्मण में भी कही गई है- "एतद वै पय एव अन्नं मनुष्यणाम ' अर्थात् मनुष्य का प्रमुख आहार दूध है. आहार की मात्रा के विषय में भी चरक संहिता में विस्तार से उल्लेख किया गया है. यथा – यावदध्य स्थाशनमशित मनुपहत्य प्रकृति यथाकालं जरा गच्छति तावदस्य मात्रा प्रमाणं वेदितव्यं भवति। यानी आहार की जो मात्रा, भोजन करनेवाले की प्रकृति में बाधा न पहुंचाते हुए यथासमय पच जाए, वही उस व्यक्ति के लिए उचित मात्रा है.

ज्ञान का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहां संस्कृत की पहुंच नहीं. या फिर कहें कि ज्ञान की सभी धाराएं संस्कृत से ही निकली हैं. वस्तुतः यही वजह है कि पाश्चात्य जगत ज्ञान की तलाश में हमेशा से ही भारत आते रहा है और हमारे संस्कृत ग्रंथों के पन्नों को पलटता रहा है. हम जहां खुद को आधुनिक साबित करने की कोशिश में अपनी ही देवभाषा की अवहेलना करते रहे हैं, वहीं वे हमारे ग्रंथों का विदेशी भाषाओं में अनुवाद कर उसमें छिपे गूढ़ रहस्यों का उद्घाटन कर नई नई उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं; और हम कस्तूरी मृग की भांति बस इधर उधर भटक रहे हैं.

क्यों दूर हो रहा संस्कृत

देवभाषा संस्कृत न केवल हमारी आदिभाषा है, अपितु भारतीय सभी भाषाओं की जननी है; परंतु खेद की बात है कि हमारे ही देश में जो इस आदि भाषा का उद्गम स्थल है, संस्कृत दिवस सामान्यतः संस्कृत के विद्वानों व छात्रों द्वारा ही मनाया जाता है. कोई तो कारण है कि इस जननी भाषा के प्रति हमारी रुचि न्यून हुई है.

सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची के मानविकी एवं भाषाशास्त्र की संकायाध्यक्ष डॉ नीलिमा पाठक कहती हैं कि ज्यादातर माता पिता संस्कृत पढ़ाने का प्रयोजन ही नहीं बता पाते, जिससे संस्कृत पढ़ने का उनमें संस्कार ही नहीं बन पाता. शिक्षक रुचिकर तरीके से इस विषय को नहीं पढ़ा पाते. छात्र संस्कृत में रुझान नहीं रख पाते.

संस्कृत विभाग के सेवानिवृत्त सह प्राध्यापक एवं अध्यक्ष डॉ बी के मिश्र मानते हैं कि विद्यार्थी तात्कालिक उपयोगिता को देखते हुए विषयों का चयन करते हैं, जो उन्हें तकनीकी विषयों में अधिक दिखाई देता है.

उच्च विद्यालय की शिक्षिका डॉ संगीता कुमारी कहती हैं कि संस्कृत भाषा की पढ़ाई ज्यादातर विद्यालयों में पांचवी के बाद शुरू होती है और आठवीं के बाद इसे वैकल्पिक विषय के रूप में रख दिया जाता है. वैकल्पिक विषय में अन्य रोजगारपरक विषय होते हैं इसलिए अन्य विषयों की ओर छात्रों का ध्यान अधिक जाता है.

उच्चतर विद्यालय की शिक्षिका डॉ भारती महतो इस विषय में कहती हैं कि विद्यालयों में, खासकर सरकारी विद्यालयों में क्षेत्रिय भाषाओं पर अधिक अधिक ध्यान दिया जाने लगा है, जो कि गलत नहीं है, लेकिन इन्हें संस्कृत के समकक्ष रख दिया गया है. छात्र अपने अपने क्षेत्र के हिसाब से कुरमाली, खोरठा, पंचपरगनिया आदि भाषा का चयन कर लेते हैं. जैसे हिंदी एक अनिवार्य विषय है, वैसे ही अगर संस्कृत को भी सम्मान मिले, तो ऐसा नहीं होगा.

दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को हराकर श्रृंखला जीती

एजेंसी। प्रोविडेंस (गयाना)

केशव महाराज की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन ही 40 रन से हराकर दो टेस्ट मैच की श्रृंखला 1-0 से जीती. दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के सामने 263 रन का लक्ष्य रखा था, लेकिन उसकी टीम 222 रन पर आउट हो गई. यह लगातार 10वां अवसर है जबकि दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज से टेस्ट श्रृंखला जीती. पहली पारी में दो विकेट लेने वाले महाराज ने दूसरी पारी में 37 रन देकर तीन विकेट लिए. तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने 50 रन देकर तीन विकेट लिए. वेस्टइंडीज की तरफ से नौवें नंबर के बल्लेबाज गुडाकेश मोती ने सर्वाधिक 45 रन बनाए. महाराज ने टेस्ट क्रिकेट में अपने कुल विकेटों की संख्या 171 पर पहुंचा दी है और इस तरह से वह दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल स्पिनर बन गए हैं.

उन्होंने ह्यू टेफील्ड को पीछे छोड़ा. महाराज ने वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्तमान श्रृंखला में 13 विकेट लिए. इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 223 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई, लेकिन उसकी पूरी टीम 246 रन पर आउट हो गई. वेस्टइंडीज के सामने 263 रन का लक्ष्य था, लेकिन उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चल पाए. मोती और जोशुआ डा सिल्वा (27) ने 77 रन की साझेदारी करके उम्मीद जगाई लेकिन महाराज ने इन दोनों को आउट करके दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित की. दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 160 रन बनाए थे. इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 144 रन पर आउट हो गई थी. इन दोनों टीम के बीच बारिश से प्रभावित रहा पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था. अब इन दोनों टीम के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी.

ब्रीफ खबरें

एमसीजी में इंग्लैंड की मेजबानी करेगा ऑस्ट्रेलिया

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया 2027 में टेस्ट क्रिकेट के 150 साल पूरे होने के अवसर पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में एकमात्र टेस्ट मैच के लिए इंग्लैंड की मेजबानी करेगा. पहला टेस्ट मैच मार्च 1877 को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एमसीजी में खेला गया था. ऑस्ट्रेलिया ने यह मैच 45 रन से जीता था. इन दोनों टीमों के बीच 1977 में टेस्ट क्रिकेट के 100 साल पूरे होने पर भी मैच खेला गया था, जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने इसी अंतर से जीत हासिल की थी.

लाहिड़ी 54 खिलाड़ियों में 49वें स्थान पर

व्हाइट सल्फर स्प्रिंग्स (अमेरिका)। भारत के अनिर्बान लाहिड़ी यहां लिव गोल्फ ग्रीनबियर टूर्नामेंट में दूसरे दौर में शनिवार को एक ओवर 71 का निराशाजनक कार्ड खेलने के बाद संयुक्त रूप से 49वें स्थान पर खिसक गये. लाहिड़ी 54 खिलाड़ियों की इस प्रतियोगिता में शुरुआती दौर के बाद संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर थे. ओल्ड व्हाइट कोर्स में आसान परिस्थितियों के बावजूद वह दूसरे दौर में एक बर्डी के मुकाबले दो बोगी कर बैठे.

आरएंडए गर्ल्स एमेच्योर के सेफा में हारी मन्नत

एलवुडले (ब्रिटेन)। आर एंड ए गर्ल्स एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय मन्नत बरार को अंतिम चार के मुकाबले में पोलैंड की मैटिल्डा क्रॉजिनस्का के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा. भारतीय गोल्फ यूनियन की मेरिट सूची में शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी मन्नत इस टूर्नामेंट में अंतिम चार में जगह बनाने वाली देश की पहली गोल्फर हैं.आरएंडए गर्ल्स एमेच्योर टूर्नामेंट में 144 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं.

विनेश की स्टार रेसलर चचेरी बहनें गीता और बबीता उनसे नाराज

हमारी लड़ाई जारी रहेगी, सच्चाई की जीत होगी : विनेश फोगाट

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर भव्य स्वागत से अभिभूत पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि भारतीय कुश्ती की बेहतरी के लिए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के खिलाफ उनकी लड़ाई जारी रहेगी और उम्मीद जताई कि सच्चाई की जीत होगी. ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं विनेश का शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया. विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था. दिल्ली से अपने पैतृक गांव बलाली तक के रास्ते में विनेश को उनके समर्थकों और खाप पंचायतों ने सम्मानित किया. उन्हें 135 किलोमीटर की दूरी पूरी करने में लगभग 13 घंटे का समय लगा. वह मध्य रात्रि के समय अपने गांव पहुंची. गांव वालों ने उनका पूरा उत्साह के साथ स्वागत किया.

पेरिस से यहां तक के लंबे सफर के कारण विनेश काफी थक गई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने प्रशंसकों को संबोधित किया. विनेश ने कहा, हमारी लड़ाई खत्म नहीं हुई है. लड़ाई जारी रहेगी और मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि सच्चाई की जीत होगी. विनेश और उनके साथी ओलंपियन बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर डब्ल्यूएफआई और उसके पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एक साल से अधिक समय से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं.

विनेश फोगाट | महावीर फोगाट | गीता व पवन सरोहा

विनेश सहित छह पहलवान पिछले साल डब्ल्यूएफआई के पूर्व अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे. विनेश ने यह भी कहा कि उनका जिस तरह से शानदार स्वागत किया गया उससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है. इस 29 वर्षीय पहलवान ने कहा, मुझे अपने देशवासियों, मेरे गांव और परिवार के सदस्यों से जो प्यार मिला उससे मुझे इस झटके से उबरने में मदद मिलेगी. मैं वापस कुश्ती में लौट सकती हूं. ओलंपिक पदक से चूकना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा झटका है. मैं नहीं जानती कि मुझे इससे उबरने में कितना समय लगेगा. मैं नहीं जानती कि मैं कुश्ती में वापसी करूंगी या नहीं लेकिन आज मुझे जो साहस मिला है उसका मैं सही दिशा में इस्तेमाल करना चाहती हूं. विनेश ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह इस तरह के सम्मान की हकदार हैं या नहीं. मैं भाग्यशाली हूं जो मेरा जन्म इस गांव में हुआ. मैं हमेशा महिलाओं और गांव के सम्मान के लिए लड़ती रहूंगी.

विश्व चैंपियनशिप में दो बार की पदक विजेता ने उम्मीद जताई कि गांव का कोई खिलाड़ी उनकी विरासत को आगे बढ़ाएगा. उन्होंने कहा, मैं तहेदिल से चाहती हूं कि गांव का कोई व्यक्ति मेरी विरासत को आगे ले जाए और मेरे रिकॉर्ड तोड़ दे. अगर मैं अपने गांव की महिला पहलवानों को बढ़ावा दे सकती हूं, तो यह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी. अगर इस गांव से कोई पहलवान नहीं निकलता है तो यह निराशाजनक होगा. मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि गांव की महिलाओं का समर्थन करें. अगर उन्हें हमारी जगह लेनी है तो उन्हें आपके सहयोग और समर्थन की जरूरत पड़ेगी. विनेश ने अयोग्य ठहराए जाने के बाद कुश्ती से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी.

'छल का फल छल, आज नहीं तो कल'

विनेश ने अपने संदेश में हालांकि अपने ताऊ महावीर फोगाट का जिक्र नहीं किया, जिससे उनकी चचेरी बहनें गीता और बबीता नाराज हो गईं. उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में अपनी निराशा व्यक्त की. गीता ने एक्स पर लिखा, कर्मों का फल सीधा सा है. छल का फल छल, आज नहीं तो कल. गीता के पति पवन सरोहा भी पहलवान हैं, उन्होंने विनेश को महावीर के बारे में याद दिलाया. सरोहा ने लिखा, विनेश आपने बहुत ही बढ़िया लिखा है लेकिन शायद आज आप अपने ताऊ जी महावीर फोगाट को भूल गए हैं, जिन्होनें आपके कुश्ती जीवन को शुरू किया था. भगवान आपको सदबुद्धि दे. बबीता ने लिखा, हर वो कामयाबी हार है. जिसका मकसद सिर्फ हर किसी को नीचा दिखाना है.

भारत 'ए' ने ऑस्ट्रेलिया 'ए' को हराया

भाषा। मैकाय (ऑस्ट्रेलिया)

युवा लेग स्पिनर प्रिया मिश्रा के पांच विकेट के अलावा तेजल हसबनिस और राघवी बिष्ट के अर्धशतक से भारत 'ए' ने रविवार को यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया ए को 171 रन से रौंद दिया. ब्रिसबेन में तीन टी20 और यहां पहले दो एकदिवसीय मुकाबले गंवाकर लगातार पांच शिकस्त झेलने के बाद भारत 'ए' ने अंततः दौरे पर जीत का स्वाद चखा. तेजल की 66 गेंद में 50 और राघवी की 64 गेंद में 53 रन की पारी की बदौलत भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 243 रन बनाए. दिल्ली की 20 साल की प्रिया ने इसके बाद 14 रन देकर पांच विकेट चटकाते हुए ऑस्ट्रेलिया 'ए' को सिर्फ 72 रन पर ढेर करके मेहमान टीम को दौरे की पहली जीत दिलाई। कप्तानी मीनू मनि ने भी चार रन देकर दो विकेट हासिल किए. दौरे का अपना पहला मैच खेल रही प्रिया ने सलामी बल्लेबाज मैडी डार्क (22) और शीर्ष क्रम की बल्लेबाज टीस फ्लिंटॉस (20) को पवेलियन भेजा जिससे मेजबान टीम ने 15वें ओवर में 52 रन तक चार विकेट गंवा दिए. प्रिया ने इसके बाद निकोल फैल्टम (02), केट पीटरसन (01) और निकोला हैनकॉक (00) को आउट करके मेजबान टीम को 22.1 ओवर में समेटने में अहम भूमिका निभाई. दोनों टीमों के बीच एकमात्र अनौपचारिक टेस्ट 22 अगस्त से गोल्ड कोस्ट में खेला जाएगा. इससे पहले भारत 'ए' की शुरुआत भी खराब रही. टीम न नौवें ओवर में 43 रन तक तीन विकेट गंवा दिए लेकिन तेजल और राघवी ने चौथे विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी करके पारी को संभाला. तेजल और राघवी ने टीम का स्कोर 147 रन तक पहुंचाया, जिसके बाद 28वें ओवर में तेजल आउट हो गईं. राघवी भी इसके तुरंत बाद पवेलियन लौट गईं. संजीवन सजना (40) और कप्तान मीनू मनि (34) ने इसके बाद उम्दा पारियां खेलकर टीम का स्कोर 200 रन के पार पहुंचाया.

पैट कमिंस ने लिया आठ सप्ताह का ब्रेक

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने इस साल के आखिर में भारत के खिलाफ प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला को ध्यान में रखते हुए आठ सप्ताह का ब्रेक लिया है. कमिंस अमेरिका में मेजर लीग क्रिकेट में भाग लेने के बाद हाल में ऑस्ट्रेलिया लौटे हैं. ऑस्ट्रेलिया में गर्मियों के व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए उन्होंने खुद को तरोताजा रखने के लिए विश्राम करने का फैसला किया है. इस कारण उन्हें इंग्लैंड के सीमित ओवरों के दौरे के लिए टीम में नहीं चुना गया है. फॉक्स स्पोर्ट्स ने कमिंस के हवाले से कहा, ब्रेक के बाद वापसी करने पर हर कोई तरोताजा महसूस करता है.

बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने मुख्यमंत्री पुष्कर धामी से भेंट की

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने भेंट की. यहां मुख्यमंत्री आवास में मुलाकात के दौरान धामी ने सेन को पेरिस ओलंपिक में शानदार खेल का प्रदर्शन करने के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. उत्तराखंड के अल्मोड़ा के रहने वाले 23 वर्षीय सेन इसी माह समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक खेलों में बैडमिंटन की पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे थे. हालांकि, सेमीफाइनल में हार के कारण उन्हें कांस्य पदक से भी वंचित रहना पड़ा. मुख्यमंत्री ने सेन को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि वह पूरे समर्पण से अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करें और राज्य सरकार एवं प्रदेश की जनता उनके साथ है. धामी ने कहा, जब किसी कार्य के लिए दृढ़ इच्छाशक्ति होती है, तो उस कार्य में सफलता अवश्य मिलती है. इस अवसर पर सेन की मां निर्मला सेन व पिता डीके सेन और उत्तराखंड बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव बीएस मनकोटी भी मौजूद थे.

महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025

वेस्टइंडीज के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

भाषा। दुबई

गत चैंपियन भारत मलेशिया में अगले साल 18 जनवरी से दो फरवरी तक होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत वेस्टइंडीज के खिलाफ करेगा. भारत को ग्रुप ए में मेजबान मलेशिया, वेस्टइंडीज और श्रीलंका के साथ जगह मिली है. भारत ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका में फाइनल में इंग्लैंड को हराकर पहले टूर्नामेंट का खिताब जीता था. इंग्लैंड, आयरलैंड, पाकिस्तान और अमेरिका को ग्रुप बी में रखा गया है जबकि ग्रुप सी में दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, समोआ और अफ्रीका से एक क्वालीफायर को जगह मिली है. ग्रुप डी में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, स्कॉटलैंड और एशियाई से एक क्वालीफायर को रखा गया है. प्रत्येक ग्रुप की टीम राउंड रोबिन चरण में एक-दूसरे से भिड़ेंगी, जिससे प्रत्येक टीम को ग्रुप चरण में तीन मैच खेलने को मिलेंगी. सभी चार ग्रुप से शीर्ष तीन टीम सुपर सिक्स चरण में जगह बनाएंगी. चारों ग्रुप में अंतिम स्थान पर रहने वाली टीमें 24 जनवरी को अंतिम स्थान के प्ले ऑफ में भिड़ेंगी.

मोहन बागान व ईस्ट बंगाल डूरंड कप के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। कोलकाता

डूरंड कप के 133 वें सत्र के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों की घोषणा रविवार को की गई, जिसमें यहां का सॉल्ट लेक स्टेडियम बेंगलुरु एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स मैच की शुक्रवार को मेजबानी करेगा. कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक के कथित बलात्कार और हत्या के मामले में व्यापक विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर आयोजकों ने शनिवार को मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप के अहम लीग मैच को रद्द कर दिया था. इस मैच में दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया जिससे मौजूदा चैंपियन मोहन बागान ने ग्रुप ए तालिका में शीर्ष स्थान के साथ अंतिम आठ में क्वालीफाई किया. मोहन बागान की टीम तीसरे क्वार्टर फाइनल में पंजाब एफसी का सामना करेगी. यह मैच जमशेदपुर में होगा. ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाली ईस्ट बंगाल की टीम भी क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रही. टीम क्वार्टर फाइनल में शिलांग लाजोंग एफसी का सामना करेगी. यह मैच सॉल्ट लेक स्टेडियम के बजाय शिलांग में आयोजित किया जाएगा. डूरंड कप की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, शनिवार शाम को शिलांग में खेले गये एफसी गोवा बनाम शिलांग लाजोंग एफसी ग्रुप एफ मैच के खत्म होने के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाली आठ टीमें तय हो गयी. इसके बाद वीडियो कॉल के माध्यम से हुई बैठक में इन सभी टीमों के प्रतिनिधि शामिल हुए, जहां लाइव ड्रॉ से अंतिम आठ के मैचों को तय किया गया. मोहन बागान और ईस्ट बंगाल की टीमें अगर अपने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल मैच जीतने में सफल रहे तो वे सॉल्ट लेक स्टेडियम में 31 अगस्त को होने वाले फाइनल में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं.

क्वार्टर फाइनल मैचों का कार्यक्रम

21 अगस्त : नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी बनाम इंडियन आर्मी एफटी (साई स्टेडियम कोकराझार शाम चार बजे)

शिलांग लाजोंग एफसी बनाम ईस्ट बंगाल (जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, शिलांग शाम सात बजे)

23 अगस्त : मोहन बागान बनाम पंजाब एफसी (जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, जमशेदपुर शाम चार बजे)

बेंगलुरु एफसी बनाम केरला ब्लास्टर्स एफसी (साल्टलेक स्टेडियम, शाम सात बजे)

टिप्पणी जसपाल राणा ने चयन नीति के लिए एनआरएआई की आलोचना की

चयन नीति से निशानेबाजों को नुकसान हो रहा है : जसपाल राणा

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में दो पदक जीत कर इतिहास रचने वाली निशानेबाज मनु भाकर के कोच जसपाल राणा ने राष्ट्रीय महासंघ की लगातार बदलती ओलंपिक चयन नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि इससे अतीत में कुछ सबसे होनहार प्रतिभाओं को नुकसान हुआ है और अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो आगे भी ऐसा होता रहेगा. एशियाई खेल 2006 में तीन स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) की अपनी नीतियों में अंतिम समय में बदलाव करने की प्रवृत्ति की आलोचना की.

खास बातें

- चयन नीति से होनहार प्रतिभा को नुकसान उठाना पड़ा
- अर्जुन बाबूता की चर्चा नहीं होने पर भी आपत्ति जताई

राणा ने शुक्रवार को पीटीआई मुख्यालय में उसके संपादकों से बात करते हुए अपनी राय साझा की. इस दौरान उनके साथ मनु भी मौजूद थीं, जिन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित स्पर्धा (सरबजोत सिंह के साथ मिलकर) में कांस्य पदक जीते थे.

राणा ने कहा, (महासंघ की) चयन नीति हर छह महीने में बदलती है. मैंने खेल मंत्री से मुलाकात करके इस पर उनसे बात की. उन्हें निर्णय लेने दें... वे जो भी निर्णय लेते हैं, सही या गलत, हम उस पर चर्चा नहीं कर रहे हैं, और फिर उस पर कायम रहो. आप इसके बाद निशानेबाजों के प्रदर्शन में अंतर देखेंगे. टोक्यो ओलंपिक खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में जगह बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी सौरभ चौधरी और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता पिस्टल निशानेबाज जीतू राय जैसे कई प्रतिभाशाली निशानेबाज कुछ ही वर्षों में फीके पड़ गए, जबकि वे सबसे प्रतिभाशाली निशानेबाजों में से एक थे. राणा ने कहा, सौरभ चौधरी कहां हैं, जीतू राय कहां हैं? क्या कोई उनके बारे में बात करता है? नहीं. क्या हम (10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज) अर्जुन बाबुता के बारे में बात कर रहे हैं, जो पेरिस में चौथे स्थान पर रहे थे. वह मामूली अंतर से पदक से चूक गए थे. क्या कोई उनकी सुध ले रहा है. एनआरएआई ने रियो ओलंपिक के बाद टोक्यो ओलंपिक में भी पदक नहीं जीतने के बाद 2021 में अपने चयन मानदंडों में संशोधन किया. उसने कोटा हासिल करने वाले निशानेबाजों को मिलने वाले बोनस अंकों में भारी कटौती की और लंबे अंतराल के बाद टीम के चयन के लिए ट्रायल्स की शुरुआत की.

राणा ने कहा कि वह बदलाव के खिलाफ नहीं हैं लेकिन ओलंपिक चक्र के दौरान अधिक निरंतरता बनाए रखना जरूरी है. उन्होंने कहा, अभी हमारे पास ओलंपिक और विश्व कप के पदक विजेताओं को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई तंत्र नहीं है. हम ओलंपिक पदक विजेताओं को लंबे समय तक नहीं देखते क्योंकि हमारे पास उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई प्रणाली नहीं है.

इगा स्वियातेक और यानिक सिनर सिनसिनाटी ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी। मेसन (ओहियो)

महिला व पुरुष वर्ग में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी क्रमशः इगा स्वियातेक और यानिक सिनर ने कड़ी मशक्कत करने के बाद सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया. स्वियातेक ने 17 वर्षीय मीरा एंड्रीवा पर 6-4, 3-6, 7-5 से जीत के साथ अपना विजय अभियान 15 मैच तक पहुंचाया. उनका अगला मुकाबला आर्यना सबालेंका से होगा, जिन्होंने लुडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-2 से हराया. सिनर ने आंद्रे रुबलेव को 4-6, 7-5, 6-4 से हरा कर पिछले सप्ताह मोंट्रियल के क्वार्टर फाइनल में मिली हार का बदला चुकता किया. वह ओपन युग में इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बन गए हैं. सिनर का अगला मुकाबला अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा. पूर्व चैंपियन ज्वेरेव ने बेन शेल्टन को 3-6, 7-6, 7-5 से हराया. ज्वेरेव ने सिनर के खिलाफ लगातार चार जीत हासिल की हैं. फ्रांसिस टियाफो ने ह्यूबर्ट हर्काज़ के पिंडली की चोट के कारण दूसरे सेट से हट जाने के बाद लगातार दूसरे वर्ष सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई.

ब्रीफ खबरें

सीएसपी संचालक की गोली मारकर हत्या

मधेपुरा । मधेपुरा के एक सीएसपी संचालक को रविवार को भागलपुर के नवगछिया जीरो माइल के पास बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. आनन-फानन में उसे भागलपुर के मायागंज अस्पताल ले जाया गया. जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान चौसा थानाक्षेत्र के अरजपुर पंचायत के मनोहरपुर निवासी टोकसन कुमार शर्मा (35) के रूप में हुई है. मृतक जीविका के कई ग्राम संगठन में लेखपाल का कार्य करता था.

75 पुलिसकर्मियों का वेतन एसपी ने रोक दिया

पूर्णिया । पूर्णिया जिले में एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने एक साथ 75 पुलिसकर्मियों का वेतन रोकने का आदेश दिया. यह कार्रवाई मामलों के निष्पादन में लापरवाही बरतने के कारण की गई है. इस कार्रवाई से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और पुलिसकर्मियों में खलबली मची हुई है. एसपी ने स्पष्ट किया कि अगर इन पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी कार्यशैली में सुधार नहीं लाया जाता है, तो उनके खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी, साथ ही उन्हें निलंबित भी किया जा सकता है. इस कार्रवाई को पुलिस महकमे में जागृति लाने के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है.

विद्यालय के पीछे मिली छात्र की लाश

भोजपुर । हथियारबंद अपराधियों ने एक आठवीं क्लास के छात्र की निर्मम हत्या कर दी है. अपराधियों ने घटना को अंजाम उस वक्त दिया जब छात्र अपने दादा के साथ दलान में सो रहा था. तभी देर रात उसके मोबाइल पर किसी ने फोन कर बर्थडे पार्टी में जाने के लिए घर से बाहर बुलाया और फिर गांव के मिडिल स्कूल के पास ले जाकर उसे गोली मारकर उसकी हत्या कर दी. अपराधियों ने उसको दो गोली मारी और फिर वहां से फरार हो गये. घटना इमादपुर थाना क्षेत्र के इमादपुर गांव की है. मृतक इमादपुर गांव निवासी पुष्पम राज कुमार उर्फ भोलू (13) था.

रोते-बिलखते परिजन

मां और दो बेटियां गंगा की तेज धार में बहीं, तीनों की मौत, इलाके में मचा हड़कंप

संवाददाता । बेगूसराय

बेगूसराय में गंगा स्नान करने के दौरान मां और दो बेटी सहित तीन की डूबने से मौत हो गई. इसमें महिला का शव लोगों ने बरामद कर लिया, जबकि स्थानीय गोताखोर के द्वारा दोनों बेटियों की तलाश की जा रही है. घटना बलिया थाना क्षेत्र के तुलसी टोल गंगा नदी की है. मृतक महिला की पहचान तुलसी टोल के रहने वाली द्रोपती देवी के रूप में की गई है जबकि पुत्री रिमझिम और रोमा बताई जा रही है. स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला द्रोपती देवी अपने दोनों बेटियों रिमझिम और रोमा के साथ गंगा स्नान करने के लिए गई थी. गंगा स्नान करने के दौरान अचानक रिमझिम और रोमा डूबने लगी. दोनों को डूबते देख द्रोपती देवी गंगा की तेज धार की तरफ बढ़ गई. लेकिन न तो वह अपनी बेटियों को बचा सकीं और न खुद ही तेज धार से बच पाई. बेटियों के साथ-साथ वह खुद भी गंगा के तेज धार में बह गई.

ग्रामीण तीनों को बचाने के लिए गंगा में कूदे,बचा न सके

ग्रामीणों ने बताया कि यह घटना होते देख घाट के पास लोग शोर मचाने लगे. वहां मौजूद कुछ गोताखोर और कुछ ग्रामीण तीनों को बचाने के लिए गंगा में कूद पड़े, लेकिन कोई फायदा नहीं हो पाया. काफी खोजबीन के बाद द्रौपदी देवी की लाश मिल गई लेकिन बेटियों रिमझिम और रोमा की लाश नहीं मिल पाई. स्थानीय गोताखोर अभी भी खोजबीन कर रहे हैं. स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी बलिया थाना को दी दी.

नालंदा में किसान की मौत

बिहारशरीफ । नालंदा जिले के पावापुरी ओपी थानाक्षेत्र के घोसरावां खंधा में रविवार की सुबह आकाशीय बिजली से एक किसान की मौत हो गयी. मृतक घोसरावां गांव निवासी 50 वर्षीय किसान मुरारी सिंह है. मवेशी चरा रहे लोगों ने बताया कि उक्त किसान रविवार सुबह से खेत में खाद छिट रहे थे वारिश से बचने के लिए पेड़ के निकट छिप गये थे. वही वज्रपात की चपेट में आ जाने से पूरा शरीर झुलस गया और घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी. मृतक के परिवार वालों ने बताया कि रविवार सुबह खेत में खाद देने के लिए गए थे कि यह हादसा हुआ और उनकी मौत हो गयी. घटनाक्रम की जानकारी पावापुरी ओपी थाना पुलिस को दी गयी. घटना की सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर जाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

खगड़िया : पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो सगी बहनों की जान चली गई, शोक

खगड़िया । बेलदौर थाना क्षेत्र के पीरनगरा पंचायत के शिशवा बहियार में पानी भरे गड्ढे में डूबने से दो सगी बहनों की मौत हो गयी. दोनों बहनें पिरनगरा पंचायत के वार्ड नंबर चार निवासी सुभाष यादव की बेटी प्रिया और प्रीति कुमारी के रूप में हुई है. पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए खगड़िया सदर अस्पताल भेजा. पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शवों को परिजनों को सौंपा. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर हाल बेहाल है. बताया जाता है कि प्रिया और प्रीति मवेशी के लिए घास काटने शिशवा बहियार गयी थी. इसी क्रम में छोटी बहन प्रीति पानी भरे गड्ढे में गिर गयी. इसके बाद बड़ी बहन प्रिया भी अपनी बहन को बचाने के लिए गड्ढे में कूद गयी. जहां दम घुटने से दोनों की मौत हो गयी.

सनसनी : मर्डर या सुसाइड के बीच उलझी मौत की गुत्थी

नालंदा में घर से बरामद हुआ मां सहित बेटे-बेटी का शव

संवाददाता । बिहारशरीफ

हिलसा अनुमंडल क्षेत्र भटविगहा गांव में रविवार की सुबह एक महिला सहित दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है. घटना की सूचना हिलसा थानाध्यक्ष और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को दी गयी. सूचना पाकर पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. जांच के दौरान पता चला कि मृतक महिला 32 वर्षीय सरिता देवी है जो भटविगहा गांव निवासी जितेन्द्र यादव की पत्नी है. उनके साथ ही उनके दो बच्चों, प्रिया कुमारी उम्र 12 वर्ष और प्रिंस कुमार उम्र 10 वर्ष की भी मौत गयी है.

ग्रामीणों ने बताया कि सरिता देवी का शव फंदे से लटका हुआ मिला जिसे ग्रामीणों के सहयोग से नीचे उतारा गया. बच्चों के गले पर भी फंदे का निशान पाए गए हैं, जिससे उनकी मृत्यु भी संदिग्ध प्रतीत हो रही है.

घटना की बारीकी से जांच और साक्ष्य संकलन के लिए विधि-विज्ञान प्रयोगशाला की टीम को बुलाया गया है. मृतिका के मायके वालों को इस घटना की जानकारी दी गई है और उनके द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी. ग्राम गौरा भटबिगहा में फिलहाल किसी प्रकार की विधि-व्यवस्था की समस्या नहीं है, लेकिन मृतिका के पति और परिवार के अन्य सदस्य घर से फरार पाए गए हैं. पुलिस द्वारा सभी संभावित पहलुओं पर गहनता से जांच की जा रही है. मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेज दिया गया है. मौत के कारणों का स्पष्ट पता नही चल सका है.

घटना की जांच करते पुलिसकर्मी

कुल्हाड़ी से काटकर युवती की हत्या मामले में दो गिरफ्तार, भेजे गए जेल

पूर्वी चंपारण । जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में चार दिन पूर्व कुल्हाड़ी से काटकर युवती की हत्या मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है. दोनों उसी गांव के रहने वाले हैं. गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में मोतिहारी भेज दिया गया है. पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार ने रविवार को बताया कि ननिहाल में रह रही युवती की कुल्हाड़ी से गर्दन काट कर निर्मम हत्या करने के मामले में पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान व चप्पल के मिले निशान के आधार पर उसके गांव के निवासी चुनचुन कुमार व शंकर कुमार को गिरफ्तार किया है. इनसे पूछताछ व निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक कुल्हाड़ी, तीन मोबाइल फोन, एक सेट चप्पल तथा घटना के समय अभियुक्त द्वारा पहना टी-शर्ट और हाफ पैंट बरामद किया है.

पूर्व विधायक सुनील पांडे भाजपा में शामिल हुए

बाहुबली के बेटे संदीप ने भी ली पार्टी की सदस्यता

संवाददाता । पटना

बिहार में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. इनमें तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज शामिल है. उपचुनाव से पहले राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (आरजेएलपी) के प्रमुख पशुपति पारस को बड़ा झटका लगा है. पार्टी के पूर्व विधायक और बाहुबली सुनील पांडे ने रविवार को भाजपा में शामिल हो गये हैं. चार बार के विधायक रहे सुनील पांडे ने अपने बेटे संदीप पांडे के साथ भाजपा की सदस्यता ली है. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने दोनों को पार्टी की सदस्यता दिलायी. इसके बाद कयास लगाये जा रहे हैं कि तरारी विधानसभा उपचुनाव में भाजपा सुनील पांडे के बेटे संदीप पांडे को अपना उम्मीदवार बना सकती है.

समर्थक चाहती थी कि भाजपा जॉइन करूं तो कर लिया : भाजपा में शामिल होने के बाद सुनील पांडे ने कहा कि मैं पहले भी एनडीए में था. आज औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हो गया हूं. कार्यकर्ताओं के साथ पार्टी को कैसे मजबूत करना है, इस पर काम करेंगे. कहा कि पूरे प्रदेश से मेरे समर्थक आये हैं. सभी पार्टी हित में काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करेंगे. कहा कि 2025 में भारी बहुमत के साथ सरकार बनायेंगे. तरारी में होनेवाले उपचुनाव में सुनील पांडे या उनके बेटे द्वारा चुनाव लड़ने वाले सवाल पर सुनील पांडे ने कहा कि आप समझदार है, जनता भी समझदार है. समर्थक की भावना को देखते हुए पार्टी जो निर्णय लेगी, उसमें हम पार्टी के साथ हैं. आरएलजेपी को छोड़ने की बात पर कहा कि समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं, मेरे समर्थक चाहते थे कि मैं भाजपा में शामिल हो जाऊं, जो भी होगा, अच्छा होगा.

पटना में युवक की गोली मारकर हत्या

पटना । पटना के सुलतानगंज थाना क्षेत्र के रानी घाट के समीप रविवार को शंकर वर्मा नाम के व्यक्ति की बदमाशों ने गोली मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया. घायल को परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया. चिकित्सकों ने वहां शंकर वर्मा को मृत घोषित कर दिया. एएसपी शरथ आरएस ने बताया कि शंकर वर्मा के खिलाफ सुल्तानगंज समेत अन्य थानों में 18 आपराधिक मामले दर्ज हैं.

वंचितों के अधिकारों पर डाका डाल रहे हैं एनडीए वाले : लालू

पटना । राजद के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर हमला बोला है. सोशल मीडिया पर लालू प्रसाद यादव ने लिखा कि बाबा साहेब के संविधान एवं आरक्षण की धज्जियां उड़ाते हुए नरेंद्र मोदी और उसके सहयोगी दलों की सलाह से सिविल सेवा कर्मियों की जगह अब संघ लोक सेवा आयोग ने निजी क्षेत्र से संयुक्त सचिव, उप-सचिव और निदेशक स्तर पर नियुक्ति के लिए सीधी भर्ती का विज्ञापन निकाला है. लालू ने कहा कि इसमें कोई सरकारी कर्मचारी आवेदन नहीं कर सकता. इसमें संविधान प्रदत कोई आरक्षण नहीं है. कारपोरेट में काम कर रहे भाजपा की निजी सेना (आरएसएस) यानी खाकी पेंट वालों को सीधे भारत सरकार के महत्वपूर्ण मंत्रालयों में उच्च पदों पर बैठाने का यह 'नागपुरिया मॉडल' है.

कारोबार

मैक्रोटेक का कर्ज 43.5 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली । जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी मैक्रोटेक डेवलपर्स लि. का शुद्ध कर्ज चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 43.5 प्रतिशत बढ़कर 4,320 करोड़ रुपये हो गया. कंपनी ने कहा कि शुद्ध कर्ज में वृद्धि भूमि अधिग्रहण और निर्माण में अधिक निवेश के कारण हुई है. लोढ़ा ब्रांड के तहत अपनी परियोजनाएं बेचने वाली मुंबई स्थित मैक्रोटेक डेवलपर्स देश की अग्रणी रियल एस्टेट कंपनियों में से है. कंपनी ने कहा कि वृद्धि में निवेश के कारण शुद्ध कर्ज बढ़ा है.

आने वाली तिमाहियों में खपत में होगी वृद्धि : बाटा

नयी दिल्ली । जूता-चप्पल बनाने वाली प्रमुख कंपनी बाटा के प्रबंध निदेशक गुंजन शाह ने कहा है कि खपत में सुस्ती अस्थायी है और आने वाली तिमाहियों में त्योहारों के दौरान मांग बढ़ने तथा खुदरा कारोबार में विस्तार से क्षेत्र में तेजी आने की उम्मीद है. कंपनी को उम्मीद है कि ई-कॉमर्स उसकी वृद्धि को गति देगा. इसका कारण कंपनी अपने पोर्टल और भागीदारों के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री का विस्तार कर रही है. साथ ही किफायती उत्पादों के साथ-साथ नये-नये उत्पादों में भी निवेश कर रही है.

बीते सप्ताह सोयाबीन का दाम टूटने से अधिकांश तेल तिलहनों में गिरावट

एजेंसी । नयी दिल्ली

बीते सप्ताह सोयाबीन तेल का दाम टूटने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों, मूंगफली एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए. वहीं हल्की त्योहारी मांग की वजह से बिनौला तेल के दाम में मामूली तेजी रही. बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन तेल का दाम समीक्षाधीन सप्ताह में घटकर 993 डॉलर टन रहा जबकि इससे पिछले सप्ताह में यह 1,010-1,015 डॉलर प्रति टन था. लेकिन पिछले सप्ताह जिस सीपीओ का भाव 993-995 डॉलर प्रति टन था वह बढ़कर लगभग 1,000 डॉलर प्रति टन हो गया. यानी सॉफ्ट आयल (सोयाबीन तेल), पामोलीन (हार्ड आयल) के मुकाबले सस्ता हो चला है तो क्या उपभोक्ताओं को देश के बाजारों में सोयाबीन तेल, पामोलीन से सस्ता मिल रहा है? सूत्रों ने कहा कि पहले बोने की वजह से सांगली मंडी में खरीफ सोयाबीन पहले आ जाती है. बाकी स्थानों पर अक्टूबर में आवक बढ़नी शुरु होती है. सांगली मंडी में आने वाली नयी फसल का भाव 4,000 रुपये क्विन्टल लगाया जा रहा है जबकि सोयाबीन का नया न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 4,892 रुपये क्विंटल है. इसके अलावा केवल महाराष्ट्र सरकार ने किसानों को सोयाबीन और कपास का उत्पादन बढ़ाने को प्रोत्साहित करने के मकसद से प्रति एकड़ फसल के लिए 5,000 रुपये की सहायता राशि (सब्सिडी) दी है. लेकिन इस प्रोत्साहन राशि के बावजूद किसानों की लागत कम निकल रही है.

सोयाबीन की नई फसल की आवक और बढ़ेगी

इसकी तुलना में मध्य प्रदेश में सोयाबीन का उत्पादन कहीं अधिक होता है और वहां ऐसी कोई सहायता राशि नहीं दी गई है तो उनकी लागत वसूली तथ अन्य सोयाबीन उत्पादन राज्यों में लागत वसूली की स्थिति के बारे में अंदाजा लगाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मंडियों में सोयाबीन के नये फसल की आवक और बढ़ेगी उस समय क्या होगा इसके बारे में अभी से कुछ कहना मुश्किल है. लेकिन इतना तो तय है कि सस्ता सोयाबीन का आयात बना रहा तो पहले के सोयाबीन फसल की तरह इस बार भी सोयाबीन को गोदामों में ही रखे रहना होगा. सूत्रों ने कहा कि किसी को इस स्थिति के बारे में सोचना होगा और कोई रास्ता भी निकालना होगा कि देशी तेल तिलहन खपें, किसानों को पर्याप्त धन मिले और तिलहन उत्पादन बढ़ाने के प्रति उनका भरोसा और मजबूत हो.

इंजीनियरों के लिए वार्षिक वेतन 4-12 लाख रुपये

नयी दिल्ली । प्रमुख आईटी कंपनी कॉग्निजेंट ने रविवार को कहा कि वह नए इंजीनियरिंग स्नातकों को चार से 12 लाख रुपये का वेतन देती है और सोशल मीडिया पर जिस वेतन का जिक्र किया जा रहा है, वह गैर-इंजीनियरिंग स्नातक डिग्री धारकों के लिए है. गौरतलब है कि कंपनी को नये भर्ती होने वालों के लिए 2.52 लाख रुपये वार्षिक वेतन की पेशकश करने पर सोशल मीडिया में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. कंपनी को महज एक प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि करने के लिए भी सोशल मीडिया पर आलोचना का सामना करना पड़ा. हालांकि, यह 1-5 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि का निचला दायरा है, जिसे कंपनी ने व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर दिया है. कॉग्निजेंट हर साल विभिन्न भूमिकाओं के लिए नए इंजीनियरों और गैर-इंजीनियरिंग स्नातकों को नियुक्त करती है.कॉग्निजेंट अमेरिका के अध्यक्ष सूर्य गुम्मादी ने कहा, गैर-इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि की प्रतिभाओं के लिए हमारी हाल की भर्ती सूचना को बहुत गलत तरीके से पेश किया गया. लगभग 2.52 लाख रुपये प्रति वर्ष के वेतन वाली यह नौकरी केवल तीन वर्षीय स्नातक डिग्री वाले उम्मीदवारों के लिए थी, इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए नहीं.

भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन

अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये करेगा निवेश

एजेंसी । नयी दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) के चेयरमैन जी कृष्ण कुमार ने कहा है कि कंपनी की अगले पांच साल में 1.7 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना है. कंपनी यह निवेश अपने मुख्य कारोबार तेल शोधन और ईंधन विपणन को बढ़ाने के साथ-साथ पेट्रोरसायन तथा हरित ऊर्जा जैसे नये क्षेत्रों में करेगी. बीपीसीएल के पास वर्तमान में देश की कुल तेल शोधन क्षमता का लगभग 14 प्रतिशत और ईंधन खुदरा नेटवर्क का लगभग एक चौथाई हिस्सा है. कंपनी नये क्षेत्रों में दस्तक देने के साथ अपने मुख्य कारोबार को बढ़ाने की योजना बना रही है. कंपनी के चेयरमैन ने सालाना रिपोर्ट में कहा है कि बीपीसीएल अब 'प्रोजेक्ट एस्पायर' के रूप में कई दशक की आकांक्षी यात्रा के पहले चरण को लागू कर रही है. इसका पांच साल का रणनीतिक ढांचा दो मूलभूत स्तंभों पर आधारित है. इसमें मुख्य कारोबार को बढ़ावा और दूसरा भविष्य की परियोजनाओं में निवेश है. कृष्ण कुमार ने कहा, हमारी मध्यम अवधि की रणनीति जारी है. इसके तहत एक एक तरफ जहां हम अपने मुख्य कारोबार...पेट्रोलियम उत्पादों की रिफाइनिंग और विपणन... तथा खोज और उत्पादन गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ पेट्रोरसायन, गैस, हरित ऊर्जा, गैर-ईंधन खुदरा और डिजिटल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर समान रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे हैं. उन्होंने कहा, प्रोजेक्ट एस्पायर के तहत पांच साल में लगभग 1.70 लाख करोड़ रुपये का पूंजीगत व्यय किया जाएगा. यह निवेश हमें आने वाली पीढ़ी के लिए वातावरण को संरक्षित रखते हुए हमसे जुड़े विभिन्न पक्षों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने में मदद करेगा. कंपनी ने 2040 तक अपने परिचालन से शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य रखा है. चेयरमैन ने कहा, बीपीसीएल ने शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिए खाका तैयार किया है. इसमें नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, कॉम्प्रेस्ड बायोगैस, कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस), दक्षता में सुधार आदि शामिल हैं.

टीवीएस मोटर

घरेलू, वैश्विक बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन का भरोसा

नयी दिल्ली । टीवीएस मोटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के एन राधाकृष्णन ने कहा कि नए उत्पादों की पेशकश और प्रमुख क्षेत्रों में परिचालन को मजबूत करने के साथ चालू वित्त वर्ष में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उद्योग के मुकाबले कंपनी के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में कंपनी को सामान्य मानसून के साथ ग्रामीण बाजारों को मजबूती मिलने की संभावना के चलते वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है. अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो राधाकृष्णन ने इस साल अफ्रीका जैसे प्रमुख बाजारों में बेहतर प्रदर्शन और पश्चिम एशिया तथा लातिन अमेरिका जैसे अन्य क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने की उम्मीद जताई. राधाकृष्णन ने विश्लेषकों के साथ एक वार्ता में कहा, हमारे मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो उपभोक्ताओं, नए उत्पादों, आकर्षक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी पर हमारे अटूट जोर के चलते हमें विश्वास है कि हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करेंगे. उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन पर ध्यान केंद्रित करने वाले बजट बताया.

शेयर समीक्षा पिछले सप्ताह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आई, मगर इसमें पक्षपात से भरे आरोप अधिक थे, शेयर मार्केट पर भी बड़ा असर नहीं देखा गया

भारतीय शेयर मार्केट ने जैसी परिपक्वता और शक्ति दिखाई,यह अत्यंत शुभ संकेत

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

पिछले कुछ दिनों से भारतीय शेयर मार्केट में कुछ नकारात्मक समाचारों और भविष्य की श्रेष्ठ आर्थिक संभावनाओं के मध्य एक संघर्ष, द्वंद्व चल रहा है. इसका मुख्य प्रारंभ भाजपा को लोकसभा चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिलने से हुआ. फिर अमेरिका में मंदी की आशंका, बजट में शेयर लाभ पर कर वृद्धि, बांग्लादेश में हिंसक सत्ता परिवर्तन आदि घटनाक्रम हुए. पिछले सप्ताह हिंडनबर्ग की रिपोर्ट भी आई जिसने सेबी प्रमुख पर पक्षपात जैसे कुछ आरोप लगाए गए. यद्यपि ये आरोप आधारविहीन थे, खिसयानी बिल्ली खंभा नोचे से थे, षड्यंत्र से अधिक थे, इसलिए भारतीय शेयर मार्केट ने आरोप के बाद के पहले व्यापारिक सत्र में सोमवार को स्थिरता दिखी. हिंडेनबुर्गी कचरे को कूड़े डब्बे में फेंक दिया. वो तो सोमवार को अमेरिका ईरान के तनाव का समाचार आ गया नहीं तो निफ्टी 100 अंकों से अधिक ऊपर बंद होता. जिस प्रकार से भारतीय शेयर मार्केट ने इस प्रकरण पर परिपक्वता, शक्ति दिखाई, यह एक अत्यंत शुभ संकेत है तथा यह एक बड़ा लाभ प्राप्त हुआ है. अमेरिका में जुलाई माह के जीविका के दुर्बल आंकड़े तथा जीडीपी में कमी आने से वहां मंदी की संभावना जताई जाने लगी थी. इसने भी वैश्विक शेयर मार्केट में उथल पुथल मचाई. परंतु इस अमेरिकी मंदी के लक्षण से वहां अब शीघ्र ही ब्याज दरों के कटौती की संभावना भी प्रबल हो उठी.फिर खुदरा बिक्री व सीपीआई के डेटा आए, जिसमें खुदरा बिक्री बढ़ी तथा सीपीआई में कमी आई. इससे कुछ प्रमुख विश्विक वित्तीय संस्थानों गोल्डमैन साक्स ने मंदी की संभावना को नकारा तथा शेयर मार्केट का मनोभाव भी ठीक हुआ. यूएस मार्केट में पिछले सप्ताह पांचों व्यापारिक सत्रों में बढ़त रही, डाउ 1162 अंक चढ़ा. अंतिम दो दिनों में तो सबसे अधिक 651 अंकों की तेजी आई.

बांग्लादेश में भी स्थिति कुछ सुधरी जिससे वहां को लेकर भी भारतीय शेयर मार्केट की चिंता कुछ कम हुई.

अतः नकारात्मक कारकों की तीव्रता कम होने से भारतीय शेयर मार्केट भी संभलें. विगत सप्ताह निफ्टी 24099 का निचला स्तर छूने के बाद सप्ताह अंत में 24541 पर बंद हुआ. शुक्रवार को तो 398 अंकों की तेजी रही. निफ्टी ने 24050 के महत्वपूर्ण स्तर का बचाव किया तथा जिस प्रकार से शुक्रवार को तेजी दिखी. लगता है मार्केट पुनः तेजी की ओर बढ़ सकता है. इसका एक संकेत यह भी है कि लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 16 अगस्त की नकद और फ्यूचर में कुल मिलाकर 9408 करोड़ रुपए का क्रय किया. यद्यपि साप्ताहिक आधार पर पिछले सप्ताह भी विदेशी संस्थागत निवेशक बिकवाल रहे. नकद संभाग में उन्होंने 8617 करोड़ रुपए के अगस्त में एफआईआई अभी तक 29876 करोड़ रुपए के शेयर बेच चुके हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक लगातार तथा बड़े क्रेता बने हुए हैं तथा उन्होंने 34060 करोड़ रुपए के शेयर क्रय किए.

एक बहुत अच्छी बात यह भी है कि एफआईआई की बिकवाली डीआईआई सहजता से आत्मसात करते में सफल हैं. दैनिक आधार से ले कर साप्ताहिक, मासिक आधार पर भी. भारत में जुलाई में थोक महंगाई दर गिरकर 2.04 प्रतिशत रही. उपभोक्ता मूल्य सूचकांक भी पांच वर्षों में पहली बार 4 प्रतिशत से नीचे आया है. इससे भारत में भी ब्याज दरों में कमी का मामला बनता है, परंतु आरबीआई बैंकजमा में अपेक्षाकृत कमी से चिंतित है, अतः यहां दर में कटौती की संभावना अभी थोड़ी धूमिल है. फिर भी यूएस में सितंबर की ब्याज दरों में कमी की संभावना है. ऐसा होता तो बड़ी राशि शेयर मार्केट में निवेशित हो सकती है और इसका एक अतिरिक्त अच्छा लाभ भारतीय शेयर मार्केट को भी आने वाले समय में मिल सकता है. भारत में अच्छी वृद्धि दर, शेयर मार्केट में नए ग्राहकों तथा धन का प्रवाह तो बना हुआ ही है .

प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी स्वतंत्रता दिवस पर अपने भाषण में भारत के विकास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है. भारतीय अर्थव्यवस्था के बड़े विस्तार तथा विश्व तीसरी प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने की संभावना पर एकराय है. ऐसे में दीर्घ अवधि में भारतीय शेयर मार्केट में अच्छी वृद्धि बनी ही रहेगी और कोई नई बहुत बड़ी नकारात्मक बात नहीं आती तो लघु अवधि में भी तेजी की ही संभावना है.बीच बीच में जो गिरावट आती है,उससे तकनीकी सुधार की प्रक्रिया भी पूरी हो जाती है तथा यह मार्केट के लिए अच्छा ही है. निफ्टी 24050 नहीं तोड़ता तो बड़ी मंदी नहीं लग रही है. इंडिया विक्स भी 14.40 के सामान्य स्तर पर है अर्थात मार्केट में कोई अधिक भय आशंका का भाव नहीं है.

सरकार की प्राथमिकता की देखते हुए कृषि से संबंधित क्षेत्र खाद, चीनी, रक्षा,औषधि इत्यादि क्षेत्रों के शेयरों को इकट्ठा किया जा सकता है. भारतीय वित्तीय जगत के एक प्रमुख व्यक्तित्व रिद्धम देसाई ने भारतीय अर्थव्यवस्था के आने वाले समय में बहुत सुदृढ़ हो जाने की बात कही है. भारत में पारिश्रमिक दर अब चीन की तुलना में आधी है. भारत की औसत आयु 27 वर्ष है. अभी के 450 बिलियन डॉलर से विनिर्माण क्षेत्र बढ़कर 1500 बिलियन डॉलर हो जायेगा तथा यह जीडीपी का 21 प्रतिशत होगा. ऋण वृद्धि दर अगले 10 वर्षों में प्रतिवर्ष 15 से 20 प्रतिशत रहेगी जो तीव्र आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी. भारत में उच्च आय वर्ग की संख्या 2.5 करोड़ तथा मध्यम वर्ग 17 करोड़ होगा जो घरेलू खपत की एक सुदृढ़ आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का आधार सुदृढ़ करेगा.

अरब ने तनाव के बाद भी ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के नीचे है. भारत का व्यापार घाटा थोड़ा बढ़ा है. डॉलर की तुलना में रुपए में गिरावट है, परंतु ये अभी कोई बहुत बड़ी चिंता की बात नहीं है.

सलाह : बांग्लादेशी राजनीतिक विश्लेषकों और विदेशी संबंध एवं सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों का आग्रह, भारत को इतिहास के सही पक्ष की तरफ होना चाहिए

देशहित में बांग्लादेश में सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया में सहयोग करे भारत सरकार

एजेंसी। ढाका

कई राजनीतिक विश्लेषकों और विदेशी संबंध एवं सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि अगर भारत बांग्लादेश में हो रही सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का समर्थन करता है और 'किसी एक व्यक्ति और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने' के बजाय अन्य राजनीतिक दलों के साथ भी संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है, तो इससे उसे फायदा होगा.

विश्लेषकों का यह भी मानना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदाय के साथ व्यवहार दोनों देशों के संबंधों में एक महत्वपूर्ण कारक होगा. अग्रणी थिंकटैंक 'बांग्लादेश एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट' के प्रमुख हुमायूं कबीर ने 'पीटीआई' से कहा कि बांग्लादेश का पड़ोसी होने के नाते भारत 'मुश्किल समय में हमेशा हमारे साथ रहा है और बदलाव की मौजूदा प्रक्रिया के दौरान भी यदि वह हमारा समर्थन करता है तो मुझे लगता है कि बांग्लादेश के लोग भारत को एक मित्र के रूप में देखेंगे. कबीर ने कहा कि भारत यदि बांग्लादेश में जारी सत्ता हस्तांतरण प्रक्रिया का 'सकारात्मक तरीके से समर्थन' करता है और इस बदलाव की 'विशिष्टता' को ध्यान में रखते हुए 'किसी एक व्यक्ति और पार्टी पर ध्यान केंद्रित करने' के बजाय अन्य राजनीतिक दलों के साथ संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़ता है तो इससे उसे लाभ होगा. बांग्लादेश शांति एवं सुरक्षा अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष सेवानिवृत्त मेजर जनरल मुनीरुज्जमां ने कहा कि भारत को 'बांग्लादेश की वास्तविकता देखनी चाहिए, जहां जन क्रांति हुई है. भारत को इतिहास के सही पक्ष की तरफ होना चाहिए और बांग्लादेश के लोगों के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करनी चाहिए.

किसी विशेष राजनीतिक दल का बंधक नहीं रहे भारत

बांग्लादेश के 'सेंटर फॉर पॉलिसी डायलॉग' के अर्थशास्त्री देबप्रिय भट्टाचार्य ने कहा कि शांति, सुरक्षा और विकास के दृष्टिकोण से बांग्लादेश और भारत के संबंध दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं. बांग्लादेश ने भारतीय जनता के फैसले का सम्मान करते हुए कांग्रेस के सत्ता से हटने के बाद भाजपा की सरकार को सहयोग दिया और इससे उसे लाभ हुआ. भारत को भी अब ऐसा ही करना चाहिए, क्योंकि छात्र-नागरिक विद्रोह के माध्यम से अवामी लीग सरकार को सत्ता से हटा दिया गया है. आगामी दिनों में भारत को विश्वास और आपसी हित के आधार पर संबंधों का पुनर्निर्माण करना होगा और उसे संबंधित देश के किसी विशेष राजनीतिक दल का बंधक नहीं रहना चाहिए, क्योंकि यह संबंध द्विदलीय सहमति पर आधारित होना चाहिए और दोनों देशों को इस दिशा में काम करने की जरूरत है.

एक महीने तक बंद रहने के बाद शैक्षिक संस्थान खुले

ढाका। बांग्लादेश में विश्वविद्यालयों, माध्यमिक स्कूलों और कॉलेजों समेत सभी शिक्षण संस्थान रविवार को खोल दिए गए. इन्हें छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा होने के कारण एक महीने से अधिक समय पहले बंद कर दिया गया था. विरोध प्रदर्शनों के कारण प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर जाना पड़ा था. नौकरियों में आरक्षण को लेकर हुए आंदोलन के दौरान हिंसा भड़कने पर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बांग्लादेश में 17 जुलाई को शिक्षण संस्थान अनिश्चितकाल के लिए बंद कर दिए गए थे.

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के खिलाफ सामूहिक हत्या के आरोप में वाद दायर

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक अर्जी दायर की गई, जिसमें उन पर 2013 में 'हिफाजत-ए-इस्लाम' द्वारा आयोजित एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके सामूहिक हत्या करने का आरोप लगाया गया है. 'ढाका ट्रिब्यून' अखबार की खबर के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है. याचिका में हसीना और अन्य लोगों पर पांच मई, 2013 को मोतीझील के शापला छत्तर में रैली के दौरान 'सामूहिक हत्या' करने का आरोप लगाया गया है. अदालत ने वादी का बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश पारित करेगी. बांग्लादेश में अब हसीना पर 11 मामले दर्ज हैं, जिनमें हत्या के आठ, अपहरण का एक, मानवता के विरुद्ध अपराध और नरसंहार के दो मामले शामिल हैं.

ब्रीफ खबरें

मालदा में दो वाहनों के बीच टक्कर में छह मरे

मालदा। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में गौर रेलवे स्टेशन के निकट एक वाहन (एसयूवी) के ट्रक से टकराने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और एक व्यक्ति घायल हो गया. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. यह दुर्घटना शनिवार आधी रात को राष्ट्रीय राजमार्ग 12 पर उस समय हुई जब वाहन जिले के कालियाचक से मालदा शहर आ रहा था. पुलिस ने बताया कि पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति ने रविवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया.

दिल्ली में तेज रफ्तार कार ने एक को कुचला

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एक तेज रफ्तार कार ने 35 वर्षीय एक व्यक्ति को कथित तौर पर कुचल दिया जिससे उसकी मौत हो गई. पुलिस ने रविवार को बताया कि बाद में कार चालक को गिरफ्तार कर लिया गया. उसने बताया कि काम पर जा रहे व्यक्ति को आश्रम क्षेत्र में भोगल फ्लाईओवर के पास कार ने कुचल दिया. पुलिस ने बताया कि व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कार चालक प्रदीप गौतम (45) अपनी गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया.

तीन घंटे की नाकेबंदी से रेल सेवाएं प्रभावित

कोलकाता। पूर्वी रेलवे के सियालदह दक्षिण खंड के सुभाषग्राम में रविवार को तीन घंटे से अधिक समय तक रेल रोको आंदोलन के कारण कम से कम 11 उपनगरीय रेलगाड़ियां रद्द करनी पड़ीं और कई अन्य को गंतव्य से पहले रोकना पड़ा. यात्रियों के एक समूह ने ट्रेन के परिचालन में देरी पर रोक लगाने और उपनगरीय ट्रेन सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने की मांग को लेकर नाकाबंदी की. अधिकारी ने बताया कि नाकाबंदी सुबह 11 बजे खत्म हो गई. कम से कम 11 उपनगरीय ट्रेन रद्द कर दी गईं.

सूडान के एक गांव में 85 लोगों की हुई हत्या

काहिरा। सूडान में अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी के बाद महिलाओं एवं बच्चों समेत कम से कम 85 लोगों की हत्या कर दी. प्राधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. देश में 18 महीने से जारी विनाशकारी संघर्ष में रक्तपात की यह ताजा घटना है. विदेश मंत्रालय ने कहा कि 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने जुलाई में सेन्नार प्रांत के गलगानी में हमले शुरू किए और पिछले सप्ताह 'गांव के निहत्थे निवासियों पर गोलीबारी की.'

फ्रांस के मशहूर अभिनेता एलेन डेलन का निधन

पेरिस। फ्रांस के मशहूर अभिनेता एलेन डेलन का 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. फिल्मों में खलनायक और पुलिसकर्मी की भूमिकाओं से उन्हें दुनियाभर में काफी सराहना मिली. डेलन ने कई फिल्मों का निर्माण किया, नाटकों में काम किया और बाद के वर्षों में टेलीविजन फिल्मों में भी नजर आए. डेलन के परिवार ने रविवार को 'फ्रांस-प्रेस' को एक बयान में उनके निधन की घोषणा की. उन्होंने 1960 और 1970 के दशक में प्रख्यात फिल्मकार लुचिनो विस्कोन्टी से लेकर जोसेफ लोसी तक, दुनिया के शीर्ष निर्देशकों के साथ काम किया. डेलन को पहली बार 1960 में रेने क्लेमेंट द्वारा निर्देशित 'प्लेन सोलेइल' से सराहना मिली.

देहरादून : बस में हुई खौफनाक वारदात, पांच आरोपी गिरफ्तार

आईएसबीटी पर नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म

एजेंसी। देहरादून

देहरादून आईएसबीटी में दिल्ली से देहरादून आयी एक बस में उत्तर प्रदेश की एक नाबालिग लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने रविवार को पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया. देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह ने यहां बताया कि 12 अगस्त को हुई घटना की जानकारी शनिवार शाम को मिली, जिसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए वारदात में इस्तेमाल बस की पहचान की और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया.

उन्होंने बताया कि आरोपियों की पहचान उत्तराखंड के हरिद्वार के बुग्गावाला निवासी धर्मेंद्र कुमार (32) और राजपाल (57), हरिद्वार जिले के ही भगवानपुर निवासी देवेंद्र (52), देहरादून के पटेलनगर निवासी राजेश कुमार सोनकर (38) तथा उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के नवाबगंज के रहने वाले रवि कुमार (34) के रूप में हुई है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त उत्तराखंड रोडवेज की बस को कब्जे में ले लिया गया है तथा फॉरेंसिक टीम बस से आवश्यक साक्ष्य एकत्रित कार्रवाई कर रही है.

पुलिस को घटना की जानकारी 5 दिन बाद मिली

जानकारी के अनुसार, 16-17 साल की नाबालिग लड़की को 12 अगस्त की देर रात आईएसबीटी देहरादून के प्लेटफार्म नंबर 12 पर एक बेंच पर बैठे देखकर इसकी सूचना देहरादून बाल कल्याण समिति को दी गयी जिसने उसे सुरक्षा की दृष्टि से राजकीय बालिका निकेतन भेज दिया. बाल निकेतन में काउंसलिंग के दौरान नाबालिग लड़की ने अपने साथ कथित दुष्कर्म की बात बताई, जिसके बाद समिति की सदस्य प्रतिभा जोशी ने शनिवार शाम पुलिस को तहरीर दी, जिसके आधार पर पटेलनगर पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 70(2) तथा पॉक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया. वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन करने के अलावा स्वंय पीड़ित बालिका से मिलकर घटना की जानकारी ली तथा घटनास्थल का निरीक्षण किया. पुलिस ने बताया कि बालिका ने प्रारंभिक पूछताछ में बताया कि उसके माता-पिता नहीं हैं और वह पंजाब की रहने वाली है. बाद में उसने पुलिस को बताया कि वह उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की रहने वाली है और वह पहले मुरादाबाद से दिल्ली गयी और फिर दिल्ली में कश्मीरी गेट से बस पकड़कर देहरादून आयी जहां उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया गया.

ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या मामले में टीएमसी सांसद को किया तलब

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और हत्या मामले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद सुखेंदु शेखर रे को नोटिस भेजा है. बताया जा रहा है कि पुलिस ने उन्हें इस मामले में गलत सूचना फैलाने के आरोप में ये नोटिस जारी किया है. टीएमसी सांसद पर आरोप हैं कि उन्होंने घटना स्थल पर डॉग स्क्वायड को भेजे जाने को लेकर गलत सूचना का प्रचार किया था. आपको बता दें कि टीएमसी सांसद रे ने कुछ दिन पहले दिए अपने एक बयान में कहा था कि स्थानीय पुलिस घटनास्थल पर तीन दिन बाद डॉग स्क्वायड लेकर पहुंची थी. खास बात ये है कि कोलकाता पुलिस ने रविवार को ही आरजी कर अस्पताल के दो डॉक्टर और बीजेपी सांसद लॉकेट चटर्जी को भी इस मामले में नोटिस जारी किया था. आपको बता दें कि टीएमसी सांसद सुखेंदु शेखर रे ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर से रेप एवं हत्या की घटना को लेकर रविवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट किया.

कुवैत पहुंचने पर विदेश मंत्री अल-याह्या ने जयशंकर का किया स्वागत

विदेश मंत्री ने कुवैत के युवराज से की मुलाकात

एजेंसी। कुवैत सिटी

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत के युवराज शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उनसे चर्चा की. जयशंकर रविवार को एक दिवसीय यात्रा पर कुवैत पहुंचे. विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने उनका स्वागत किया.

जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'कुवैत के युवराज शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं. भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की तरफ से उन्हें शुभकामनाएं दीं. भारत और कुवैत के बीच सद्भावना और मित्रता के सदियों पुराने संबंध हैं. हमारी समकालीन साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है. हमारे संबंधों को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने से जुड़े उनके विचार और मार्गदर्शन के लिए उनका धन्यवाद.'' विदेश मंत्रालय ने यात्रा से पहले एक बयान में कहा कि उनकी यात्रा से दोनों देशों को राजनीतिक मसलों, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, सुरक्षा, सांस्कृतिक, वाणिज्य दूतावास समेत भारत-कुवैत द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत करने का मौका मिलेगा और आपसी हितों के जुड़े क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी होगा. कुवैत की एक इमारत में लगी भीषण आग में 45 भारतीयों की मौत की घटना के करीब दो माह बाद विदेश मंत्री यहां की यात्रा पर आये हैं. मंगाफ में जून में सात मंजिला इमारत में आग लगने से 49 विदेशी कामगार मारे गए थे.

नेपाल की नयी विदेश मंत्री राणा ने भारत की पांच दिनी यात्रा शुरू की, जयशंकर से करेंगी मुलाकात

काठमांडू। नेपाल की नवनियुक्त विदेश मंत्री आरजू देउबा राणा ने रविवार को भारत की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा शुरू की और इस दौरान वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने तथा सहयोग को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात करेंगी. विदेश मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि जयशंकर के निमंत्रण पर राणा भारत की यात्रा कर रही हैं. यह पदभार संभालने के बाद राणा की विदेश की पहली आधिकारिक यात्रा है. इसमें कहा गया है, 'इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री राणा भारत के अपने समकक्ष जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगी और नेपाल-भारत संबंधों को मजबूत करने तथा सहयोग को बढ़ावा देने के लिए परस्पर हित के मामलों पर चर्चा करेंगी.'

बयान में कहा गया है कि नेपाल और भारत के बीच आए दिन उच्च स्तरीय यात्राओं के तहत राणा की यात्रा से दोनों पड़ोसी देशों के बीच दशकों पुराने, गहरे तथा बहुआयामी संबंध और मजबूत होंगे. नयी दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'भारत की 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत नेपाल उसका एक प्राथमिक साझेदार है. आगामी यात्रा से दोनों पक्षों को द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करने तथा उसमें प्रगति की समीक्षा करने का अवसर मिलेगा तथा हमारे संबंधों को और मजबूत करने में मदद मिलेगी.' नेपाल के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने पहले बताया था कि नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की पत्नी राणा की यात्रा प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक के बाद हो रही है जिसमें विदेश मंत्री के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा का समर्थन किया गया.

कर्नाटक के मंत्री बोले-कांग्रेस ने प्रतिशोध के तहत किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, उसकी पहली प्राथमिकता सुशासन

अगले छह महीनों में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे : प्रियंक खरगे

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने रविवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आधे नेता अगले छह महीने में या तो जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे, क्योंकि कांग्रेस नीत सरकार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों की तह तक जाएगी.

मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अनुमति दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रियंक ने कहा कि कांग्रेस ने प्रतिशोध के तहत किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि उसकी पहली प्राथमिकता सुशासन है. खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, 'सरकार के तौर पर हमारी पहली प्राथमिकता कुशल शासन देना है, न कि प्रतिशोध में कार्रवाई करना, लेकिन हां, यह भी कहा जा सकता है कि पिछली सरकार में काफी अनियमितताएं हुई थीं.' मंत्री ने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ 35 से अधिक मामले हैं और तीन से चार मामलों में अंतरिम रिपोर्ट पेश की गई है. उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने आपराधिक जांच विभाग की एक विशेष जांच टीम गठित की है. खरगे ने कहा, 'हम इन मामलों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं. हम इन मामलों की तह तक पहुंचेंगे. इसमें समय लगता है. पिछली सरकार में बहुत भ्रष्टाचार हुआ था. हम इस पर काम कर रहे हैं. मैं आपको फिर से आश्वस्त करना चाहता हूं कि अगले छह महीनों में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे.' एक सवाल पर खरगे ने कहा कि सिद्धरमैया के खिलाफ मामले को भाजपा नेता तार्किक अंजाम तक नहीं ले जा सकते क्योंकि उनके पास कोई सबूत नहीं है.

एमयूडीए प्रकरण : मुख्यमंत्री ने 22 को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई है. राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद यह बैठक बुलाई गयी है. मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, बैठक विधान सौध सम्मेलन कक्ष में होगी. सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने यह जानकारी दी.

होगा राज्यव्यापी प्रदर्शन : कर्नाटक कांग्रेस ने एमयूडीए प्रकरण में राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है. उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से तालुक और जिला स्तर के कार्यालयों तक एक किलोमीटर लंबा मार्च निकालने और राज्यपाल के इस कदम के खिलाफ राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया.

श्रीलंका ने भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ बनाने पर दिया जोर

- राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने तीसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन को किया संबोधित

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने आर्थिक संकट से उबर रहे अपने देश के भारत के साथ संबंध प्रगाढ़ बनाने पर जोर दिया है. विक्रमसिंघे ने शनिवार को उत्तर-मध्य शहर अनुराधापुरा से 'सतत भविष्य के लिए सशक्त ग्लोबल साउथ' विषय पर आयोजित तीसरे 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन के राष्ट्राध्यक्ष सत्र को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए कही. 'ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया. भारत-श्रीलंका संबंधों पर विचार व्यक्त करते हुए राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने दोनों देशों के बीच साझा किए गए दृष्टिकोण वक्तव्य पर जोर दिया. उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस दृष्टिकोण से विभिन्न क्षेत्रों में श्रीलंका और भारत के बीच मजबूत एकीकरण होगा. राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने एशिया में आर्थिक साझेदारी का विस्तार करने के लिए विशेष रूप से बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग पहल (बिम्सटेक) के माध्यम से श्रीलंका की रणनीतिक प्रतिबद्धता का उल्लेख किया.

फैसला शीर्ष अदालत पर 'सेंसरशिप' लागू करने का लगाया आरोप

ब्राजील में अपना संचालन बंद करेगा 'एक्स'

एजेंसी। मेक्सिको सिटी

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' ने ब्राजील में अपना संचालन बंद करने की शनिवार को घोषणा की. कंपनी ने आरोप लगाया कि ब्राजीलियाई उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे डि मोरेज ने 'सेंसरशिप' से जुड़े आदेशों का अनुपालन न करने पर ब्राजील में 'एक्स' के न्यायिक प्रतिनिधि को गिरफ्तार करने की चेतावनी दी है.

'एक्स' ने कहा कि वह ब्राजील में अपने सभी शेष कर्मचारियों को "तत्काल प्रभाव" से हटा रहा है. हालांकि, कंपनी ने भरोसा दिलाया कि ब्राजील के लोगों के लिए साइट की सेवाएं जारी रहेंगी. 'एक्स' ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह ब्राजील में संचालन बंद करने के बाद देश के लोगों को साइट की सेवाएं उपलब्ध कराना कैसे जारी रखेगा. साल की शुरुआत में 'एक्स' पर अभिव्यक्ति की आजादी, धुर दक्षिणपंथी खातों और गलत सूचनाओं के प्रसार को लेकर कंपनी का न्यायमूर्ति डि मोरेज से मतभेद हुआ था. 'एक्स' ने आरोप लगाया कि न्यायमूर्ति डि मोरेज का हालिया आदेश 'सेंसरशिप' के समान है. उसने 'एक्स' संबंधी आदेश की प्रति भी साझा की.

न्यायमूर्ति डि मोरेज न्याय पर बड़ा कलंक हैं : मस्क

न्यायमूर्ति डि मोरेज ने पिछले कुछ महीनों में ऐसे कई कठोर आदेश पारित किए हैं, जिन्हें वह लोकतंत्र की रक्षा के लिए जरूरी मानते हैं. इनमें पूर्व राष्ट्रपति जायर बोलसोनारो के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच से लेकर उनके धुर दक्षिणपंथी सहयोगियों के सोशल मीडिया खातों पर प्रतिबंध लगाना और आठ जनवरी 2023 को सरकारी इमारतों पर धावा बोलने वाले समर्थकों की गिरफ्तारी का आदेश देना शामिल है.

'एक्स' ने एक बयान में कहा, "डि मोरेज ने कानून या उचित प्रक्रिया का सम्मान करने के बजाय ब्राजील में हमारे कर्मचारियों को धमकाने का विकल्प चुना है." वहीं, मस्क ने पोस्ट किया कि डि मोरेज "न्याय पर बड़ा कलंक हैं."

उच्चतम न्यायालय के मीडिया कार्यालय ने मामले में तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. उसने 'एक्स' द्वारा साझा किए गए दस्तावेजों की प्रमाणिकता की भी पुष्टि नहीं की. न्यायमूर्ति डि मोरेज ने अप्रैल में 'एक्स' पर मानहानिकारक फर्जी खबरों के प्रसार को लेकर कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे. उन्होंने 'एक्स' पर आपराधिक समूहों की कथित गतिविधियों, संभावित व्यवधानों और उकसावे वाले पोस्ट की जांच करने को भी कहा था. ब्राजील के दक्षिणपंथी दल न्यायमूर्ति डि मोरेज पर अभिव्यक्ति की आजादी पर लगाम कसने के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने और राजनीतिक उत्पीड़न में शामिल होने का आरोप लगाते आए हैं.

संघर्ष विराम के लिए पश्चिम एशिया रवाना हुए ब्लिंकन

गाजा पर इजराइली हमले में 19 लोगों की मौत

एजेंसी। दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)

गाजा में बीती रात इजराइल के हमलों में एक महिला और उसके छह बच्चों समेत 19 लोगों की मौत हो गई. वहीं अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन महीनों से जारी जटिल वार्ताओं के बाद एक संघर्ष विराम समझौता कराने के उद्देश्य से रविवार को पश्चिम एशिया के लिए रवाना हो गए.

दोहा में दो दिन की वार्ता के बाद अमेरिका और उसके सहयोगी मध्यस्थ देश मिस्र और कतर समझौता कराने के करीब पहुंचते दिख रहे हैं. अमेरिकी और इजराइली अधिकारियों ने समझौते को लेकर सावधानीपूर्वक आशा व्यक्त की है, लेकिन हमास ने लड़ाई जारी रखने के संकेत दिए हैं. अल अक्सा अस्पताल के अनुसार इजराइल ने नए सिरे से बमबारी करते हुए रविवार तड़के दीर अल-बलाह में एक मकान पर हमला किया जिसमें एक महिला और उसके छह बच्चों की मौत हो गई. 'एसोसिएटेड प्रेस' के एक संवाददाता ने अस्पताल में शवों की गिनती की है. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी शहर जबालिया में एक रिहायशी इमारत के दो अपार्टमेंट पर हमला हुआ, जिसमें दो पुरुषों, एक महिला और उसकी बेटी की मौत हो गई. अवदा अस्पताल के अनुसार मध्य गाजा में हुए एक और हमले में चार लोगों की मौत हो गई. नासिर अस्पताल के मुताबिक शनिवार देर रात दक्षिणी शहर खान यूनिस के निकट हमले में दो महिलाओं समेत एक परिवार के चार लोगों की मौत हो गई.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)